रविवार

30 जून 2024

डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

आपकी आवाज

लगातार पुल गिरने पर बोले तेजस्वी... यह भ्रष्टाचार नहीं शिष्टाचार

2

बोले केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान...समय आने पर नीट मामले में लेगी सरकार सही फैसला

- पेपर लीक में शामिल लोगों को किसी हाल में बख्शा नहीं जाएगा, जो भी इसमें शामिल होगी कार्रवाई

एजेंसी/पटना

हाजीपुर लोकसभा सीट से जीत हासिल करने के बाद केंद्रीय मंत्री बनने के बाद लोजपा चीफ चिराग पासवान पहली बार पटना आए हैं। उनके साथ उनकी पार्टी के चारों सांसद भी पटना में मौजूद हैं। पटना एयरपोर्ट पर कार्यकताओं ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। इस मौके पर चिराग ने आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर उनकी क्या रणनीति होगी, इसकी जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान

ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में हमारी बड़ी जीत हुई है। पार्टी ने चुनाव में शत प्रतिशत स्ट्राइक रेट रखा है। इस जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमें बड़ी जिम्मेदारी दी है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री की जो जिम्मेवारी सौंपी है उसे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाना है। चिराग ने कहा कि बिहार में अगले साल विधानसभा के चुनाव भी होने हैं। ऐसे में पार्टी उसकी तैयारी में मजबूती के साथ जुटेगी ताकि जो जीत लोकसभा में हमें मिली है, वही जीत विधानसभा चुनाव में भी मिल सके। पीएम मोदी के साथ तमाम सांसदों के साथ मुलाकात हुई है। प्रधानमंत्री ने सभी सांसदों को अपना मार्गदर्शन दिया है। नीट पेपर लीक पर चिराग ने कहा कि मामले की जांच चल रही है और लोगों की गिरफ्तारियां हो रही हैं। जो लोग भी इसमें संलिप्त हैं, उनके खिलाफ सख्त एक्शन होगा। पेपर लीक में शामिल लोगों को किसी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। परीक्षा रद्द करने के सवाल पर चिराग ने कहा कि सरकार जो भी फैसला लेगी, वह छात्रों के हित में होगा। सरकार बच्चों के हित में सोचती है। युवाओं का भविष्य खराब करने में देश का भविष्य खराब होगा। यह एनडीए सरकार कभी बर्दास्त नहीं करेंगी। इसमें जो भी दोषी पाये जायेगें। सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगी।

एनटीए ने की यूजीसी नेट के लिए नई तारीखों की घोषणा

नई दिल्ली। 21 अगस्त से 4 सितंबर के बीच होगा एग्जामनेशनल टेस्ट एजेंसी ने विभिन्न परीक्षाओं के लिए नई एग्जाम तारीखों का ऐलान कर दिया है। इसके तहत एनटीए ने तीन परीक्षाओं की तारीखों की घोषणा की है, जिसमें सीएसआईआर नेट, यूजीसी नेट और एनसीईटी परीक्षाओं के लिए तारीखों का ऐलान किया है। यूजीसी नेट की परीक्षा 21 अगस?त से 4 सितंबर के बीच होगी। वहीं सीएसआईआर नेट की परीक्षा 25 जुलाई से 27 जुलाई के बीच संपन्न कराई जाएगी। पेपर लीक होने के कारण नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने नेट की परीक्षा को रद्द कर दिया था, जिसके बाद अब परीक्षा की नई तारीखों का ऐलान किया गया है। इस बार यूजीसी नेट की परीक्षा कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट कराई जाएगी। पूर्व में यह एग्जाम पेन और पेपर आधारित होता था। इसके साथ ही नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, एनसीईटी की परीक्षा 10 जुलाई को कराई जाएगी। यह भी कंप्यूटर बेस्ट टेस्ट होगा।

नीट को लेकर सदन में भी हंगामा

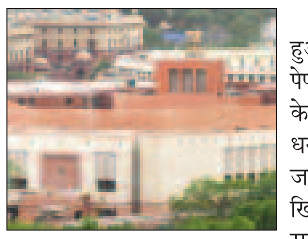

नई दिल्ली। नई लोकसभा का पहला सत्र शुरू हुआ। राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद सदन में नीट पेपर लीक के मामले में जमकर हंगामा हुआ। हंगामे के चलते राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा नहीं हो सकी। संसद में जारी इसी गतिरोध पर ही इस हफ्ते खबरों के खिलाड़ी में चर्चा हुई। चर्चा के दौरान वरिष्ठ पत्रकार रामकृपाल सिंह, समीर चौगांवकर, विनोद अग्निहोत्री, हर्षवर्धन त्रिपाठी, सुनील शुक्ल, पूर्णिमा त्रिपाठी और राखी बख्शी मौजूद रहीं। नीट के मामले को राजनीति से अलग रखकर सत्ता पक्ष और विपक्ष को मिलकर के विचार करना चाहिए था। इस मसले से लाखों छात्र प्रभावित हैं। सरकार का रवैया ढुलमुल रहा है। पहले शिक्षा मंत्री ने एटीए को क्लीन चिट दे दी। फिर कहा कि मैंने जल्दबाजी में ऐसा कह दिया था। इस मामले को सरकार को संजीदा तरीके से लेना चाहिए था। सदन एक ऐसा मंच है जहां चर्चा होगी तो लोगों को सरकार पर भरोसा बढ़ेगा। सरकार को छात्रों को भरोसा देना चाहिए कि उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है।

पासपोर्ट सेवा केंद्र के बिचौलियों और अधिकारियों से जुड़े एक भ्रष्टाचार रैकेट का हुआ पदार्फाश

पासपोर्ट सेवा केंद्रों पर भ्रष्टाचार, मुंबई में 33 जगहों पर सीबीआई की छापेमारी, संदिग्ध लेनदेन उजागर

केटी न्यूज/नई दिल्ली

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भ्रष्टाचार की शिकायत पर सीबीआई की कार्रवाई देखने को मिली है। बता दें कि दो पासपोर्ट सेवा केंद्र में भ्रष्टाचार की शिकायत के बाद सीबीआई की तरफ से महाराष्ट्र में 33 जगहों पर बड़े स्तर पर छापेमारी की गई है। सीबीआई की छापेमारी में मुंबई और नासिक जिले में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान में कई डिजिटल उपकरण, दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई। अधिकारियों के मुताबिक सीबीआई ने लोअर परेल और मलाड में पासपोर्ट सेवा केंद्र के बिचौलियों और अधिकारियों से जुड़े एक भ्रष्टाचार रैकेट का पदार्फाश किया है। सीबीआई ने अपनी 12 एफआईआर में 18 एजेंटों और बिचौलियों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। ये अधिकारी पासपोर्ट सुविधा एजेंटों के साथ नियमित संपर्क में थे। जानकारी के मुताबिक पासपोर्ट सेवा केंद्र के सभी एजेंट और बिचौलियों अपर्याप्त या अधूरे दस्तावेज के आधार पर या पासपोर्ट आवेदकों के व्यक्तिगत विवरण में हेराफेरी करके पासपोर्ट जारी करने के बदले में अनुचित लाभ प्राप्त करते थे। इस मामले में 26 जून को विदेश मंत्रालय के सतर्कता विभाग के साथ पासपोर्ट सेवा केंद्र में संयुक्त औचक निरीक्षण के दौरान इस भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ। इस दौरान मोबाइल फोन, सोशल मीडिया चैट और यूपीआई भुगतान के विश्लेषण से कई लाख रुपये के संदिग्ध लेनदेन सामने आए हैं। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी अधिकारी पासपोर्ट सेवा केंद्र में जूनियर और सीनियर पासपोर्ट सहायकों के पद पर हैं। ये कई पासपोर्ट सुविधा एजेंटों और दलालों के साथ मिलीभगत करके काम कर रहे थे और अपने या अपने परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में अवैध रूप से पैसे ले रहे थे। वहीं विदेश मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद सीबीआई ने अधिकारियों और बिचौलियों के खिलाफ 12 एफआईआर दर्ज की।

पहली बार दो क्लासमेट के हाथों में होगी थल और नौसेना की कमान, 5वीं से हैं दोस्त, रीवा सैनिक स्कूल से की पढ़ाई

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय सेना के इतिहास में पहली बार दो क्लासमेट भारतीय नौसेना और नौसेना के चीफ होंगे। लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी का भारतीय सेना का प्रमुख नियुक्त किया गया है। इससे पहले एडमिरल दिनेश त्रिपाठी को नौसेना का प्रमुख बनाया गया था। मध्य प्रदेश के सैनिक स्कूल रीवा से आने वाले, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी और नामित सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी 1970 के दशक की शुरुआत में 5वीं क्लास में एक साथ पढ़ते थे। दोनों अधिकारियों के रोल नंबर भी एक-दूसरे के आसपास थे। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी का रोल नंबर 931 और एडमिरल त्रिपाठी का 938 था। स्कूल के दिनों से ही दोनों काफी अच्छे दोस्त हैं और सेना के अलग-अलग अंगों में होने के बावजूद वे हमेशा संपर्क में रहते हैं। दोनों अधिकारियों को जानने वाले एक रक्षा अधिकारी ने कहा कि सेना में वरिष्ठ नेतृत्व के बीच मजबूत दोस्ती सेनाओं के बीच कामकाजी संबंधों को मजबूत करने में बहुत मायने रखती है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ए भारत भूषण बाबू ने एक ट्वीट में कहा कि दो प्रतिभाशाली छात्रों को प्रशिक्षित करने का यह दुर्लभ सम्मान, जो 50 साल बाद अपनी-अपनी सेनाओं का नेतृत्व करेंगे, मध्य प्रदेश के रीवा के सैनिक स्कूल को जाता है। दोनों सहपाठियों की नियुक्तियां भी लगभग दो महीने के अंतर पर एक ही समय में हुई हैं। एडमिरल ने 1 मई को भारतीय नौसेना की कमान संभाली थी, जबकि लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी रविवार को अपनी नया पदभार संभालेंगे। बता दें कि वर्तमान में उप सेनाध्यक्ष के पद पर कार्यरत लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी 30 जून 2024 को अपना नया पदभार ग्रहण करेंगे और

जनरल मनोज पांडे की जगह लेंगे। आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडेय रिटायर होने वाले हैं। सेना के उप प्रमुख का पदभार ग्रहण करने से पहले वह 2022 से 2024 तक उधमपुर स्थित उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ थे। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी को 1984 में 18 जम्मू और कश्मीर राइफल्स में कमीशन दिया गया था। जनरल ऑफिसर को उत्तरी और पश्चिमी दोनों थिएटरों के संतुलित अनुभव का अनूठा गौरव प्राप्त है। उत्तरी सेना कमांडर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने जम्मू-कश्मीर में गतिशील आतंकवाद विरोधी अभियानों को संचालित करने के अलावा, उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं पर निरंतर अभियानों की योजना बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन और परिचालन निगरानी प्रदान की। वह चीन के साथ विवादित सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए चल रही बातचीत में सक्रिय रूप से शामिल थे। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी को यूएस आर्मी वॉर कॉलेज, कार्लिस्ले, यूएसए में नेशनल डिफेंस कॉलेज के समकक्ष पाठ्यक्रम में विशिष्ट फेलो से सम्मानित किया गया।

हरियाणा में फिर से आयेगी भाजपा की सरकार : गृह मंत्री

- नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा हरियाणा का चुनाव
- राज्य चुनाव में भाजपा नहीं करेगी गठबंधन

एजेंसी/पंचकूला

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि पार्टी लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ राज्य की सत्ता में आएगी। यहां पंचकूला में पार्टी की विस्तारित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि भाजपा इस साल अक्टूबर से पहले होने वाले राज्य चुनाव के लिए कोई गठबंधन नहीं करेगी। तीसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी भाजपा पार्टी सूत्रों ने शाह के हवाले से बताया कि पार्टी को किसी बैसाखी की जरूरत नहीं है।

शाह ने कार्यकताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा हरियाणा में तीसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। गृह मंत्री ने पार्टी कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि हरियाणा के लोगों ने मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मीडिया को बैठक की कार्यवाही कवर करने की अनुमति नहीं दी गई। इस वर्ष मार्च में भाजपा ने मनोहर लाल खट्टर की जगह ओबीसी नेता नायब सिंह सैनी को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया था। भाजपा नेता किरण चौधरी ने कहा कि अपने संबोधन के दौरान शाह ने पार्टी कार्यकताओं में नया जोश और उत्साह भरा। ताऊ देवी लाल स्टेडियम में आयोजित सत्र के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं हरियाणा के लिए भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, सह-प्रभारी बिप्लब कुमार देब, मुख्यमंत्री सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और वरिष्ठ नेता सौदान सिंह मौजूद थे। इस मौके पर राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला, लोकसभा सांसद नवीन जिंदल और धर्मबीर सिंह, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता और पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई भी मौजूद थे।

कोलकाता का न्यू मार्केट बना जंग का अखाड़ा, रेहड़ी व कारोबारियों में झड़प

केटी न्यूज/कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के न्यू मार्केट में इलाके में व्यापारियों और फेरीवालों के बीच झड़प हुई है। बता दें कि कुछ दिन पहले ही राज्य में सत्ताधारी दल की मुखिया और सीएम ममता बनर्जी ने राज्य में अतिक्रमण को लेकर रेहड़ी वालों को एक महीने का समय दिया था कि वो अपने सामान और कारोबार के साथ अतिक्रमण को खाली कर दें। मामले में पुलिस अधिकारियों ने बताया कि न्यू मार्केट इलाके में ये विवाद तब शुरू हुआ जब कुछ फेरीवालों ने हेरिटेज न्यू मार्केट परिसर और आसपास के खुले स्थानों में स्थायी संरचनाओं वाले व्यापारियों की तरफ से गाड़ी पार्क करने पर आपत्ति जताई। वहीं इस मामले में फेरीवालों ने मांग की कि न्यू मार्केट परिसर में सिमपार्क मॉल के सामने पार्किंग की जगह को स्थायी दुकानदारों के वाहनों से खाली कराया जाए और फेरीवालों को अपना सामान लगाने की अनुमति दी जाए। न्यू मार्केट में जब बहस हाथापाई में बदल गई।

विधानसभा चुनाव के बाद झारखंड से होगा बीजेपी का सफाया: पूर्व सीएम

केटी न्यूज/पटना

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को भाजपा पर उनके खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया और दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा का राज्य से सफाया हो जाएगा। अपने आवास पर झामुमो कार्यकताओं को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा कि उन्हें जेल में बंद करने की साजिश रचने वालों के खिलाफ विद्रोह होगा और झारखंड के लोग भाजपा को नहीं बख्शेंगे। झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के ताबूत में आखिरी कील ठोकने का समय आ गया है। आने वाले दिनों में झारखंड से भाजपा का सफाया हो जाएगा। धन शोधन के एक मामले में झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा जमानत दिए जाने के बाद सोरेन को शुक्रवार को बिरसा मुंडा जेल से रिहा किया गया। अदालत ने कहा है कि प्रथम द्दष्टया, हेमंत दोषी नहीं हैं और जमानत पर रिहाई के दौरान याचिकाकर्ता द्वारा कोई अपराध किए जाने की कोई आशंका नहीं है। झामुमो नेता को प्रवर्तन निदेशालय ने 8.36 एकड़ भूमि पर अवैध कब्जे से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था।

छत्तीसगढ़, झारखंड व ओडिशा में 29-30 जून को व बिहार में 30 जून से दो जुलाई तक भारी बारिश

उत्तर पश्चिम-पूर्वोत्तर भारत में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश की संभावना

केटी न्यूज/नई दिल्ली

मौसम विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को अगले चार से पांच दिनों में उत्तर-पश्चिम और पूर्वोत्तर भारत में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। आईएमडी ने कहा कि उत्तर ओडिशा-पश्चिम बंगाल के गंगा के तटों से सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर अभी एक कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। विभाग ने कहा कि उत्तर-पूर्वी राजस्थान, बिहार की सीमा से लगे पूर्वी उत्तर प्रदेश और क्षोभमंड के

निचले स्तरों पर उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश में चक्रवाती परिसंचरण (सकुर्लेशन) बना हुआ है। आईएमडी ने कहा कि इन मौसमी प्रणालियों के कारण हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में 29 जून से तीन जुलाई तक भारी बारिश होने की संभावना है। छत्तीसगढ़, गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में 29-30 जून को और बिहार में 30 जून से दो जुलाई तक भारी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में अलग-अलग क्षेत्रों में बहुत बारिश का अनुमान जताया है। पूर्वोत्तर में अगले पांच दिनों तक पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में हल्की से मध्य बारिश, गरज के साथ बिजली गिरने और एक दो स्थानों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।अरुणचाल प्रदेश में 29-30 जून को और असम व मेघालय में 29 जून को अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने 29 जून से एक जुलाई तक सौराष्ट्र, कच्छ, केरल, तमिलनाडु और तटी व दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भारी बारिश का अनुमान जताया है।गुजरात, गोवा और मध्य महाराष्ट्र में 29 जून से 3 जुलाई तक भारी बारिश होने की संभावना है। कोंकण, गोवा और मध्य महाराष्ट्र में 30 जून से 3 जुलाई तक बहुत भारी बारिश होने की भविष्यवाणी की गई है।

बोले मांझी... सरकार को बदनाम करने की हो रही साजिश, लोकसभा चुनाव के पूर्व क्यों नहीं गिरे पुल

केटी न्यूज/पटना

बिहार में पिछले 10 दिन भीतर पांच पुलों के गिरने पर खूब सियासत हो रही है। विपक्ष दल इसे मुद्दा बनाकर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। आरजेडी नेता हर दिन सोशल मीडिया के जरिए सरकार पर हमले बोल रहे हैं। पुलों के गिरने पर हो रही सियासत के बीच केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का रिएक्शन आया है। जीतन राम मांझी ने इसके पीछे बड़ी साजिश की आशंका जताई है और सवाल उठाया है कि आखिर लोकसभा चुनाव के बाद ही पुल क्यों गिर रहे हैं। अपने संसदीय क्षेत्र गया पहुंचे केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने मीडिया से बातचीत के दौरान

बिहार में लगातार गिर रहे पुल और उसको लेकर हो रही सियासत पर कहा कि यह चिंता की विषय है कि पुल गिर रहे हैं। आज से 15 दिन या एक महीना पहले पुल क्यों नहीं गिरा, अभी क्यों गिर रहा है। कहीं कोई साजिश तो नहीं है। उन्होंने कहा कि लगातार पुल गिर रहा है, क्या सरकार को जानबूझकर कहीं बदनाम करने की साजिश तो नहीं है। इस दौरान मांझी ने ऐसे कई प्रश्न उठाया और कहा कि अपनी तरफ से भारत सरकार सचेत है। जो पुल गिरा है उसके ठेकेदार और इंजीनियर पर सख्त से सख्त कार्रवाई कर रही है ताकि आगे ऐसी घटना न हो। वहीं नीट पेपर लीक मामले पर मांझी ने कहा कि जनता के सामने यह बात आई है। कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जा रही है। जगह-जगह रेड हो रहे हैं, सरकार उचित कार्रवाई कर रही है। भारत सरकार, सुप्रीम कोर्ट या बिहार सरकार सख्त हो गई है। किसी को बचाने और ना ही किसी को फंसाने जा रही है। आगे किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो सरकार पुख्ता इंतजाम कर रही है।

लगातार पुल गिरने पर बोले तेजस्वी... यह भ्रष्टाचार नहीं, शिष्टाचार है

पटना। बिहार के मधुबनी में एक और पुल ने जल समाधि ले ली। दो दिन पहले ही पुल के गार्टर की ढलाई हुई थी। इसी बीच पानी का तेज बहाव आने के कारण गार्टर से सपोर्ट हट गया और वह धराशायी हो गया। इस मामले में फिलहाल किसी के घायल होने की खबर नहीं है। बता दें कि पिछले 10 दिनों में बिहार के अंदर पुल गिरने का यह 5 वां मामला सामने आया है। इसके बाद अब इस मामले में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। तेजस्वी यादव ने कहा है कि बधाई हो, बिहार में डबल इंजन सरकार की डबल ताकत से महज 10 दिन में केवल और केवल 09 पुल ही गिरे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रहनुमाई और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई में छह दलों वाली डबल

इंजनधारी एनडीए की सरकार ने बिहारवासियों को 10 दिन में 09 पुल गिरने पर मंगलराज की कल्याणमयी उज्जवल शुभकामनाएं प्रेषित की है। इसके आगे तेजस्वी ने कहा कि पुलों के गिरने से जनता के स्वाहा हो रहे हजारों करोड़ को स्वघोषित ईमानदार लोग भ्रष्टाचार न कह कर शिष्टाचार कह रहे हैं। विपक्षियों को भ्रष्टाचार का नारंगी प्रमाण पत्र बांटने वाले तथा पक्षकारिता की पत्रकारिता में पृथ्वी और आकाश की सभी रैंकिंग में नंबर-एक विश्व विजेता गोदी मीडिया द्वारा प्रमाणित सत्यवादी एवं अविनाशी नेता इन सुशासनी कारनामों पर मुंह क्यों नहीं खोलते। पुलों के जलसमाधि लेने पर विपक्षी नेता इस्तीफा दें। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में यह स्पष्ट दिख रहा है कि किस तरह से भ्रष्टाचार अपने चरम पर जा रहा है। अफसरशाही का राज है। नीतीश कुमार इसे रोकने में पूरी तरह से नाकाम हो रहे है। इसका जवाब जनता देगी।

दिल्ली में जनता दल युनाइटेड की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की हुई अहम बैठक

नीतीश ने खायी आखिरी कसम ! अब पूरी जिंदगी रहेंगे बीजेपी के साथ, नहीं बदलेंगे

- सीएम नीतीश ने संजय झा को दी अहम जिम्मेदारी, बनाया कार्यकारी अध्यक्ष
- आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी ने कसी कमर

केटी न्यूज/पटना

राजकपूर की तीसरी कसम की तर्ज पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज आखिरी कसम खायी। जेडीयू नेताओं की बैठक में कहा-अब पूरी जिंदगी बीजेपी के साथ रहेंगे। दाएं-बाएं जाने का अब कोई सवाल ही नहीं है। मीडिया को जो लिखना है लिखता रहे। विपक्षी दलों को जो बोलना है बोलते रहें।

जेडीयू कार्यसमिति की बैठक में नीतीश का ऐलान: दरअसल, नीतीश कुमार ने शनिवार को दिल्ली में जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुलायी थी। बैठक में पिछले लोकसभा चुनाव की समीक्षा के साथ साथ 2025 के विधानसभा चुनाव की तैयारी पर चर्चा होनी थी। इसी बैठक में अपने

सहयोगियों से नीतीश बोले-इधर-उधर की बात पर ध्यान मत दीजियेगा। अब हम कहीं और जाने वाले नहीं हैं। पिछली बातों को भूल जाइये। अब हम जब बीजेपी के साथ आ गये हैं तो और कहीं जाने वाले नहीं हैं। अब पूरी जिंदगी बीजेपी के साथ ही रहेंगे। दाएं-बाएं का कोई सवाल ही नहीं है। बैठक के बाद जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने नीतीश कुमार के इस एलान की पुष्टि की। केसी त्यागी ने कहा कि नीतीश कुमार ने स्पष्ट कर दिया है कि वे अब किसी दूसरे गठबंधन में जाने वाले नहीं है। जेडीयू और बीजेपी का गठबंधन पूरी मजबूती से काम कर रहा है। दोनों पार्टियों में काफी अच्छा समन्वय है। इसलिए जो कोई भी दूसरी बात कर रहा है वह अफवाह फैला रहा है।

सुप्रीम कोर्ट जायेंगे नीतीश

केसी त्यागी ने कहा कि बैठक में बिहार में आरक्षण को लेकर भी चर्चा हुई। बिहार सरकार ने आरक्षण के दायरे को 50 परसेंट से बढाकर 65 परसेंट किया था। लेकिन पटना हाईकोर्ट ने सरकार के इस फैसले को रद्द कर दिया है। नीतीश कुमार ने अपनी पार्टी के नेताओं से कहा कि हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट जायेगी। जल्द ही सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर होईकोर्ट के फैसले पर रोक की मांग की जायेगी।

विशेष राज्य के दर्जे की मांग

केसी त्यागी ने कहा कि बैठक में राजनीतिक प्रस्ताव पारित कर बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की गयी। जेडीयू शुरू से ही ये मांग कर रही है और अब भी ये मांग कायम है। आज भी इस संबंध में प्रस्ताव पारित किया गया। बिहार के विशेष पैकेज की भी मांग की गयी। केसी त्यागी ने कहा कि इन दोनों मांगों के लिए हम लड़ते रहेंगे। इसमें किसी

संजय झा को मिली बड़ी जिम्मेवारी, बनाए गए पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष

पटना। राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बड़ा फैसला लेते हुए अपने करीबी राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा को बड़ी जिम्मेवारी देते हुए उन्हें पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया है। कार्यकारिणी की बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर संजय झा के नाम पर मुहर लगी है दरअसल, बिहार सरकार में पूर्व मंत्री रह चुके संजय कुमार झा को नीतीश कुमार का खास माना जाता है। जेडीयू ने संजय झा को राज्यसभा सांसद बनाने के बाद अब नई जिम्मेवारी सौंपी है। पहले से ही इस बात की चर्चा थी कि नीतीश कुमार कार्यकारिणी की बैठक में कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर जिन दो नामों की चर्चा बिहार की सियासत में हो रही थी, उसमें पहला नाम संजय झा का था जबकि दूसरा नाम मनीष वर्मा के नाम था। कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद संजय झा अब जेडीयू का कामकाज देखेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद अब भी नीतीश कुमार के पास ही है, ऐसे में किसी भी बड़े फैसले पर अंतिम मुहर नीतीश कुमार की ही होगी।

बेलगाम अपराधियों ने पटना में दिनदहाड़े सात लाख रुपये की लूट को दिया अंजाम, मारी गोली

केटी न्यूज/पटना

एनडीए की सरकार में अपराधी बेलगाम हो गये हैं और एक के बाद एक अपराध की वारदात को बेखौफ अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामला पटना सिटी के बाईपास थाना इलाके का है जहां अपराधियों ने एनएच-30 पर बाइक सवार से दिनदहाड़े 7 लाख रुपये लूट लिया और मौके से फरार हो गये। बदमाशों ने बाइक सवार से पहले कहा कि पैसे से भरा बैग दो नहीं तो तुम्हारा भेजा खोल देंगे। जब बाइक सवार ने विरोध किया तो बदमाशों ने उसके कंधे में गोली मार दी। गोली लगने से वो घायल हो गये। घायल की पहचान 40 वर्षीय दीपक के रूप में हुई है। गोली लगने से दीपक खून से लथपथ होकर बीच सड़क पर गिर गया। जिसके बाद अपराधी पैसे से भरा बैग लेकर नौ दो ग्यारह हो गये। उधर सड़क पर गिरने के बाद स्थानीय लोगों ने बाइक सवार को सड़क से उठाकर किनारे कर दिया। फिर वो अपने दोस्त के साथ घायल अवस्था में ही बाइक से एनएमसीएच पहुंचा। जहां इलाज शुरू किया गया। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी को खंगालने में जुटी है। डीएसपी डॉ. गौरव कुमार ने बताया कि अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। दीपक पैसा कलेक्शन करने के बाद वापस कुम्हरार की ओर अपनी बुलेट से लौट रहा था। तभी अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया।

बोलीं लवली आनंद... सीएम के बेटे निशांत की होगी राजनीतिक इंट्री, गरमायी राजनीति

केटी न्यूज/पटना

बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल धीरे-धीरे गर्म हो रहा है।वहीं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के राजनीति में एंट्री की चर्चा के बाद राजनितिक बाजार भी काफी गर्म है। इस चर्चा को हवा और शिवहर सांसद लवली आनंद का बड़ा बयान सामने आने के बाद और हो गया है। लवली आनंद का कहना है कि राजनीतिज्ञ का बेटा राजनीति नहीं करेगा तो क्या खेती बड़ी करेगा। हालांकि उन्होंने कहा कि कि मुझे इस बात की कोई जानकारी नहीं कि नीतीश कुमार अपने बेटे को राजनीति में लाने चाहते हैं या नहीं, लेकिन अगर वो ऐसा करते हैं तो उनका स्वागत है। वहीं लालू प्रसाद के पार्टी राजद प्रवक्ता मृत्यंजय तिवारी ने कहा कि सांसद लवली आनंद का बयान काफी शर्मनाक है। उन्हें किसानों से

माफी मांगनी चाहिए। शिवहर सांसद लवली आनंद यहीं नही रूकी उन्होंने कहा कि जब एक वकील का बेटा वकील बनता है और डॉक्टर का बेटा डॉक्टर तो नेता को बेटा नेता बने तो इसमें बुराई क्या है। ज्ञात हो कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जदयू कार्यकारणी की बैठक में शामिल होने राजधानी दिल्ली पहुंचे थे। दिल्ली में आयोजित जेडीयू की इस दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में बिहार से पार्टी के तमाम नेता दिल्ली पहुंचे है। वहीं जेडीयू नेता और बिहार सरकार में मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि बैठक में लोकसभा चुनाव के बाद देश के वर्तमान राजनीतिक परिदृष्य की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की रणनिति तैयार की जाएगी। पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता का पूरा प्रयास है कि इस बार के विधानसभा चुनाव में पार्टी अपना बेहतर प्रदर्शन करते हुए अधिक से अधिक सीट लाये।

छज्जा गिरने से दादी पोता की मौत

पटना। नालंदा में एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के दो लोगों की मौत हो गई। आंधी और बारिश के दौरान मकान का छज्जा गिरने से दादी और पोता की मौत हो गई। घटना एकंगरसराय थाना क्षेत्र के सुंडी विगहा गांव की है। जानकारी के मुताबिक, शनिवार की सुबह आंधी और पानी से एक मकान का पहले करकट उड़ गया और बाद में छज्जा गिर गया। छज्जा गिरने से दादी और पोता मालवा में दब गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को मालबे से निकाल कर अस्पताल ले जाया गया, जहां दोनों की मौत हो गई। मृतक डोमन मोची के 14 वर्षीय बेटा धीरज कुमार और उनकी दादी सोना देवी है। परिवार के लोगों ने बताया कि धीरज कुमार और उनकी दादी घर के दरवाजा के पास थे, तभी अचानक छज्जा गिर गया। एक ही परिवार के दो लोगों की मौत के बार परिजनों में कोहराम मच गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मुंबई जाने वाली स्पाइस जेट की फ्लाइट हुई पांच घंटे लेट,

फ्लाइट लेट होने पर भड़के यात्रियों ने एयरपोर्ट पर किया हंगामा, बोले... हो रहा समय व पैसा का नुकसान

- यात्रियों का आरोप... एयरपोर्ट पर न तो बैठने की व्यवस्था है और न ही खाना और पानी की कोई सुविधा
- ऊंची कीमत पर टिकट के बावजूद एयरलाइंस नहीं देती पूरी सूचना

केटी न्यूज/पटना

मुंबई जाने वाली स्पाइस जेट की फ्लाइट 5 घंटे लेट होने से नाराज यात्रियों ने दरभंगा एयरपोर्ट पर जमकर हंगामा किया है। नाराज यात्रियों का आरोप है कि ऊंची कीमत पर टिकट लेने के बावजूद एयरलाइंस की ओर से विलंब होने की सूचना यात्रियों को समय

पर नहीं दी गई। नाराज यात्रियों का कहना है कि एयरपोर्ट पर न तो बैठने की व्यवस्था है और न ही खाना और पानी की कोई सुविधा है। जानकारी के मुताबिक, दरभंगा से मुंबई के लिए उड़ान भरने वाली स्पाइस जेट की विमान संख्या-116 को दरभंगा से सुबह के 10 बजकर, 50 मिनट पर उड़ान भरना था लेकिन तकनीकी वजह से स्पाइस जेट की विमान दरभंगा नहीं पहुंची। जब काफी देर तक विमान की उड़ान के संबंध में एयरपोर्ट पर यात्रियों से जानकारी साझा नहीं की गई तब यात्रियों ने पूछताछ काउंटर पर उड़ान के संबंध में जानकारी ली। तब उन्हें पता चला कि मुंबई की फ्लाइट शाम के 4 बजे उड़ान भरेगी। जिसके बाद यात्रियों ने स्पाइस जेट के खिलाफ हंगामा शुरू कर दिया।

दरभंगा से मुंबई की फ्लाइट पकड़ने आए नीतीश शाह ने बताया कि दरभंगा से मुंबई की स्पाइस जेट की फ्लाइट 10 बजकर, 50 मिनट पर थी लेकिन बिना किसी नोटिस के ही फ्लाइट को 3 बजकर 55 मिनट पर कर दिया गया। अभी तक यह भी कंफर्म नहीं है कि उस समय पर विमान जायेगा भी या नहीं। यहां पर तैनात कर्मी कुछ बता भी नही रहे हैं। हमलोगों का आने-जाने का खर्च के साथ समय भी बर्बाद हो गया। सभी यात्रियों को बाहर बैठा दिया गया है। गर्मी से सभी यात्रियों का हाल बेहाल है। यात्रियों का आरोप है कि दरभंगा एयरपोर्ट पर किसी प्रकार की कोई सुविधा नहीं है। जिसके कारण यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्पाइस जेट की फ्लाइट की व्यवस्था बहुत ही बेकार है। न अल्टीमेशन दिया गया न ही कुछ किया गया। स्पाइस जेट के सीनियर स्टाफ बाहर नहीं आ रहे हैं। किसी का कनेक्टिंग फ्लाइट है दुबई का तो किसी का कहीं और की फ्लाईट है। इस तरह के व्यवस्था में सब पैसा बर्बाद चला जाता है।

एक जुलाई से जिले में शुरू होगा नाइट ब्लड सर्वे, सभी प्रखंडों में दो-दो साइट्स चयनित

- नाइट ब्लड सर्वे के लिए लैब टेक्नीशियन को दिया गया प्रशिक्षण, दी गई अभियान की जानकारी
- रात में सक्रिय होते हैं फाइलेरिया के परजीवी, इसलिए रात्रि में होगा शिविर का आयोजन

केटी न्यूज/बक्सर

फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में नाईट ब्लड सर्वे की शुरूआत एक जून से की जायेगी। इसके लिए जिले के सभी प्रखंडों में दो-दो साइट्स का चयन किया गया है। जहां पर लोगों के खून के नमूने लिए जाएंगे। इस क्रम में नाइट ब्लड सर्वे के सफल संचालन के लिए सेशन साइट्स पर तैनात लैब टेक्नीशियन को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें उन्हें नाइट ब्लड सर्वे के दौरान खून के नमूने लेने और उसकी जांच करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने नाइट ब्लड सर्वे (एनबीएस) तथा सर्वजन दवा सेवन अभियान (एमडीएम) से संबंधित जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले से फाइलेरिया को पूरी से मिटाने के लिए एमडीए अभियान बेहद जरूरी है। लेकिन एमडीए तभी सफल होगा, जब वहां एनबीएस का रिपोर्ट सटीक आएगा। विभाग के गाइट लाइन्स के अनुसार रात 8:30 बजे से लेकर 12 बजे तक ही साइट्स पर सैंपल लिए जाएंगे। जिसकी जांच सैंपल लेने के 24 घंटों के अंदर कर लेनी है। ताकि, सर्वे के साथ-साथ लिए गए रक्त की स्टैनिंग भी समय से पूरी की जा सके। इसके लिए प्रखंडों के चयनित प्रत्येक साइट पर दो-दो लैब टेक्नीशियन की प्रतिनियुक्ति की जा रही है। जिससे नाइट ब्लड सर्वे का काम समय से पूरा किया जा सके।

खून के नमूनों की जांच कर फाइलेरिया के परजीवी का लगाया जाता है पता : डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि एक जुलाई से जिले के सभी चयनित साइट्स पर नाइट ब्लड सर्वे का काम शुरू होगा। जिसके तहत फाइलेरिया प्रभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां रात में लोगों के रक्त के नमूने लिये जाते हैं। जिसे जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाता है। जहां पर खून के नमूनों में फाइलेरिया के परजीवी की मौजूदगी का पता लगाया जाता है। फाइलेरिया के परजीवी रात में ही सक्रिय होते हैं, इसलिए नाइट ब्लड सर्वे से सही रिपोर्ट पता चल पाता है। इसलिए चयनित साइट्स के गांवों में फ्रंटलाइन वर्कर्स, स्थानीय जनप्रतिनिधि व प्रबुद्ध जनों के साथ मिलकर लोगों को नाइट ब्लड सर्वे को लेकर लोगों को जागरूक करें। जिससे इस अभियान को सफल बनाया जा सके। इसमें स्वास्थ्य विभाग के साथ साथ सहयोगी संस्थानों की भूमिका भी अहम रहेगी।उन्होंने बताया कि विभाग के अनुसार जिन इलाकों में माइक्रो फाइलेरियासिस का रेट एक प्रतिशत अथवा इससे अधिक होगा वहीं एमडीए अभियान चलाया जाएगा।

जिले में बनाए गए हैं 24 साइट : इस दौरान वीबीडीसीओ पंकज कुमार ने बताया कि जिले के सदर प्रखंड के शहरी क्षेत्र के पांडेयपट्टी समेत जिले में 12 सेंटिनल और 12 रैंडम साइट बनाए गए हैं। जहां पर रात्री में रक्त के नमूने लिए जाएंगे। इसके लिए सदर प्रखंड के शहरी क्षेत्र में पांडेयपट्टी व ग्रामीण क्षेत्र में दहिवर, चौसा के सोनपा, राजपुर के तियरा, इटाढ़ी के इटाढ़ी, सिमरी के सिमरी बाजार, डुमरांव के अरियांव, नावानगर के गिरिधर बरांव, केसठ के केसठ, ब्रह्मपुर के देवकुली, चक्की के भोला डेरा तथा चौगाईं के अंबेडकर पट्?टी पांडेयपुर का चयन किया गया है। इसी प्रकार रैंडम साइट्स में बक्सर के शहरी क्षेत्र का जासो व ग्रामीण क्षेत्र का छोटका नुआंव, चौसा का डिहरी, राजपुर में देवढीया, इटाढ़ी का कुकुढ़ा, सिमरी का आशा पड़री, डुमरांव का पुराना भोजपुर, केसठ का रामपुर, ब्रह्मपुर का स्थानीय गांव, चक्की का भरियार और चौगाईं का स्थानीय गांव शामिल है। इन सभी साइट्स पर 300-300 लोगों के खून का सैंपल लेना है। जिसके लिए संबंधित आशा कार्यकताओं के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधि, जीविका दीदियों, आंगनबाड़ी केंद्रों की सेविकाओं के अलावा शिक्षा विभाग से भी सामनव्य स्थापित कर शिविर का संचालन किया जाएगा। ताकि, ज्यादा से ज्यादा लोगों को शिविर में लाकर उनके खून का सैंपल लिया जा सके।

खबरें फटाफट

आरोपितों के घर कुर्की जब्ती करने पहुंची बलिया पुलिस

डुमरांव। अनुमंडल के कृष्णाब्रम्ह थाना क्षेत्र के रहने वाले यूपी में डकैती में शामिल फरार आरोपितों के घर शनिवार बलियां पुलिस स्थानीय पुलिस के सहयोग से कुर्की जब्ती करने पहुंची। अरियांव के जेश नट, करिया नट, सुरेंद्र नट तथा उड़ीयानगंज के हरेंद्र नट के घर की कुर्की जब्ती की गयी। इन लोगो के खिलाफ उत्तर प्रदेश के बलियां जिला के बांसडीह रोड थाना में 2017 में डकैती का मामला दर्ज था। तब से ये लोग फरार चल रहे थे। बांसडीह थाना के सब इंस्पेक्टर मुन्ना लाल यादव ने बताया कि डकैती के मामले ये चारों फरार चल रहे थे। जिनकी घर की कुर्की जब्ती की कार्रवाई के लिए पुलिस आरोपितों की घर गयी थी।

मृत कर्मियों के परिजनों को अनुग्रह अनुदान की मिली राशि

बक्सर। बीते लोक सभा चुनाव में चुनाव डयूटी के दौरान मृत कर्मियों के परिजनों को अनुग्रह अनुदान राशि का वितरण किया गया। डीएम अंशुल अग्रवाल द्वारा उनके कार्यालय में दो आश्रितों में 15-15 लाख रुपए का अनुग्रह अनुदान राशि चेक दिया गया। जहां विगत लोकसभा चुनाव के दौरान डुमराव प्रखंड के नवाडेरा स्थित बनहेजी डेरा के पंचायत शिक्षक नरेंद्र सिंह व बेतिया के लोरिया थाना ढाकुर टोला निवासी सह गृहरक्षक सत्येंद्र ढाकुर की मौत हो गई थी। जिनके आश्रित नरेंद्र सिंह की पत्नी मधु देवी व सत्येंद्र ढाकुर के पुत्र अभय ढाकुर को डीएम ने अनुग्रह अनुदान के तहत 15-15 लाख का चेक वितरण किया गया।

नियमों के विरुद्ध हुआ ईए का स्थानांतरण

केसठ। विगत दिनों जिले के प्रखंड, आंचल समेत अनेक कार्यालयों में कार्यरत कार्यपालक सहायकों का स्थानांतरण किया गया है। जिसे कार्यपालक सहायकों ने गलत बताया है। कार्यपालक सहायकों का कहना है कि नियम के विरुद्ध स्थानांतरण किया गया है। कार्यपालक सहायकों ने जिलाधिकारी को पत्र देकर स्थानांतरण को रद्द कर सुधार करने को लेकर मांग किया है।

दुर्गन्ध मिलने पर लोगों ने की मकान की जांच, सूचना पर पहुंची पुलिस ने की छानबीन

खंडहरनुमा मकान से मिला युवक का शव, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

- बोले थानाध्यक्ष... प्रथम द्दष्टया में नशेड़ी लग रहा है मृत युवक
- पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण होंगे स्पष्ट

केटी न्यूज/बक्सर

जिला मुख्यालय स्थित नगर थाना क्षेत्र के यमुना चौक के समीप एक खंडहर नुमा मकान से एक युवक का शव पड़ा मिला। इसकी तब जानकारी हुई जब सुबह में सड़क से गुजर रहे लोगों को तेज दुर्गन्ध आई। उन्होंने किसी जानवर के मरने की आशंका पर मकान में प्रवेश किया। जहां उन्हें एक युवक शव पड़ा दिखाई दिया, जिससे दुर्गन्ध आ रही थी। आननफानन में लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी गई। जहां पुलिस पहुंच शव को कब्जे में ले, पोस्टमार्टम को भेज दिया। वहीं, मामले की तहकीकात की कर रही है। बताया जाता यह खंडहर नुमा मकान नशेड़ियों का अड्डा है। हो सकता है नशे में ही युवक की जान चली गई हो। इधर मृत युवक के परिजनों द्वारा मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है।

घटनास्थल पर छानबीन करती पुलिस की टीम।

कुछ दिनों पहले ही घर आया था अखिलेश

परिजनों के बताने के अनुसार मृत युवक नगर के सोहनी पट्टी के अम्बेडकर नगर मोहल्ले के रहने वाले स्वर्गीय घनश्याम प्रसाद के पुत्र अखिलेश कुमार है। युवक काफी दिनों से बक्सर से बाहर रहता था, कुछ दिनों पूर्व वह घर आया था, जहां वह पिछले दो दिनों से लापता था। इसी बीच उसका शव इस खंडहर नुमा मकान से बरामद हुआ। भले ही परिजन युवक की हत्या का आरोप लगा रहे है। मगर, आस-पड़ोस के लोगों में चर्चा है कि युवक नशे का आदी था और जिस जगह पर उसकी मृत्यु हुई है वहां नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है। ऐसे में हो संभावना जताई जा रही है कि अत्यधिक नशा करने के कारण उसकी मौत हो गई हो। फिलहाल जो हो, पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर चुकी है।

घटना की जांच की जा रही है : थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि युवक की शव मिलने की सूचना मिली, जानकारी मिलते ही घटनास्टल पर पुलिस पहुंची जहा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया और इस घटना की जांच की जा रही। उन्होंने बताया कि देखने से युवक नशे का आदि लगता है। युवक की मौत के मामले में बताया पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि युवक की मौत कैसे हुई है। हालांकि, इस मामले युवक के परिजनों द्वारा मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है।

कई युवकों की हो चुकी है मौत : बता दे कि बक्सर में नशे के आदी कई युवकों की मौत हो चुकी है। पिछले छह महीने के दौरान ही करीब तीन से चार ऐसे युवकों का शव बरामद हो चुका है जिनकी मौत नशे के ओवरडोज के कारण हुई है। बक्सर में कई ऐसे इलाके है, जहां पूरे दिन नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है। खासकर स्टेशन इलाके, बसाव मठ के पीछे, बाईपास रोड की झुग्गियों तथा खंडहरनुमा मकान सहित कई अन्य इलाके ऐसे है जहा नशेड़ियों के जमावड़े की बात स्थानीय लोगो द्वारा बताई जाती है।

वीर कुंवर सिंह कॉलोनी में दो गुटों की भिड़ंत में फायरिंग

बक्सर। नगर थाना क्षेत्र के वीर कुंवर सिंह कॉलोनी में विगत देर शाम गोली चलने का मामला प्रकाश में आया। जहा इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। लोग अपने-अपने घरों की ओर दौड़ लगाने लगे। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और मामले की तहकीकात शुरू की। बताया जाता है कि मामला दो गुटों के आपसी वर्चस्व को लेकर मारपीट का था, जिसमें एक पक्ष द्वारा दहशत फैलाने के उद्देश्य से फायरिंग कर दी। जब पुलिस पहुंची तो सब भाग खड़े हुए।

घटना बुनियादी स्कूल से आइटीआई फील्ड जाने वाली सड़क स्थित वीर कुंवर सिंह कॉलोनी के पास युवाओं के दो गुट किसी बात को लेकर भीड़ गए। इस दौरान कहा-सुनी में एक पक्ष ने कट्टा निकाल हवाई फायरिंग कर दी। जिससे भगदड़ मच गई। इसकी सूचना पुलिस को मिली तो थानाध्यक्ष बल के साथ पहुंचे। तब तक दोनों गुट के युवा फरार हो गए। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया की सूचना पर पुलिस पहुंची तो सब भाग खड़े हुए। स्थानीय लोगों से पूछताछ तथा सीसीटीवी फुटेज आदि की जांच की गई। जिसमें उनकी पहचान कर तलाश जारी है। मामले में अभी तक किसी के द्वारा कोई आवेदन नहीं दिया गया है। अगर किसी के द्वारा प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई जाती तो पुलिस स्वयं मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई करेगी।

पत्रकार के निधन पर शोक सभा का आयोजन

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय सभागार में पूर्व मान्यता प्राप्त पत्रकार सह नगर परिषद के पूर्व उप चेयरमैन नागेंद्र नाथ तिवारी जी के निधन के उपरांत एक शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता रेड क्रास सोसाइटी के पूर्व मानद सचिव शत्रुधन प्रसाद गुप्ता व संचालन पूर्व पार्षद धीरज कुमार ने किया। समाजसेवियों ने कहा कि नागेंद्र नाथ तिवारी जनसमस्याओं पर लगातार संघर्ष करते रहते थे। तिवारी जी पत्रकारिता जगत के मान्यता प्राप्त पत्रकार थे। इनके निधन से पत्रकारिता जगत और नगर परिषद को अभूतपूर्व क्षति हुई है। इस दौरान उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर पत्रकार अशोक कुमार, अमर केसरी, अरूण विक्रांत, रणजीत पांडेय, सुजीत कुमार, रवि शंकर श्रीवास्तव, प्रभात खबर के मनोज मिश्रा, रौनियार समाज के अध्यक्ष अजय गुप्ता, सचिव के के गुप्ता, उपाध्यक्ष सुरेश गुप्ता, सीपीआई के नगर सचिव कामरेड शमीम मंसूरी, रौशन गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

ट्रक पलटने से 10 मजदूर गंभीर रूप से घायल, इलाज के दौरान किशोर की मौत

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय प्रखंड के अरैला गांव के समीप ट्रक पलटने से 10 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, घटना के बाद अस्पातल में इलाजरत एक बच्चे की मौत हो गई। जिसकी पहचान उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिला अंतर्गत मनकापुर चौराहा स्थित घोसियाना मुहल्ला निवासी लल्लू उर्फ मोहम्मद अली के बेटे मोहम्मद शहजाद के रूप में की गई।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि बीती टाटा ईंट भट्ठे पर काम करने वाले मजदूर रात करीब आठ बजे सपरिवार ट्रक से उत्तर प्रदेश जा रहे थे। ट्रक पर उनके घोड़े और बग्घी भी लदे हुए थे। इस बीच गांव से बाहर निकलने पर पुल का रास्ता संकीर्ण और मोड़ होने के कारण ट्रक चालक से अनियंत्रित हो गई और सीधे खाई में जा पलटी। घटना के बाद वहां अफरातफरी का माहौल हो गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना ईंट भट्ठा के मालिक सरोज राय को दी। जिसके बाद सरोज राय ने लोगों की मदद से सभी घायल मजदूरों को डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक इलाज कर सभी को बेहतर इलाज के लिए बक्सर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां ज्यादा चोटिल होने से शहजाद की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के संबंध में स्थानीय मनोज कुमार राय ने कहा कि गांव का पुल राष्ट्रीय राज मार्ग 120 को जोड़ने का काम करता है। जिसका निर्माण सिर्फ छोटे वाहनों के आवागमन के लिए हुआ है। वहीं, पुल संकीर्ण व छोटा है। साथ ही, दोनों ओर से इसका घेराव न होने के कारण भारी वाहनों के मुड़ने के क्रम में अक्सर दुघटनाएं होती रहती हैं।

एक नजर

नर्क की जिंदगी जीने को मजबूर हैं मुसहर

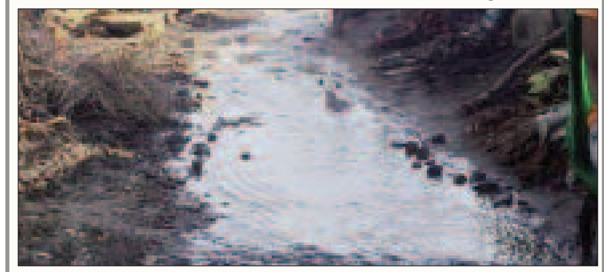

केसठ। मानसून तो हर वर्ष आते हैं इस साल भी आएंगे लेकिन प्रखंड में मानसून से पहले कितनी तैयारी है। इसकी अगर असलियत जाननी हो तो केसठ वार्ड तीन के महादलित वस्ती में चले जाइए। यहां की नालियां व सड़क पर लगे घरों के गंदे पानी साफ-सफाई व्यवस्था की पोल खोलने के लिए काफी है। नालियां बजबजा रही हैं। नालियों पर लगे ढक्कन टूट गए हैं। पानी जमा होने से सड़कों का हाल बुरा है। सबसे ज्यादा खराब स्थिति मुसहर टोली का है। नाली जाम होने से पानी सड़क पर बह रहा है, जिससे लोगों के साथ ही वहा रह रहे लोगो को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।बताते चले की गुरुवार की की हुई झमाझम बारिश ने मुसहर टोली की सूरत बिगाड़ दी। टोले का मुख्य सड़क पर जलजमाव हो गाया है। जिसके कारण लोगो को आने जाने कभी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। टोले के लोगो ने बताया की मुख्य नाली की सफाई नही होने के कारण सड़क पर नाली की पानी के साथ साथ बारिश की पानी का जमाव हो रहा है।पानी इतनी ज्यादा है की अभी तक उसकी निकासी नहीं हो पाई।मुसहर टोले के लोगो ने बताया की चुनाव के वक्त नेता बड़े बड़े बाते करते है पर वो सिर्फ चुनाव तक की सीमित रह जाता है। केसठ वार्ड 3 दलित वस्ती के मुख्य मार्ग पर गंदी जलजमाव के कारण वस्ती में संक्रमण बीमारी फैलने की आशंका है।अगर नाली की सफाई नही की गई तो ये जलजमाव से लोगो पर काफी दुष्प्रभाव पड़ेगा। केसठ पंचायत में लोहिया स्वच्छता अभियान के तहत कुल लगभग 36 कर्मियों की नियुक्ति सफाई करने के लिए की गई है। यह अभियान शुरूआती दौर में ही ठीक से चली उसके बाद लगे कर्मी सफाई के नाम पर कोरम पूरा कर रहे है। यहां तक कि इस बस्ती की स्थिति पर किसी की खबर नहीं है।

पटरी पर लौट रही डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल की ओपीडी सेवा, मरीजों को मिली राहत

डुमरांव। अनुमंडलीय अस्पताल के ओपीडी सेवा में चिकित्सकों की सेवा देने से मरीजों को काफी राहत मिल रही है। शनिवार को ओपीडी सेवा में आधा दर्जन डॉक्टर की सेवा देने से बारह बजते-बजते भीड़ गायब हो गई थी। वहीं शनिवार को हड्?डी रोग विशेषज्ञ डा. बिरेन्द्र राम की ड्यूटी होने पर मरीजों की लंबी कतार लगी रहती थी। डाक्टर को मरीजों की जांच करने में शाम हो जाती थी, लेकिन इस शनिवार को ऐसा देखने को नहीं मिला। सुबह 9 बजे ही आधा दर्जन डाक्टर अस्पताल में पहुंच गए थे। मरीजों के बीमारी के अनुसार डाक्टर के पास भेजा जा रहा था। विदित हो कि अनुमंडलीय अस्पताल के डाक्टर अपनी मर्जी से ड्यूटी किया करते थे। ओपीडी सेवा में दस बजे के बाद ही डाक्टर अपनी सेवा देते थे। ऐसे में मरीजों की लंबी कतार लगी रहती थी। कोई एक डॉक्टर आ गया तो उसके नाम पर मरीजों का रजिस्ट्रेशन होने लगता था। ऐसे में लंबी कतार लग जाती थी। सुबह से आए मरीजों को देर शाम तक रूकना पड़ता था। अब ऐसा देखने को नहीं मिल रहा है। शनिवार को डीएस डॉ. गिरीश कुमार सिंह, डॉ. बिरेन्द्र कुमार, डॉ. लोकेश कुमार, डॉ. सतीश कुमार व डॉ. सजनी प्रिया ओपीडी सेवा में मौजूद रहे। लिहाजा 331 मरीजों को देखने में भी समय नहीं लगा। काउंटर बारह बजते-बजते एकदम से खाली हो गया। मरीजों का कहना था कि इसी तरह से समय से रोस्टर के अनुसार चिकित्सक अपनी सेवा देने लगे तो मरीज को कहीं जाने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी और बेचारे निजी नर्सिंग होम में पैसा और समय नहीं गंवाना पड़ेगा।

एनीमिया मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने को लेकर पीएचसी में बैठक आयोजित

डुमरांव। स्थानीय पीएचसी में शनिवार को एक बैठक आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता एमओआईसी डॉ. आरबी प्रसाद ने की। इस दौरान एएनएम को बताया गया कि परिवार नियोजन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अभी से लग जाना होगा। एमओआईसी ने सभी एएनएम को उनके कार्यों से अवगत कराया। उन्हें नियमित टीकाकरण, अनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम, एमडीआर-सीडीआर, एनसीडी पोर्टल, एचएमआईएस पोर्टल, वी-वीन पोर्टल, एईएफ सहित टीबी मुक्त कार्यक्रम पर भी चर्चा की गई। बताया गया कि 27 जून से 11 जुलाई तक दंपति संपर्क अभियान चलाया जाएगा। फिर 11 से 31 जुलाई तक अनुमंडलीय अस्पताल में प्रतिदिन बंध्याकरण ऑपरेशन होगा। वहीं, परिवार नियोजन मेला का आयोजन को लेकर प्रचार-प्रसार पर बल दिया गया। ताकि, अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। बैठक में प्रबंधक अफरोज आलम, डब्ल्यूएचओ के अशोक कुमार, उमेश कुमार, अक्षय कुमार, सुमी हंसदा, मंजुला, सविता, सुषमा सहित अन्य मौजूद रहे।

किशोरी से मारपीट व छेड़खानी के आरोप में युवक के खिलाफ पॉस्को एक्ट का मामला दर्ज

डुमरांव। अनुमंडल के कृष्णाब्रम्ह थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में किशोरी के साथ एक युवक द्वारा छेड़खानी व विरोध करने पर मारपीट किये जाने का मामला प्रकाश में आया हैं। इस मामले में पुलिस ने पीड़ित किशोरी के बयान पर स्थानीय थाना में आरोपी युवक के खिलाफ पॉस्को एक्ट के तहत नामजद मामला दर्ज किया है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार किशोरी ने बताया कि शुक्रवार को वो जब अपने घर से दवा लेने जा रही थी तभी गली में एक युवक ने उसे पीछे से पकड़ लिया तथा छेड़खानी करने लगा। जब पीड़िता ने इसका विरोध किया तो युवक ने बैट से उसके सिर पर हमला कर दिया। इससे मेरा सिर फट गया। परिजनों की सहायता से जख्मी किशोरी का इलाज अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया। पीड़िता के बयान पर स्थानीय थाना में अमथुआ गांव निवासी मुकेश कुमार यादव के खिलाफ पॉस्को एक्ट के तहत नामजद केस दर्ज किया गया है। थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि आरोपी युवक के खिलाफ मामले को दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी को लेकर पुलिस छापेमारी कर रही है।

प्रांतीय समूह खेलकूद कबड्डी, खो-खो प्रतियोगिता के दूसरे भी खिलाड़ियों ने दिखाया अपना दमखम, आज होगा समापन

हमारी मानसिक तनाव को कम करती हैं खेल प्रतियोगिताएं : प्रदेश सचिव

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर भारती शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति बिहार, पटना के तत्वावधान में सरस्वती विद्या मंदिर अहिरौली के परिसर में चल रहे 35 वें प्रांतीय समूह खेलकूद कबड्डी, खो-खो प्रतियोगिता के दूसरे दिन शनिवार को कबड्डी एवं खो-खो की प्रतियोगिता हुई। जो देर शाम तक चलती रही। प्रतियोगिता में खिलाड़ी के रूप में दक्षिण बिहार के विभिन्न जिलों में स्थित सरस्वती शिशु मंदिरों एवं विद्या मंदिरों के छात्र छात्राओं ने भाग लिया। इस दौरान खिलाड़ियों ने खेल का शानदार प्रदर्शन कर वाहवाही लूटी। प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 800 खिलाड़ी शामिल हो रहे हैं। विदित हो कि यह खेल प्रतियोगितो डे व नाईट हो रहा है। प्रतियोगिता का शुभारंभ भारती शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा समिति बिहार पटना के प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा एवं खेलकूदे के क्षेत्रीय संयोजक ब्रह्मदेव प्रसाद ने नारियल फोड़कर खेल किया। परिचय एवं स्वागत विद्यालय के प्रधानाचार्य रामजी प्रसाद सिन्हा ने किया। वहीं विभाग संयोजक डॉ. हनुमान प्रसाद अग्रवाल एवं विभाग प्रमुख बीरेंद्र कुमार ने मैदान का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। प्रधानाचार्य ने बताया कि प्रतियोगिता का विधिवत समापन रविवार को किया जाएगा।

खेलने से हमारा शारीरिक स्वास्थ्य सुधरता है : शिशु शिक्षा समिति बिहार पटना के प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा ने कहा कि खेल हमारे जीवन में अद्वितीय महत्व रखता है। यह हमारे स्वास्थ्य, मनोविज्ञानिक विकास व सामाजिक विकास के लिए एक संपूर्ण उपाय है। खेलने से हमारा शारीरिक स्वास्थ्य सुधरता है और हमें ऊर्जा से भर देता है। यह हमारी मानसिक तनाव को कम करता है और हमें खुश रखता है। यह हमारी शारीरिक और मानसिक स्थिति को सुधारने का सबसे बेहतर माध्यम है। जब हम खेल खेलते हैं, तो हमारे शरीर की कसरत होती है, हमारी हड्डियों, मांसपेशियों और लिगामियों की मजबूती बढ़ती है और हम तंदुरुस्त और मजबूत बनते हैं। खेल करने से हमारा श्वास-नली सुचारू रूप से कार्य करता है और हमारा मस्तिष्क अच्छी तरह से काम करता है। वहीं, जब हम खेल खेलते हैं, तो हम साथी खिलाड़ियों के साथ ग्रुप में संघटित होते हैं और टीमवर्क करते हैं।

ये रहे पहले दिन की प्रतियोगिता के परिणाम : प्रतियोगिता के दुसरे दिन अंडर 19 खो-खो बालक एवं बालिका वर्ग में औरंगाबाद एवं राजगीर विजेता, अंडर 17 बालिका वर्ग कबड्डी में विजेता बक्सर बना, खो-खो में नवीनगर, अंडर 14 खो खो बालिका वर्ग में विजेता बडा बाजार, बक्सर उपविजेता सादीपुर मुंगेर, बालक वर्ग खो-खो में मोहनिया एवं मुंगेर की टीम रही। इस दौरान विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को शील्ड, मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर अतिथियों ने सम्मानित किया। प्रतियोगिता में निर्णायक राकेश पांडेय, जितेन्द्र लाल, जीवन राठौर, चन्द्रशेखर कुमार, बीरेंद्र कुमार, सरिता कुमारी, रिंकू कयाल, पूजा राणा, प्रगति सिंह, वंदना कुमारी ने निभाई। कार्यक्रम में विभाग प्रमुख बीरेंद्र कुमार, उमाशंकर पोद्दार, गंगा प्रसाद, विमल पांडेय, ईश्वर चंद्र, सत्येंद्र उपाध्याय, सुमित कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

मनरेगा योजना में घोटाला, फर्जी खातों के जरिये निकाले रहे हैं पैसे

- गोनबा पंचायत में मनरेगा योजना में मची हुई है लूट
- आधा अधूरा कार्य कर पैसा निकासी कर लेने की बात ग्रामीणों ने बताई

केटी न्यूज/ जहानाबाद

मनरेगा घोटाला का एक ताजा मामला फिर से तूल पकड़ते दिख रहा है। जहानाबाद के गोनबा पंचायत में जो घोटाला सामने आया है उसने कथित तौर पर लाखों रुपए का घोटाला फर्जी खाता के जरिए राशि निकासी कर किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा गरीबी उन्मूलन के लिए लाये गये मनरेगा स्कीम जिसके अंतर्गत प्रत्येक मजदूर को 100 दिनों का निश्चित काम और उसकी मजदूरी का प्रावधान है। वर्तमान सरकार ने भ्रष्टाचार रोकने के लिए डीबीटी के जरिए लाभुक के खातों में सीधे राशि भेजने का प्रावधान किया है, जिसके बाद मजदूरों को उनकी मजदूरी सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाती है और इसके लिए मनरेगा कार्ड बनाया गया है। लेकिन जहानाबाद के गोनवां पंचायत में मनरेगा योजना अब भ्रष्टाचार की भेट चढ़ता दिख रहा है।जहां एक तरफ ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूर काम के अभाव में पलायन कर रहे हैं, तो दुसरी ओर मनरेगा योजना के तहत बिना कार्य कराए ही धड़ल्ले से फर्जी जॉब कार्ड पर पैसा पैसे की निकासी की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह मनरेगा का सबसे बड़ा घोटाले है जिसमें बिना काम किये लोगों के जॉब कार्ड से पैसे की निकासी हो रही है और यह एक जांच का विषय है। जल्दी हीं मानसून आने वाली है और बारिश की बूंदे के गिरते हीं मनरेगा योजना के सारे पाप धो डालेगी। लोग बारिश के ऊपर सारे अधूरे काम का ठीकरा फोड़ आगे बढ़ जाएंगे। मनरेगा के द्वारा किया गया कोई भी काम सही से नहीं कराया गया, महज खानापूर्ति कर अपना पल्ला झाड़ पैसे की निकासी कर ली गई। इस खबर पुष्टि के लिए जब हमारी टीम ने क्षेत्र में जाकर देखा यो पाया की कोई भी काम सही नहीं किया गया है और बिना काम किये ही पैसे की निकासी कर ली गई है। तस्वीर में आप देख रहे होंगे किस प्रकार पुल का निर्माण किया गया है। जहानाबाद प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोनबा में भी यही आलम देखने को मिला, जहां आधा अधूरा कार्य कर लाखों रुपए की निकासी का मामला सामने आया है।वहीं जब ग्रामीणों से बात की गई तो उन्होंने बताया की ग्राम गोनबा पंचायत में लाखों रुपए की फर्जी निकासी कर ली गई है। जबकि उनका जॉब कार्ड बना हुआ भी है फिर भी उनसे कार्य नहीं कराया गया है और उनके खाते से पैसे की निकासी कर ली गई है और उन्हें इस बात की जानकारी भी नहीं है। मनरेगा योजना में मची इस लूट में जांच की आवश्यक है साथ ही सवाल यह भी बनता है कि बिना कार्य किए ही पैसे की निकासी किसके आधार पर और किसके सहयोग से हो रही है।

सड़क पर पड़े शव को देख परिजनों में मचा कोहराम, एक घंटे बाद पहुंची पुलिस

गैस वेंडर को बालू लदे ट्रक ने कुचला,मौके पर मौत; ग्रामीणों ने एनएच को किया जाम

- घटना को अंजाम देकर ट्रक छोड़कर चालक हुआ फरार, ट्रक जब्त

केटी न्यूज / बिक्रमगंज

शनिवार की अहले सुबह करीब 6 बजे के आसपास एनएच 120 डिहरी-बिक्रमगंज मुख्य पथ पर धारूपुर ट्रांसफार्मर के समीप एक बालू लदे ट्रक ने साइकिल से काम पर जा रहे गैस वेंडर के ऊपर चढ़ा दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मौत से गुस्साए परिजनों ने ग्रामीणों के साथ शव को करीब दो घंटें मुख्य पथ पर रखकर जाम कर दिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार घटित घटना के करीब एक घंटे बाद 112 नंबर की गाड़ी घटना स्थल पर पहुंची।

घटनास्थल पहुंच बिक्रमगंज पुलिस ने मृतक के परिजनों और ग्रामीणों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया। लेकिन परिजन उचित मुआवजे और वरीय अधिकारी को घटना स्थल पर बुलाने को लेकर डटे हुए थे। घटना के बारे में बताया गया कि मृतक काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत भरथ कस्बा गांव निवासी 40 वर्षीय धीरेंद्र कुमार पिता कन्हैया सिंह बिक्रमगंज तमन्ना गैस एजेंसी में करीब 15 वर्षों से गैस डिलीवरी का काम करते थे। मृतक हर दिन की भांति शनिवार को अहले सुबह वे अपने घर से साइकिल से एचएच 120 डिहरी-बिक्रमगंज मुख्य पथ से होते हुए तमन्ना गैस एजेंसी बिक्रमगंज काम पर जा रहे थे कि रास्ते में ही धारूपुर गांव के ट्रांसफार्मर के समीप बैक कर रहा बालू लदे ट्रक ने उनके ऊपर चढ़ा दिया। जिससे उनकी मौत घटना स्थल पर ही हो गई। मृतक चार भाइयों में मांझील भाई था, मृतक के 3 पुत्री व एक पुत्र बताया जा रहा हैं। मौत की खबर सुन मृतक के 40 वर्षीय पत्नी चिंता देवी , पिता कन्हैया सिंह, माता एकमा देवी सहित अन्य परिजन व ग्रामीण आनन- फानन में घटना स्थल पहुंचे जहां मृत अवस्था में सड़क पर पड़े धीरेंद्र कुमार को देख दहाड़ मारकर रोने लगे। घटना के बाद से ही भरथ-कस्बा गांव में कोहराम मचा हुआ है घटना के बाद परिजन मौके पर पहुंच चीख पुकार मचाते हुए शव को मुख्य मार्ग पर रखकर करीब दो घंटा सड़क को जाम कर दिया। घटना की खबर को सुनते ही बिक्रमगंज अंचलाधिकारी रजत कुमार वर्णवाल अपने दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंच घटना का जायजा लिया। जैसे ही बिक्रमगंज सीओ घटना स्थल पर पहुंचे वहां पर मौजूद काराकाट प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत मुंजी के मुखिया अजय प्रताप सिंह, मृतक के परिजनों एवं ग्रामीणों ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिलाने और एफआईआर दर्ज कराने की बातें सीओ के समक्ष रखी। जिस पर सीओ बिक्रमगंज ने सबकी बातें को सुनते हुए मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिलाने व एफआईआर दर्ज कराने की बातें कही। जिसपर सड़क जाम को हटवाया गया। सीओ श्री वर्णवाल ने कहा कि स्थानीय पुलिस शव को कब्जे में लेकर मृतक के परिजनों के समक्ष कानूनी कार्रवाई करते हुए अंत्यपरीक्षण कराने के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया है।

खबरें फटाफट

दो वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

काराकाट। पुलिस ने दो वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। काराकाट थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी ने बताया कि थाना क्षेत्र के सकला बाजार से वीरेंद्र राम एवं प्रमोद राम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार दोनों अभियुक्त के विरुद्ध बिक्रमगंज न्यायालय से वारंट निर्गत था।

एससी-एसटी एक्ट के मामले में एक अभियुक्त गिरफ्तार

काराकाट। पुलिस ने एससी-एसटी एक्ट के मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी ने बताया कि थाना क्षेत्र के भरथाडीह गांव से मुकेश सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया । उन्होंने कहा कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध एससी-एसटी एक्ट के मामले में प्राथमिकी दर्ज था।

रॉन्ग साइड से आ रही कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

पटना। बिहार की राजधानी पटना में शुक्रवार रात हड़ताली मोड़ के पास पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र में रॉन्ग साइड से आ रही एक कार ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत हो गयी है। 53 साल के निर्मल कुमार तकरीबन 20 फुट हवा में उछलकर सीधे सड़क के बीच लोहे के डिवाइडर पर जा गिरे। बताया जा रहा है कि डिवाइडर में लगे लोहे के मोटे रॉड पर गिरने के कारण छाती और पसली में गंभीर चोट की वजह से उनकी मौत हो गयी है। मृतक निर्मल कुमार पुनाईचक पोस्ट ऑफिस गली रोड में कॉर्पोरेशन स्कूल के पास के रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार मृतक ठेकेदारी का काम करते थे। मृतक की पहचान उनके पॉकेट में मिले आधार कार्ड व एटीएम से हुई। बताया जा रहा है कि मृतक निर्मल कुमार शुक्रवार की रात्रि 11 बजे अपने काम को निबटाकर इनकम टैक्स से पुनाईचक घर की ओर बाइक से लौट रहे थे। हड़ताली मोड़ के पास तेज रफ्तार रॉन्ग साइड से आ रही कार की चपेट में आ गए जिसमे उनकी मौत हो गयी।

खरीफ किसान चौपाल कार्यक्रम का किया जाएगा आयोजन

केटी न्यूज/ जहानाबाद

कृषि विभाग, बिहार सरकार के निदेशानुसार खरीफ मौसम में किसानों के बीच नवीनतम तकनीकी एवं कृषि विभाग के द्वारा संचालित सभी योजनाओं का प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता हेतु आत्मा जहानाबाद के द्वारा जहानाबाद जिला के सभी सात प्रखंडों के नगर पंचायतों एवं नगर परिषद क्षेत्र को छोड़कर कुल- 88 (अठासी) ग्राम पंचायतों में दिनांक 02 जुलाई से 13 जुलाई, 2024 तक खरीफ किसान चौपाल 2024 कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उप परियोजना निदेशक आत्मा- राकेश कुमार के बताया गया कि इस किसान चौपाल कार्यक्रम के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों/विशेषज्ञों एवं कृषि प्रसार पदाधिकारियों/कर्मियों के द्वारा कृषि विभाग अंतर्गत योजनाओं में विभिन्न फसलों, फल, फूल, सब्जियों आदि से संबंधित क्लस्टर में खेती करने वाले किसानों को योजनाओं एवं नवीनतम तकनीकों की जानकारी देने पर बल देते हुए फसलों के उत्पादकता में वृद्धि के साथ-साथ विपणन समस्याओं के समाधान कर उनकी आमदनी बढ़ाने का भी सुझाव दिया जाएगा।

उन्होंने बताया की प्रतिदिन प्रत्येक प्रखण्ड के दो ग्राम पंचायतों में किसान चौपाल का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में फसल अवशेष प्रबंधन की जानकारी देते हुए फसल अवशेष जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में किसानों को जागरूक किया जाएगा। इसमें फसल विविधीकरण एवं मोटे अनाज (मिलेट्स) को बढ़ावा दिए जाने के बारे में किसानों को जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम में जैविक खेती, मिट्टी जांच की महत्ता एवं मिट्टी जांच के आधार पर संतुलित मात्रा में उर्वरक का प्रयोग, समय से फसल की बुआई, फफूँदनाशी एवं कीटनाशी से बीजोपचार, सिंचाई के लिए जल-प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण, दीमक एवं चूहा नियंत्रण, समेकित कीट प्रबंधन, समेकित पोषक तत्व प्रबंधन, बदलते मौसम के परिप्रेक्ष्य में जलवायु अनुकूल कृषि, जल-जीवन-हरियाली आदि के बारे में किसानों को जानकारी उपलब्ध करायी जाएगी। इस कार्यक्रम में कृषि निदेशालय द्वारा संचालित योजनाओं यथा-कृषि यांत्रिकीकरण योजना, फसल प्रत्यक्षण योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, क्लस्टर में मोटे अनाज मिलेट्स, खरीफ मक्का की खेती योजना, बीज वितरण योजना, आत्मा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के साथ-साथ उद्यान निदेशालय की योजनाओं यथा- मुख्यमंत्री बागवानी मिशन योजना, सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली तथा भूमि संरक्षण निदेशालय की योजनाओं यथा- तालाब निर्माण/जीर्णोद्धार योजना, पक्का चेक डैम निर्माण इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इस कार्यक्रम में ही कृषि प्रसार कर्मियों/ पदाधिकारियों/ वैज्ञानिकों/ विशेषज्ञों द्वारा किसानों से उनकी समस्या/ सुझाव की जानकारी प्राप्त की जाएगी एवं नियमानुसार उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। कार्यक्रम में सभी प्रखंडों के प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी, प्रखण्ड उद्यान पदाधिकारी, जलछाजन विकास टीम के विशेषज्ञ, कृषि समन्वयक, प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक,अनुमंडल कृषि पदाधिकारी आदि भाग लेंगे।

डिजिटल संचार निगरानी प्रणाली का दिया गया प्रशिक्षण

जनपद के सभी फील्ड फंक्शनरीज का भी ग्रुप बनाया जायेगा

- इलाज के लिए सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में तोड़ा दम

केटी न्यूज/जहानाबाद

उप विकास आयुक्त धनन्जय कुमार की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में डिजिटल संचार निगरानी प्रणाली प्रशिक्षण का प्रारंभ किया गया। इसके अंतर्गत सभी प्रखंड समन्वयक एवं सभी पंचायत पर्यवेक्षक को दिया डिजिटल प्रशिक्षण। इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी ग्राम पंचायतों में समुदायिक व्यवहार परिवर्तन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। राज्य कार्यालय द्वारा प्राप्त विभिन्न प्रकार के स्वच्छता संदेशों को डिजिटल माध्यम से व्हाट्सएप के द्वारा सभी पंजीकृत घरों को भेजा जायेगा। जिसके लिए सभी स्वच्छता पर्यवेक्षक द्वारा अपने ग्राम पंचायतों में 250 घरों का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जायेगा। साथ ही पंचायत स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन हेतु पंचायत स्तर पर एक अलग से सभी फील्ड फंक्शनरीज का भी ग्रुप बनाया जायेगा। मास्टर प्रशिक्षक पिंकु कुमार (जिला सलाहकार ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधक) ने बताया की इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य समुदाय को जागृत किया जाना है, हर समुदाय तक पहुंच बनाना, और समुदाय को सहभागी बनाते हुए डिजिटल क्रांति से स्वच्छ वातावरण का निर्माण किया जाना है।

प्रशिक्षक माधवेंद्र कुमार ने बताया की पूर्व में स्वच्छता संदेशों को टेक्स्ट के माध्यम से भेजा जाता था जिसमे समुदाय की सहभागिता कम थी लेकिन डीसीएमएस के माध्यम प्रशिक्षित होकर सभी पर्यवेक्षक डिजिटली साउंड हो जायेंगे तथा व्यवहार परिवर्तन में नई क्रांति आएगी। प्रशिक्षण में सभी प्रखंड समन्वयक संबंधित ग्राम पंचायत के पर्यवेक्षक शामिल हुए।

डीसीएमएस के चक्र को चार स्तंभ पर किया जाना है पूर्ण

1. 250 घरों को पंजीकृत किया जाना
2. सभी 250 घरों को संदेश भेजने हेतु एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाएगा ।
3. 25 से 30 घरों को फोन कॉल करना तथा उनका फीडबैक लेना ।
4. 25 से 30 घरों को साप्ताहिक भ्रमण करना तथा व्यवहार परिवर्तन हेतु वातार्लाप किया जाना ।

एक नजर

अपीलीय वादों की सुनवाई की गयी

जहानाबाद। जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडे की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ट में जिला लोक शिकायत निवारण अधिनियम के

तहत अपीलीय वादों की सुनवाई की गयी। जिला लोक शिकायत निवारण अधिनियम के अपील से संबंधित कुल 10 मामले ,जिला पदाधिकारी के समक्ष सुनवाई हेतु लाया गया , जिसमें 04 का निष्पादन किया गया है , जिसमें अंचल अधिकारी, काको का 02 मामला, जिसमें एक जमाबंदी कायम करने से संबंधित तथा एक अतिक्रमण से संबंधित मामला है। उसी प्रकार अंचल अधिकारी, घोसी का 01 मामला जमाबंदी सुधार करने से संबंधित एवं थाना प्रभारी, नगर थाना, जहानाबाद का 01 मामला, वसूली करने से संबंधित है। शेष 06 मामलों में अंचल अधिकारी, जहानाबाद सदर का 01 मामला अतिक्रमण से संबंधित, अंचल अधिकारी, काको का 01 मामला अतिक्रमण से संबंधित, अंचल अधिकारी, रतनी फरीदपुर का 01 मामला अतिक्रमण से संबंधित, अंचल अधिकारी, मोदनगंज का 01 मामला अतिक्रमण से संबंधित, कार्यपालक अभियंता, विद्युत प्रमंडल का 01 मामला पोल -तार लगाने से संबंधित तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी, घोसी का 01 मामला प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना से संबंधित है। जिला पदाधिकारी ने सभी मामलों पर गहन समीक्षोपरांत संबंधित लोक प्राधिकार को स्थल पर जाकर भौतिक निरीक्षण करने का निदेश दिया तथा अगली निर्धारित तिथि को विस्तृत जांच प्रतिवेदन के साथ निश्चित रूप से उपस्थित होने का निदेश दिया गया। आज के लोक शिकायत की सुनवाई में सभी प्राधिकार एवं परिवादी उपस्थित थे।

जिला सदर अस्पताल में स्टैंड व शेयर ऐप की सुविधा लेंगे मरीज

सासाराम (रोहतास)। सासाराम सदर अस्पताल में मोबाइल एप से ही मरीज अब घर बैठे अपना नंबर लगा सकेंगे। इससे अस्पतालों में लाइन लगने से मुक्ति मिलेगी। राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों को अब ऑनलाइन सुविधाएं उपलब्ध करानी शुरू कर दी है। जिससे जिले के किसी भी अस्पताल में इलाज कराने के लिए मरीज या उनके परिजनों को लंबी लाइनों में लग कर रजिस्ट्रेशन कराने की जरूरत नहीं होगी। नई व्यवस्था के तहत मरीज घर बैठे सरकारी अस्पतालों के ओपीडी में इलाज कराने के लिए डॉक्टर का एप्वाइंटमेंट ले सकते हैं। विभाग द्वारा मोबाइल एप्प बनाया गया है। उस संबंध में जानकारी देते हुए सिविल सर्जन डॉ अशोक कुमार ने बताया कि स्टेंड एंड शेयर एप्प विभाग द्वारा बनाया गया है, जिससे मरीज घर बैठे नंबर लगा सकते हैं। मरीज नियत समय पर अस्पताल में पहुंचकर अपना इलाज करा सकेंगे। इसकी सुविधा जल्द शुरू की जाएगी। आभा एप्प की जानकारी अस्पताल में जगह–जगह सूचना के द्वारा दी जाएगी, जिससे मरीज इसका लाभ उठा सके। जो आभा ऐप पर नंबर लगाने के बाद मरीज समय से अस्पताल आएंगे और उन्हें टोकन दिया जाएगा। फिर पर्ची बनाकर डॉक्टर से दिखाया जाएगा।

कलेक्ट्रेट के चतुर्थवर्गीय कर्मचारी के खुले में पेशाब करने के कारण गोपनीय शाखा ने जवाब मांगा

पटना। गले में कलेक्टर स्टाफ को खुले में पेशाब करते हुए भले ही कभी न कभी देखा होगा। इसके लिए स्टाफ को लिखित में शो-कॉज पूछे जाने का मामला शायद ही आपने कभी देखा और सुना हो। बिहार के मधेपुरा जिले के कलेक्ट्रेट के एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी से खुले में पेशाब करने के कारण कलेक्ट्रेट की गोपनीय शाखा ने जवाब मांगा है। 27 जून की दोपहर को परिचारी नंदन कुमार गले में सरकारी कर्मी होने का पहचान-पत्र लटकाकर कलेक्ट्रेट के समीप स्थित जज कॉलोनी के निकट सरकारी आवासीय परिसर के खुले में पेशाब कर रहा था। इसी दौरान जिलाधिकारी विजय प्रकाश मीणा भी अपने आवास से वापस कलेक्ट्रेट की ओर आ रहे थे। मौके पर ही जिलाधिकारी ने परिचारी को ऐसा करते देख लिया। उस वक्त तो उन्होंने परिचारी नंदन को कुछ नहीं कहा लेकिन कुछ देर के बाद गोपनीय शाखा से नंदन को शो-कॉज भेज दिया गया।

भाजपा सरकार में अपराध का ग्राफ बढ़ा, थानों पर फरियादी की नहीं हो रही सुनवाई : त्रिवेणी राम

◆ आरोपी सहित छह लोगों ने मिलकर बेहरमी से पूरे परिवार को मारा-पीटा जिसमें मेरे पति की भी गोली मार का हत्या कर दी गई

केटी न्यूज / गाजीपुर।

जखनियां विधानसभा के घटारो गांव में विमलेश हत्याकांड के परिजनों से आज समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधियों सहित पूर्व विधायक त्रिवेणी राम पीड़ित परिवार से मिले और उनका हर संभवमदद का भरोसा दिलाया। मृतक की पत्नी प्रियंका चौहान ने अपने दरवाजे पर पूर्व विधायक सहित सपा के नेताओं को देखकर फफक कर रो पड़ी और अपनी पीड़ा में कहा कि आरोपी सहित छह लोगों ने मिलकर बेहरमी से पूरे परिवार को मारा-पीटा जिसमें मेरे पति की भी गोली मार का हत्या कर दी गई। नामजद तहरीर देने के बावजूद चार लोगों को ही पुलिस जेल भेज पाई।बाकी दो लोगों को छोड़ दिया। प्रियंका चौहान ने यह भी कहा कि तीन माह पूर्व पुलिस ने कार्रवाई की होती तो यह घटना

नहीं घटती ना ही सुहाग छीनता है। पूर्व विधायक त्रिवेणी राम ने कहा कि भाजपा सरकार में अपराध 10 गुना बड़ा है। थानों पर फरियादियों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। भुडकुंडा पुलिस पहले तहरीर पर कार्रवाई की होती तो आज प्रियंका चौहान की मांग नहीं उजड़ती ना ही पूरा परिवार अनाथ होता। लेकिन पुलिस की लापरवाही की चलते इतनी बड़ी घटना के बावजूद पुलिस ने छह आरोपियों में से दो को बचाने में अभी जुटी हुई है।

उन्होंने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहां की सपा के सरकार में ऐसी जयराम की दुनिया नहीं थी। ना ही फरियादियों के साथ सौतेला व्यवहार किया जाता था। सपा के सरकार में हमेशा लोगों के साथ न्याय हुआ है। पूर्व विधायक त्रिवेणी राम ने कहा कि इस मामले में उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए जो दोषी हो उसे पर कार्रवाई भी करनी चाहिए। इस मौके पर प्रदेश सचिव राम लक्षन यादव, जोनल प्रभारी योगेश यादव, राजाराम यादव, काशी यादव, ब्लॉक अध्यक्ष वजीर भारती, विधानसभा अध्यक्ष अवधेश उर्फ राजू यादव, समाजवादी शिक्षक सभा के विधानसभा अध्यक्ष संतोष यादव, विजय यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एक नजर

थानाध्यक्ष नहीं लिख रहे एफआईआर, पीड़ित परिवार ने एसपी से लगाई गुहार

बलिया। पुलिस द्वारा मेडिकल न कराने व एफआईआर न कराने पर मुस्तफाबाद निवासी विजय गोंड शनिवार को सपरिवार सिविल लाइन स्थित एसपी कार्यालय पर पहुंचकर गुहार लगाई। बताया कि बीते 28 जून को मैं अपने घर में नहीं था, उस वक्त मेरे भाई मेरा भतीजा घर में घुसकर मेरी पत्नी सिंधु देवी व मेरी लड़कियों को मारेपीटे और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद मेरे द्वारा जब सिकंदरपुर थाने में तहरीर दी गई न तो मेरा मुकदमा ही दर्ज किया जा रह है और न ही मेडिकल कराया जा रहा है। बताया कि मेरे परिवार को मेरे भाई व भतीजा से जानमाल का खतरा है। उधर इस संबंध में सिकंदरपुर थानाध्यक्ष दिनेश पाठक ने बताया कि मेरे पास कोई नहीं आए हैं। मेरे पास आए लिखित दें, निश्चित तौर पर मैं कार्रवाई करूंगा।

कानूनों को लागू करने से पहले पुनर्विचार करें सरकार

बलिया। एक जुलाई से प्रस्तावित तीन नए आपराधिक कानूनों को लागू करने से पहले पुनर्विचार करने की मांग को लेकर ऑल इंडिया लायर्स यूनियन के अधिवक्ताओं ने शनिवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। इस दौरान महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया कि तीनों विधेयकों का ड्राफ्ट जनता में जारी नहीं किया गया न तो सुझाव आमंत्रित किया गया। बताया कि 97 प्रतिशत प्रावधानों को धाराओं को व्यतिक्रम करके यथावत रखा गया है। यथा 302, 420, 376 आदि धाराओं का नया क्रम दे दिया गया है। यह अनावश्यक गलतफहमी और देश के संसाधानों पर वित्तीय भार बढ़ेगा। औपनिवेशिक और क्रूर कानूनों को यथावत रखते हुए और भी प्रतिगामी बनाया गया है। जैसे देशद्रोह का औपनिवेशिक कानून वैसा ही है और सरकार के विरोध को भी देशद्रोह के अपराध में शामिल कर दिया गया है। यह देश के लोकतंत्र पर हमला है। इस मौके पर संजय कुमार राव, शिवशरण यादव, बृजेश कुमार सेन, अशोक कुमार, शशिभूषण पाठक, अंजनी कुमार सिंह आदि रहे।

नवीन दाण्डिक विधियों पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारम्भ

बलिया। गंगा बहुउद्देशीय सभागार में नवीन दांडिक विधियों पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसमें ज़िले के सभी पुलिस अधिकारी, सभी थानाध्यक्ष, अधिवक्ता गण व कानून से संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।सभी को नवीन दांडिक विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यशाला का शुभारंभ ज़िला जज अशोक कुमार सप्तम ने बतौर मुख्य अतिथि दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने भी भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) की नवीन दाण्डिक विधियों के महत्वपूर्ण बिंदुओं से सबको अवगत कराया। कार्यक्रम में जोनल अभियोजन अधिकारी स्वदेश शर्मा ने इन नवीन विधियों की विभिन्न धाराओं के बारे में बताते हुए किन धाराओं में कैसे कार्यवाही होगी, इसकी विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में नोडल अधिकारी महेश चंद्र वर्मा, अपर जिला जज अरविंद उपाध्याय, पुनीत गुप्ता, ज्ञान प्रकाश तिवारी, रवि करन, नीलम ढाका, हरीश कुमार, रामकृपाल व अन्य पीठासीन अधिकारियों के अलावा क्रिमिनल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रणजीत सिंह, सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेंद्र तिवारी, सभी न्यायिक अधिकारी-कर्मचारी आदि मौजूद थे। कार्यशाला का संचालन अपर जिला जज प्रथम कांत ने किया।

नए जिलाधिकारी ने ग्रहण किया कार्यभार

बलिया। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार के स्थान पर नए जिलाधिकारी के रूप में प्रवीण कुमार लक्षकार ने शनिवार को कोषागार में कार्यभार ग्रहण किया। 2012 बैच के आईएएस अधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार अभी तक निर्वाचन आयोग में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पद पर तैनात थे?। इससे पहले वे हाथरस, मिजार्पुर और पीलीभीत के जिलाधिकारी रह चुके हैं। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज, एडीएम डीपी सिंह, सीआरओ त्रिभुवन, वरिष्ठ कोषाधिकारी आनंद दूबे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

कार की चपेट में आकर पिता-पुत्र घायल

रसड़ा। रसड़ा-मऊ मार्ग के गढ़िया पावर हाउस के समीप शनिवार को तेज रफ्तार कार की चपेट में आकर बाइक सवार पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने पिता पुत्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रसड़ा पहुंचाया, जहां से हालत नाजुक देख चिकित्सकों ने रेफर कर दिया। बता दे कि मऊ जनपद थाना हलधरपुर के ज्ञानपुर निवासी श्रीनिवास मौर्या (55) अपने पुत्र रोहित (28) के साथ बाइक से गांव जा रहे थे, जैसे ही वे लोग रसड़ा-मऊ मार्ग के गढ़िया पावर हाउस के समीप की तभी मऊ की तरफ से आ रही कार उनकी बाइक को धक्का मार दिया। जिससे पिता-पुत्र सड़क पर जा गिरे। खून से लतपथ दोनों को तत्काल रसड़ा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उन्हें चिंता जनक स्थिति देख रेफर कर दिया गया।

हत्यारोपी को मिली आजीवन कारावास की सजा

बलिया। हत्या के मामले में सुनवाई करते हुए सिविल कोर्ट के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने शनिवार को दोषी को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया। दोषी का नाम मुन्ना सिंह उर्फ भूपेन्द्र सिंह पुत्र वीरेन्द्र सिंह निवासी सिसवारकला थाना नगरा है। दोषी मुन्ना सिंह उर्फ भूपेन्द्र सिंह के खिलाफ वर्ष 2023 में नगरा थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस द्वारा न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत करने के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने दोषी को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया।

हत्या के मामले में मिली आजीवन कारावास की सजा

बलिया। हत्या के मामले में सुनवाई करते हुए सिविल कोर्ट के अपर विशेष न्यायाधीश की अदालत ने दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। दोषी का नाम विशाल राजभर पुत्र सीताराम राजभर निवासी शिवरामपुर चट्टी थाना बांसडीह है। दोषी विशाल राजभर के खिलाफ वर्ष 2023 में खेजुरी थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस द्वारा न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत करने के बाद साक्ष्यों के न्यायिक परिसीलन करने के बाद अपर विशेष न्यायाधीश की अदालत ने दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

कल्याण दिवस के अवसर पर उद्यमियों को किया गया सम्मानित

दानवीर भामाशाह की जयंती पर व्यापारी कल्याण दिवस का किया गया आयोजन

◆ इतिहास में जब भी दानवीरों की बात होती है तो भामाशाह का नाम आदर्श से लिया जाता है

केटी न्यूज/मऊ

दानवीर भामाशाह जयंती के अवसर पर व्यापारी कल्याण दिवस का आयोजन राज्य कर विभाग तथा जिला प्रशासन द्वारा नगर पालिका कम्युनिटी हाल में जिलाधिकारी प्रवीण मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में बताया कि इतिहास में जब भी दानवीरों की बात होती है तो भामाशाह का नाम आदर्श से लिया जाता है। बाल्यकाल से ही भामाशाह को मेवाड़ की धरती से विशेष प्रेम था। ऐसे वीर का जन्म राजस्थान की मेवाड़ चित्तौड़गढ़ में 29 अप्रैल 1547 को जैन परिवार में हुआ था। उनके पिता भारमल थे, जिन्हें राणा साँगा ने रणथंभौर के किले का किलेदार नियुक्त किया था। भामाशाह बचपन से ही मेवाड़ के राजा महाराणा प्रताप के मित्र सहयोगी और विश्वास पात्र सलाहकार रहे थे। उन्होंने अपने समय में महाराणा प्रताप को अपनी सारी जमा पूंजी अर्पित कर दी थी। एक तरफ जहां मेवाड़ को बचाने के लिए महाराणा प्रताप विदेशी आक्रांताओं से लड़े तो दूसरी तरफ भामाशाह ने भी उनकी पूरी तरह से मदद की थी। इस तरह भामाशाह नाम इतिहास के सुनहरे वनों में दर्ज हो गया।

उन्होंने बताया कि हल्दीघाटी युद्ध में भामाशाह का सहयोग इतिहास में आनेको लड़ाई लड़ी गई जिसमें से कुछ युद्धों को आज भी याद किया जाता है। ऐसा ही एक युद्ध था हल्दीघाटी का युद्ध जो 18 जून 1576 ई को

मेवाड़ के शासक महाराणा प्रताप और मुगल बादशाह अकबर के मध्य हुआ था। हल्दीघाटी का युद्ध इतना भीषण और विनाशकारी था कि हजारों मेवाड़ी सैनिकों और मुगल सेना की जान चली गई और भारी मात्रा में धन की हानि हुई। इस दौरान आगे की लड़ाई लड़ने के लिए महाराणा प्रताप के पास बिल्कुल भी संसाधन नहीं बचे थे। महाराणा प्रताप के पास सैनिकों की संख्या कम हो गई थी, उन्हें अपने सैनिकों को देने के लिए पर्याप्त वेतन और भोजन की बहुत आवश्यकता थी परंतु कहीं भी आशा की किरण ना देखने पर वह गहरी चिंता में डूब गए और उन्हें यह डर सताने लगा कि कहीं मुगल उनके हिस्सों पर कब्जा न कर ले। उस कठिन समय में महाराणा प्रताप के मित्र भामाशाह मसीहा बनकर आए और उन्होंने महाराणा प्रताप को मातृभूमि की रक्षा के लिए 25 लाख रुपए तथा 20 हजार अशरफिया समर्पित की। महाराणा प्रताप को दी गई भामाशाह की इस सहायता ने मेवाड़ के आत्म सम्मान एवं संघर्ष को नई दिशा दी और अंत में महाराणा प्रताप की जीत साबित हुई।

अंत में उन्होंने समस्त उपस्थित उद्यमियों से कहा कि जिन उद्यमियों को जिला प्रशासन से सहयोग की आवश्यकता पड़े वह उद्यमी जिला प्रशासन का सहयोग ले सकता है, इसके अलावा उन्होंने कहा कि भामाशाह द्वारा किए गए कार्यों से प्रेरणा लेकर हम सबको अपने जीवन में कुछ अलग करने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान भामाशाह जयंती के अवसर पर शैलेंद्र मिश्रा जेपी हीरो होंडा एवं संजय सिंह राजपूत हीरो होंडा को भामाशाह जयंती पुरस्कार से सम्मानित जिलाधिकारी द्वारा किया गया। इसी प्रकार औद्योगिक विकास विभाग के तरफ से 14 उद्यमियों/व्यापारियों भी को सम्मानित किया गया, जिसमें रविशंकर, जितेंद्र राखोलिया, सुनील कुमार गुप्ता, प्रेम सिंह, प्रफुल्ल कुमार गुप्ता, राजकुमार खंडेलवाल, संजय सिंह, निर्मल गुप्ता, राजीव राय, रामविलास दुबे, मंजेश चौहान, श्रीमती वंदना सिंह, राजीव प्रकाश सिंह एवं आशुतोष कुमार राय को सम्मानित जिलाधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न उद्यमियों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया गया।

कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह, उपायुक्त उद्योग राजेश रोमन, सहायक उपायुक्त सगीर अहमद, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद दिनेश कुमार, सोनी धापा बालिका इंटर कॉलेज से रिचा त्रिपाठी, प्रदेश अध्यक्ष व्यापार कर उमाशंकर ओमर सहित उद्यमी उपस्थित रहे।

जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक संपन्न

मऊ। जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिला क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि स्टेडियम में ओपन जिम में इंटरलॉकिंग का कार्य नगर पालिका द्वारा करा दिया गया है तथा बैडमिंटन हाल में अपग्रेडेशन का भी कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने बताया कि बैडमिंटन हाल में लगे इनवर्टर की दोनों बैटरी खराब होने के उपरांत उसको बदल दिया गया है। परंतु बैडमिंटन हॉल में ही इनवर्टर के विद्युत तार की वायरिंग ठीक कराने का कार्य अभी भी शेष है। क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि खेल में जागरूकता बढ़ाने के लिए नियत तिथियो में विकसित भारत संकल्प यात्रा के आयोजन के दृष्टिगत जनपद में लोकप्रिय दो खेलों की जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन उत्तर प्रदेश खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति से कराए जाने हेतु निर्देश दिया गया है। जिसके क्रम में सभी सदस्यों द्वारा हैंडबॉल एवं वॉलीबॉल का जिला स्तरीय प्रतियोगिता कराए जाने हेतु निर्णय लिया गया है। जिलाधिकारी ने इस खेल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने बैडमिंटन कोर्ट में वायरिंग के कार्य एवं नगर पालिका से संबंधित जितने भी कार्य अभी तक अपूर्ण है उसको पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

चित्रकलानिबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

केटी न्यूज/ बलिया।

भामाशाह के जन्मदिवस के अवसर पर चित्रकला निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को ह्यव्यापारी कल्याण दिवसह्ल के रूप में दानवीर भामाशाह का जन्म दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी बलिया रवीन्द्र कुमार एवं जिला विद्यालय निरीक्षक रमेश सिंह के निदेर्शानुसार श्री मुरली मनोहर टाउन इंटर कॉलेज में चित्रकला, निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ.अखिलेश कुमार सिनहा एवं राजकीय इंटर कॉलेज बलिया के कला अध्यापक डॉ. इफ़्तेखार खां के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशन में संपन्न हुआ। चित्रकला प्रतियोगिता में बालक वर्ग में टाउन इंटर कॉलेज बलिया के अमन कुमार वर्मा प्रथम, होली क्रॉस स्कूल के युगल प्रकाश द्वितीय एवं आरके मिशन स्कूल सागरपाली के आलोक भारद्वाज को तृतीय स्थान प्राप्त किया जबकि बालिका वर्ग में जीजीआईसी बलिया की अनुष्का चौरसिया प्रथम, एच के जी स्कूल की वैभवी कुमारी द्वितीय और कुंवर कान्वेंट सेकेंडरी स्कूल कि तेजस्वनी कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में टाउन इंटर कॉलेज बलिया के आशीष कुमार चंद्रवंशी को प्रथम, कुंवर कान्वेंट स्कूल की तेजस्वनी को द्वितीय व वैभवी कुमारी एच के जी स्कूल की वैभवी कुमारी को तृतीय स्थान प्राप्त किया जबकि प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में टाउन इंटर कॉलेज के शुभांशु यादव, मौसम कुमार, सैयद इफ्तेखार अब्बास ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकला, निबंध और प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता में रंगकर्मी आशीष त्रिवेदी, कलाध्यापक मिथिलेश कुमार सिंह,एवं स्नेह प्रकाश निर्णायक रहे। वहीं दूसरी और कलेक्ट्रेट सभागार में जीजीआईसी की प्रधानाचार्या रंजन श्रीवास्तव, डॉ.शबनम बानो, एवं रश्मि राय के निर्देशन में नृत्य एवं नाट्य प्रतियोगिता का आयोजन जीजीआईसी की छात्राओं द्वारा किया गया।

पत्नी की बीमारी से परेशान व्यक्ति ने फांसी लगाकर की इहलीला समाप्त

चंदौली। मुगलसराय कोतवाली अंतर्गत कूड़ाबाजार पुलिस चौकी के क्षेत्र स्थित राम मंदिर मुहल्ल्ले में एक 53 वर्षीय व्यक्ति ने बीती रात फांसी लगाकर इहलीला समाप्त कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आत्महत्या की वजह पारिवारिक कलह बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक राम मंदिर मुहल्ला निवासी 53 वर्षीय गौरी शंकर विश्वकर्मा की नगर पालिका कार्यालय के समीप सिलाई मशीन बनाने की दुकान है। वह सिलाई मशीन बनाकर अपना तथा अपने दिव्यांग पत्नी व परिवार का भरण पोषण करते थे। बीती देर रात्रि उनके कमरे में फांसी के फंदे से लटका उनका शव देख घर में कोहराम मच गया लोगों ने तत्काल इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

कलेक्ट्रेट सभागार में मनाया गया व्यापारी कल्याण दिवस

◆ विभिन्न विभागों एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाया गया स्टॉल

केटी न्यूज / बलिया

जिलाधिकारी रवींद्र कुमार के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज की अध्यक्षता में राज्य कर, विभाग बलिया द्वारा दानवीर भामाशाह जयंती को व्यापार कल्याण दिवस के रूप में मनाया गया।यह कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी ने भामाशाह की फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित व दीप प्रज्वलित कर किया।यहां पर कलेक्ट्रेट सभागार के बरामदे में विभिन्न विभागों एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादों के स्टाल लगाए गए थे, जिसका मुख्य विकास अधिकारी ने अवलोकन भी किया। यहां पर भामाशाह के जीवन पर

आधारित अभिलेखों की प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। कार्यक्रम में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं ने भामाशाह के जीवन पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस अवसर पर व्यापारियों व उद्यमियों एवं सहायता समूह की महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि व्यापारियों का प्रशासन को अभूतपूर्व सहयोग रहता है। चाहे उद्योग बंधु,व्यापार बंधु या इन्वेस्टर सबमिट की बैठक हो। मुख्यमंत्री और प्रशासन हर साल इस कार्यक्रम के आयोजन को लेकर कटिबद्ध है। कहा कि व्यापारियों के कई प्रकरणों को हम लोगों के द्वारा शासन स्तर से वार्ता कर उसका निराकरण कराया गया है और आगे भी उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराया जाएगा। कहा कि जब तक इस जनपद में उद्योग धंधे नहीं लगेंगे तब तक इस जनपद की समस्या को हल नहीं किया जा सकता। कहा कि उद्यमियों और व्यापारियों के द्वारा ही हमारे समाज का उत्थान संभव है। यहां पर व्यापारियों एवं उद्यमियों ने भी उद्योग एवं व्यापार से संबंधित अपने अनुभव साझा किया।इस कार्यक्रम में सीआरओ त्रिभुवन, परियोजना निदेशक उमेश मणि त्रिपाठी, डीसी एनआरएलएम डी एन पांडे, उपायुक्त राज्य कर सुरेन्द्र बहादुर और बजरंगी यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

दूसरों का चालान काटते हैं और खुद बिना चलते हैं हेलमेट

◆ नगर के एक चौकी इंचार्ज का बिन हेलमेट बाइक चलाने का फोटो हुआ वायरल

तिलक कुमार / बलिया।

जब हम किसी के उपर उंगली उठाते हैं तो उसी हाथ की तीन उंगली खुदकी ओर इशारा करती है। ठीक वैसे ही जिस पुलिस के कंधों पर कानून पालन कराने की जिम्मेदारी है वह पुलिसकर्मी खुद ही कानून तोड़ेगी तो भला यातयात नियमों का शत प्रतिशत पालन कैसे संभव है। दरअसल नगर के एक पुलिस चौकी के चौकी इंचार्ज शुक्रवार की शाम चित्तू पांडेय ओवरब्रिज होते हुए कहीं जा रहे थे। ठीक उसी वक्त किसी ने अपने मोबाइल से फोटो खींचकर उसे वायरल कर दिया। अब इसको लेकर जनता जनार्दन की प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई है। फोटो में साफ देखा जा सकता है चौकी इंचार्ज खाकी पहने माथे में कैप लगाकर एकदम सिंघम स्टाईल में चल रहे हैं। लेकिन शायद चौकी इंचार्ज को मालूम नहीं है कि यह रील नहीं रियल लाइफ है औ यहां क्या पुलिस वाले हो क्या आम आदमी सबके लिए हेलमेट जरूरी है। लेकिन नगर के एक चौकी के चौकी इंचार्ज बिना हेलमेट के ऐसा चल रहा है मालो उनके लिए कोई

क्या बोले एसपी

एसपी देवरंजन वर्मा ने बताया कि वायरल फोटो के बारे में मुझे कुछ मालूम नहीं है। जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। आम आदमी हो या फिर पुलिस सबके लिए हेलमेट जरूरी है।

काश रूद्रप्रताप मल चौकी इंचार्ज को दे देते एक हेलमेट

बलिया। जनपद में इन दिनों सिकंदरपुर के टीएसआई रूद्रप्रताप मल हेलमेट जागरूकता को लेकर यूट्यूब पर छाए रहते हैं। यूट्यूब से इनको अच्छीखासी आमदनी भी होती है। लेकिन अफसोस इस बात का है कि उन्हीं के विभाग के एक पुलिसकर्मी इस तरह बिना हेलमेट के चल रहे हैं और यातायात नियमों का खुलेआम मखौल उड़ा रहे हैं।

नीट पेपर लीक मामले में सुभासपा विधायक बेदीराम घिरे, भाजपा ने मांगा स्पष्टीकरण

♦ वर्ष 2006 में भी आया था नाम, विधायक के खिलाफ पहले दर्ज हैं कई मुकदमे

केटी न्यूज / गाजीपुर

जनपद के जखनियां विधानसभा से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के विधायक बेदी राम एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। पेपर लीक से संबंधित एक वीडियो के वायरल होने के बाद उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। पार्टी ने उनसे इस मामले में स्पष्टीकरण मांगा है। विधायक ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें फंसाया जा रहा है। जिला प्रशासन वीडियो की सत्यता की जांच कर रहा है। दरअसल, यह पहली बार नहीं है जब बेदी राम इस तरह के विवाद में फंसे हैं। पूर्व में भी उनका नाम ऐसे मामलों में आया है। हालांकि, वायरल वीडियो की प्रामाणिकता अभी पुष्ट नहीं हुई है। यह घटना राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ

है और आने वाले दिनों में इस मामले के और भी तूल पकड़ने की संभावना है। प्रशासन और पार्टी दोनों की कार्रवाई पर सबकी नजर है। वायरल वीडियो में बेदीराम बोले- कई राज्यों में नौकरियां लगवाता हूं..मेरा नाम मत लेना। विवाद की शुरूआत हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें कथित तौर पर बेदीराम पेपर लीक से जुड़ी बातें करते नजर आ रहे हैं। यह वीडियो तेजी से फैला और विपक्षी दलों ने इसे लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इस मुद्दे पर सरकार को घेरा है। वहीं, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर ने बेदीराम के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पेपर लीक मामले में विधायक के खिलाफ पहले भी कई राज्यों में दर्ज हैं मुकदमें

यह पहली बार नहीं है जब बेदीराम का नाम पेपर लीक जैसे मामलों में आया हो। उनका नाम पहले भी कई बार ऐसे विवादों में शामिल रहा है। 2006 में रेलवे का पेपर लीक कराने के मामले में उनका नाम सामने आया था। लखनऊ के कृष्णनगर में एसओजी और एसटीएफ ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। यहीं पर उन पर गैंगस्टर एक्ट भी लगाया गया था। इसके बाद 2008 में गोमतीनगर, लखनऊ में फिर से एक मुकदमा दर्ज हुआ। 2009 में जयपुर, राजस्थान में भी उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। 2014 में भोपाल, मध्य प्रदेश और लखनऊ के आशियानाबाद में भी मुकदमे दर्ज हुए। 2010 में मड़ियाहू और 2021 में जलालपुर में भी उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए।

बताते हैं कि वर्तमान विधायक ने राजनीति में प्रवेश

लगातार कानूनी मामलों में खुद को फंसते देख एक सोची-समझी रणनीति के तहत प्रवेश किया। उन्होंने सबसे पहले अपनी पत्नी बदामा देवी को जलालपुर (जौनपुर) से ब्लॉक प्रमुख का चुनाव लड़वाया और जिताया। यह चुनाव केराकत के तत्कालीन भाजपा विधायक दिनेश चौधरी के लिए भी प्रतिष्ठा का सवाल था, क्योंकि उनकी बहू भी इस चुनाव में उतरी थीं। लेकिन बेदीराम ने अपनी राजनीतिक चतुराई का परिचय देते हुए भाजपा में भी सेंध लगाई और अपनी पत्नी को विजयी बनवाया। इस सफलता के बाद बेदीराम ने खुद विधायक बनने का लक्ष्य रखा। उन्होंने सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर से गठबंधन किया और गाजीपुर के जखनियां सुरक्षित सीट से चुनाव लड़ा। उनकी जीत ने जौनपुर के लोगों को हैरान कर दिया, क्योंकि वह मूल रूप से जौनपुर के केराकत तहसील क्षेत्र के कुसियां के निवासी हैं। इस वीडियो में वह कथित तौर पर पेपर लीक से संबंधित बातें करते दिख रहे हैं। हालांकि, बेदीराम ने इस वीडियो को फर्जी और एडिट किया हुआ बताया गया है। उन्होंने कहा कि वह एक दलित विधायक हैं और इसलिए विरोधी पार्टियां उन्हें फंसाने की कोशिश कर रही हैं। इस बीच, एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर कथित तौर पर कह रहे हैं कि अगर किसी को नौकरी चाहिए तो एडमिट कार्ड या कॉल लेटर आने के बाद बेदीराम को कॉल कर लेना चाहिए। हालांकि इस वीडियो की भी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

एक नजर

कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग ने सौंपा ज्ञापन

जौनपुर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन शाहनवाज आलम के निदेर्शानुसार छत्तीसगढ़ में सहारनपुर व शामली

निवासी तीन युवकों के साथ मॉब लिंचिंग के विरोध में आज कलेक्ट्रेट में कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग जौनपुर ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपकर कार्यवाई की मांग की है जिलाध्यक्ष आरिफ खान के नेतृत्व में पहुंचे कांग्रेसियों ने कहा कि भीड़ के द्वारा की गई इस हत्या की कांग्रेस पार्टी कड़े शब्दों में निंदा करती है। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस पार्टी अल्पसंख्यक विभाग ने मांग किया है कि घटना में शामिल सभी गुंडों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए और एस.पी.व डी. एम.को तत्काल निलंबित किया जाए और मरने वाले व्यक्तियों के परिवार को उचित मुआवजा व सरकारी नौकरी की व्यवस्था की जाये मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस पार्टी अल्पसंख्यक विभाग जौनपुर के जिलाध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि मॉब लिंचिंग में लिप्त अधिकतर गुंडे आज भी आजाद घूम रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार के संरक्षण में कानून व्यवस्था पर हमला है। आरिफ ने कहा कि मोदी के पार्ट 1 पार्ट 2 कार्यकाल में जिस प्रकार से अल्पसंख्यकों पर जुल्म हो रहे थे वोह पार्ट 3 में भी बदस्तूर जारी है जिसकी हम कड़ी निंदा करते हैं और निष्पक्ष जाँच की मांग करते हैं। इस अवसर पर मौलाना अनवार अहमद कासमी,शाहनवाज मंजूर सभासद,अबुजर शेख सभासद,एडवोकेट उस्मान अली,एडवोकेट जयशंकर यादव,जय मंगल यादव,मोहम्मद राशिद,मोहम्मद ताहिर,इस्तेखार उल हक,शब्बू भाई,जफर अहमद समेत आदि उपस्थित रहे।

दानवीर भामाशाह की जयंती पर सर्वाधिक जीएसटी जमा करने वाले व्यापारी हुए सम्मानित

चंदौली । कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को सीडीओ एसएन श्रीवास्तव की अध्यक्षता में दानवीर भामाशाह का जंयती व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनाया गया। उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि दानवीर भामाशाह का जन्म राजस्थान के मेवाड़ राज्य में 29 जून 1547 को जैन परिवार में हुआ था। भामा शाह मेवाड़ के राजा महाराणा प्रताप के मित्र, सहयोगी व विश्वासपात्र सलाहकार थे। उन्होंने मात्र भूमि की रक्षा के लिए महाराणा प्रताप का सब खत्म हो जाने के बाद भी उनके लक्ष्य को सर्वोपरि मानते हुए अपनी संपूर्ण धन संपदा अर्पित कर दी। वह त्यागी पुरुष थे। आत्म सम्मान व त्याग की यही भावना उनके स्वदेश धर्म व संस्कृत की रक्षा करने वाले देशभक्त के रूप में शिखर पर स्थापित करती है।

राज्य सरकार की ओर से दानवीर भामाशाह की जयंती पर कार्यक्रम का नोडल विभाग राज्य कर, जिला उद्योग, खादी ग्रामोद्योग, सूचना व संस्कृति / पर्यटन विभाग व जिला प्रशासन के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कपड़े, जरदोजी, नमकीन आदि का स्टाल लगाया गया। विभिन्न विभागों की ओर से व्यापारियों के कल्याण के लिए राज्य सरकार की ओर से संचालित की जा रही योजनाओं व उसके लाभों से अवगत कराया गया। राज्य कर विभाग के जनपद में वित्तीय वर्ष 2023-24 में सबसे ज्यादा जीएसटी कर का भुगतान करने वाले तीन व्यापारियों को प्रशस्ति पत्र व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सबसे ज्यादा कर जमा किए जाने वाले व्यापारी गोविंद सेल्स कार्पोरेशन (599.35 लाख), इनवेस्टिंग डैडी इनवेस्टमेंट एडवाइजर (186.38 लाख) , एसबीसी मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड (89.87 लाख) पाए गए। इसके अतिरिक्त जिला उद्योग केंद्र की ओर से 11 विभिन्न व्यापारियों को विभिन्न क्षेत्रों में सर्वाधिक इनवेस्टमेंट किए जाने के लिए पुरस्कृत किया गया।डिप्टी कमिश्नर, राज्य कर, डिप्टी कमिश्नर, उद्योग, जिला पर्यटन अधिकारी, खादी ग्रामोद्योग अधिकारी, उद्योग मंडल के पदाधिकारी सहित अन्य उद्यमी उपस्थितथे। उधर दानवीर भामाशाह के जन्म दिवस पर अखिल भारतीय व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा ने मुख्यालय स्थित कैंप कार्यालय में व्यापारियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। इसमें एमडी कालेज आफ फामेर्सी के प्रबंध निदेशक डा बृजेश कुमार वर्मा शामिल रहे।

खबरें फटाफट

जीआरपी ने छह प्रतिबंधित कछुए बरामद किए

चंदौली। डीडीयू जंक्शन जीआरपी ने शनिवार दोपहर एक बजे प्लेटफॉर्म संख्या एक और दो के बीच से लावारिस हालत में पड़े पिट्ठू बैग से छह कछुआ बरामद किया। जिसको थाने लाकर विधिक कार्रवाई करते हुए वन विभाग के अधिकारियों को बुलाकर उन्हें सुपुर्द कर दिया गया है। बताते चलें कि आये दिन प्रतिबंधित कछुओं की तस्करी ट्रेनों द्वारा की जा रही है। कछुओं को तस्कर पश्चिम बंगाल ले जाकर ऊंचे कीमत पर बेचते हैं। बताया जाता है कि की कछुओं से सेक्सवर्धक दवाएं बनाई जाती है। जीआरपी नित्य की भांति स्टेशन पर गस्त कर रही थी तभी प्लेटफार्म संख्या 1/2 पर लावारिश हालत में पड़े पिट्ठू बैगों के बारे में आसपास के लोगों से पूछा तो किसी ने जबाब नहीं दिया। ऐसे में पुलिस ने हिम्मत जुटाते हुए बैग को खोलकर देखा तो सभी बैगों के अंदर से एक एक कछुआ बरामद किया गया। पुलिस ने विधिक कार्रवाई करते हुए ।सभी कछुओं को वन विभाग के अधिकारियों को बुलाकर सुपर्द कर दिया है।

चोरी की चार मोबाइल के साथ तीन चोर गिरफ्तार

चंदौली। डीडीयू जंक्शन जीआरपी ने शनिवार अलसुबह 3 :30 बजे चेकिंग के दौरान प्लेटफार्म संख्या 3/4 के पश्चिमी छोर से 3 शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की चार मोबाइल बरामद कर विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार नित्या की भांति जीआरपी प्लेटफार्म पर गशत कर रही थी। गशत के दौरान जैसे ही प्लेटफार्म संख्या तीन चार के पश्चिम छोर स्थित लाइन शहीद बाबा के सामने पहुंची कि पहले से खड़े तीन युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। जीआरपी के जवानों ने सभी को दौड़ाकर पकड़ लिया। उनकी जमा तालाशी ली गई तो उन लोगों के पास से कीमती चार मोबाइल सेट बरामद हुआ। पूछताछ में लोगों ने बताया कि यह यात्रियों से चुराए गए मोबाइल फोन हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में प्रदेश के मेधावी छात्र-छात्राओं का किया सम्मान

कोई छात्र स्कूल से वंचित न रहे, ये देश की सबसे बड़ी सेवा होगी: सीएम योगी

♦ छात्रों को सर्टिफिकेट, टैबलेट और एक लाख रुपए प्रदान किए

केटी न्यूज/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के मेधावी छात्र एवं छात्राओं को सम्मानित किया। साथ ही सीएम योगी ने ड्रेस, जूता-मोजा, स्वेटर, स्टेशनरी एवं स्कूल बैग की खरीद के लिए प्रति छात्र-छात्रा 1200 रुपए की धनराशि उनके माता/पिता/अभिभावक के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से अंतरण प्रक्रिया का भी शुभारंभ किया। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि कोई छात्र स्कूल से वंचित न रह जाए। हम अपनी इस जिम्मेदारी का निर्वहन करें, ये देश की सबसे बड़ी सेवा है। श्रीमद्भगवतगीता में तो किसी को शिक्षित करना सबसे पवित्र कार्य माना गया है। उन्होंने शिक्षा विभाग से जुड़े शिक्षकों और अधिकारियों से कहा कि आप उस पवित्र कार्य से जुड़े हुए है। आपका आचरण एक शासकीय अधिकारी की तरह नहीं, बल्कि समाज के एक मार्गदर्शक के रूप में, एक शिक्षक के रूप में होना चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि हमारे विद्यालय इनोवेशन और रिसर्च के नए सेंटर के रूप में स्थापित हों, हमारे छात्र-छात्राओं के अंदर कठिन से कठिन चुनौतियों से जूझने का जज्बा हो, इसके लिए हम अपने आपको तैयार करें। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद, काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन नई दिल्ली और

नई पीढ़ी के लिए रोल मॉडल हैं मेधावी छात्र

मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने के बाद सीएम योगी ने कहा कि सचमुच एक गुरु के लिए इससे बड़ी बात क्या हो सकती है कि जिसको उन्होंने गाइड किया वो देश में, प्रदेश में, जनपद में उच्च स्थान प्राप्त कर उन्हें गौरवान्वित कर रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से हम अपने प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते हुए नई पीढ़ी के सामने उन्हें रोल मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं कि अगर वो भी ऐसे ही परिश्रम करेंगे तो उन्हें भी सम्मान प्राप्त होगा। सीएम योगी ने छात्र-छात्राओं को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि जीवन में किसी भी फील्ड में जाना हो याद रखना परिश्रम का कोई विकल्प नहीं हो सकता। जीवन में शॉर्टकट का रास्ता अपनाने वाला व्यक्ति कभी भी अपनी मंजिल को प्राप्त नहीं कर सकता। इसलिए जीवन में जितना कठिन परिश्रम कर सकते हैं, करना चाहिए।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली से जुड़े छात्र-छात्राओं को यहां सम्मानित किया गया है। हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की मेरिट में जगह बनाने वाले कुल छात्र-छात्राओं की संख्या 170 है, जिनमें छात्र 58 हैं और छात्राएं 112 हैं। ये सफलता बताती है कि बेटियों ने लंबी छलांग मारी है और बेटी पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। सभी मेरिट में आने वाले छात्र-छात्राओं को सर्टिफिकेट, टैबलेट और एक लाख रुपए नगद उपलब्ध कराने का कार्य सरकार कर रही है। इसके साथ ही ये छात्र जिस गांव, मोहल्ले के होंगे वहां की सड़क का नामकरण इनके नाम पर या वहां की सड़क का निर्माण कार्य सरकार के स्तर पर होगा। विधायक और सांसद के साथ मिलकर इन्हीं के द्वारा इसका शिलान्यास भी कराया जाना चाहिए। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह, माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार, बेसिक शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव एम के एस सुंदरम, महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा समेत तमाम अधिकारीगण उपस्थित रहे।

7 वर्ष से लगातार आगे बढ़ा रहा बेसिक शिक्षा परिषद

सीएम योगी ने कहा कि आज यहां पर बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा अनेक कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया। इनमें 88 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं के अभिभावकों के खाते में 1200 रुपए प्रति छात्र भेजे गए हैं। बेसिक शिक्षा परिषद ने विगत 7 वर्ष में अनेक इनोवेशन को आगे बढ़ाया है। 2017 के पहले जैसे सरकार अंधकार में रहती थी, वैसे ही इन्होंने शिक्षा को भी अंधकार में ढकेलने का काम किया था।

टेक्नोलॉजी और आधुनिक शिक्षा से बना रहे बच्चों का बेहतर भविष्य : संदीप सिंह

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि बिना शिक्षा के विकसित समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। इसलिए, हमारी सरकार ने सर्वसमाज को ध्यान में रखकर एक बेहतर शिक्षा व्यवस्था बनाई है और उसी दिशा में आगे बढ़ रही है। सरकार और विभागीय प्रयासों से अब तक प्रदेश के लगभग 95 प्रतिशत विद्यालयों में 19 बिंदुओं पर होने वाले कार्य पूर्ण हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि आज का युग टेक्नोलॉजी का युग है। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने प्रदेश के सभी 2 लाख 9 हजार 863 विद्यालयों को दो-दो टैबलेट उपलब्ध करावाकर बच्चों की बेहतर पढ़ाई को सुनिश्चित कराने का कार्य किया है। बच्चों के बेहतर शिक्षा के लिए 880 आईसीटी लैब्स भी स्थापित किए गए है। 18 हजार 381 परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की स्थापना करने का कार्य भी पूर्ण हो चुका है।

सीएम ने मेधावियों को प्रदान किया सांकेतिक चेक

केटी न्यूज/चंदौली ।

लोक भवन, लखनऊ में आयोजित वर्ष 2024 में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्तीर्ण मेधावी सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से राज्य स्तर पर प्रथम पांच स्थान प्राप्त मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किए जा रहे कार्यक्रम को शनिवार को कलेक्ट्रेट में लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से छात्रों को दिखाया गया। वहीं जनपद स्तर पर वर्ष 2024 में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण मेधावी विद्यार्थियों को सम्मान कार्यक्रम के तहत राज्य स्तर पर चयनित जनपद के मेधावी छात्र आदर्श पाण्डेय कक्षा-10 वीं उत्तीर्ण (97 %)

मेधावियों ने आनलाइन माध्यम से लिया सम्मान समारोह में भाग

मां चकेश्वरी इंटर कालेज लक्ष्मणगढ़, रु एक लाख का सांकेतिक चेक (जो कोषागार के माध्यम से लाभार्थी के खाते में प्रेषित) एक टैबलेट, प्रशस्ति पत्र व मेडल देरक सम्मानित किया गया। वहीं जनपद स्तरीय मेधावी सूची में चयनित हाईस्कूल के कुल नौ व इंटरमीडिएट के 12 मेधावी विद्यार्थियों को इक्कीस हजार रुपये सांकेतिक चेक (जो कोषागार के माध्यम से लाभार्थी के खाते में प्रेषित) एक टैबलेट, प्रशस्ति पत्र व मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेधावी छात्र जिस गांव, मोहल्ले के होंगे वहां की सड़क का नामकरण इनके नाम पर या वहां की सड़क का निर्माण कार्य सरकार के स्तर पर होगा। विधायक और जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर इन्हीं के द्वारा इसका शिलान्यास भी कराया जाना चाहिए। मेधावी सम्मान कार्यक्रम में उपस्थित मेधावी विद्यार्थियों को विधायक सुशील सिंह, रमेश जायसवाल व जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे की ओर से आशीर्वचन व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कानून व्यवस्था एवं अभियोजन शाखा की समीक्षा बैठक संपन्न

आईपीसी की धाराओं के तहत कुल 118 वादों का निस्तारण

केटी न्यूज/मऊ

कानून व्यवस्था एवं अभियोजन शाखा की मासिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी प्रवीण मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। अभियोजन शाखा की समीक्षा के दौरान संयुक्त निदेशक अभियोजन ने बताया कि अधीनस्थ न्यायालय में आईपीसी की धाराओं के तहत कुल 118 एवं अन्य अधिनियम में कुल 246 वाद निस्तारित किए गए। जिसमें आईपीसी के तहत 12 एवं अन्य अधिनियम में 217 में सजा हुई। इसी प्रकार सत्र न्यायालय में आईपीसी के कुल 12 मामले निस्तारित हुए। जिसमें 12 मामलों में रिहाई हुई। एससी एसटी एक्ट में एक वाद निस्तारित हुआ जिसमें सजा हुई। पक्सो एक्ट में कुल 16 वाद निस्तारित किए गए। जिसमें

♦ थाना समाधान दिवस पर राजस्व अधिकारी रहे उपस्थित, राजस्व से जुड़े मामलों का तत्काल कराए निस्तारण

तीन में सजा हुई एवं 13 में रिहाई हुई। इस प्रकार अधीनस्थ एवं सत्र न्यायालय में मई माह में कुल 394 बाद निस्तारित किए गए। जिनमें 233 में सजा एवं 25 में रिहाई, 33 में सुलह 31 में सत्र सुपुर्द एवं 72 वादों में दाखिल दफ्तर हुआ। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने संयुक्त निदेशक अभियोजन को कोर्टवार, केसवार निर्णित वादों की सूची अगली समीक्षा बैठक में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए,जिससे निर्णित वादों की बेहतर समीक्षा की जा सके। इसके अलावा उन्होंने पुलिस को गवाहों

की उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा जिससे गवाहों की अनुपस्थिति से दोषी बच न सके।

जिलाधिकारी ने अभियोजन एवं पुलिस बल को महिला एवं बाल अपराधों पर रोकथाम हेतु विशेष प्रयास करने के भी निर्देश दिए साथ ही शासन की मंशा के अनुरूप दोषियों को कड़ी सजा दिलाने हेतु बेहतर समन्वय स्थापित कर प्रयास करने को कहा। गैंगस्टर एक्ट में की गई कार्यवाहियों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने चिन्हित गैंगस्टर लोगों की संपत्तियों का पता लगाने को कहा, जिससे कुर्क की कार्रवाई की जा सके। उन्होंने जनपद के टॉप टेन अपराधियों के खिलाफ पूर्व की भांति कार्यवाही जारी रखने के भी निर्देश दिए। धारा 67 में पारित आदेशों का मौके पर कम अनुपालन पाए जाने पर जिलाधिकारी ने इसमें विशेष प्रयास कर पारित आदेशों का मौके पर अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार धारा 107 एवं 116 में पारित आदेशों के उल्लंघन पर रिकवरी की कार्यवाही भी करने को कहा। धारा 133 एवं 145 में 5 वर्ष से अधिक लंबित लगभग 60% मामलों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित पीठासीन अधिकारियों को 5 वर्ष से अधिक लंबित मुकदमे के निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर करने को कहा। इसी प्रकार अवैध टैक्सी स्टैंड एवं अवैध वसूली पर भी कड़ी नजर रखने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक इलमारन जी, अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह, समस्त उप जिलाधिकारी, समस्त क्षेत्राधिकार, समस्त थाना अध्यक्ष एवं अभियोजन शाखा के समस्त अधिकारी उपस्थित रहे।

सुभाषितम्

जब तक हम स्वयं निरपराध न हों तब तक दूसरों पर कोई आक्षेप सफलतापूर्वक नहीं कर सकते। - सरदार पटेल

नीट पेपर से लेकर छतों तक लीक ही लीक

- राकेश अचल

हम जब बच्चे थे तब जिस लीक के बारे में जानते थे,वो आजकल के पेपर लीक और छत लीक से एकदम अलग थी। अंग्रेजी की लीक और हिंदी की लीक में जमीन -आसमान का अंतर होता है । अंग्रेजी की लीक को हमारे यहां हिंदी में ही नहीं बल्कि बुंदेलखंडी में भी टपकना या चूना कहते है । हमारे यहां लीक का दूसरा अर्थ पगडण्डी भी होता है और एक अर्थ सिर में पड़ने वाले जुओं के बच्चे भी होते हैं। ये सफेद रंग के होते हैं। कहावत है कि-

लीक लीक कायर चले और लीक चले कपूत,
लीक छोड़ तीन ही चलें शायर, सिंह , सपूत।

आज दुर्भाग्य से कहिये या सौभाग्य से लीक यानि लीकेज एक राष्ट्रीय समस्या है । सड़क से लेकर संसद तक इस लीक की चर्चा हो रही है। लेकिन संसद में लीक पर चर्चा की इजाजत देने के बजाय बहस की मांग करने वाले विपक्ष के नेता का माइक तक बंद किया जाने लगा है। अर्थात अभिव्यति की स्वतंत्रता या अधिकार का गला घोंटा जा रहा है। गला घोंटना एक जुलाई से लागू होने वाली भारतीय न्याय संहिता के तहत तहत किस धारा में अपराध होता है ये अभी मुझे पता नहीं ,क्योंकि मैंने जो संहिता अपने पाठ्यक्रम में पढ़ी थी वो भारतीय दंड संहिता थी।

सबसे पहले अयोध्या में नव निर्मित राम मंदिर की छत से होने वाली लीकेज की बात की जाये । चूंकि हम अयोध्या से सैकड़ों किमी दूर बैठे हैं इसलिए हमें सच्चाई का पता नहीं है, लेकिन जो तस्वीरें वायरल हुई हैं उनकी बिना पर हम कह रहे हैं कि राम जी के मंदिर की छत लीक हो रही है ।लेकिन मंदिर के ट्रस्टी कह रहे हैं कि -ये अफवाह है। अब हम तस्वीरों को सही मानें या ट्रस्टियों की बात को ये भी हमें पता नहीं है कि इन दोनों में से कौन सा साक्ष्य नए साक्ष्य संहिता की किस धारा के तहत आता है ?

वैसे अयोध्या में राम मंदिर के लीकेज से पहले यहां भाजपा की छत में भी लीकेज हुआ है और राम जी ने इसकी सजा भाजपा को यानी मंदिर निर्माण करने वाली राष्ट्रहितैषी पार्टी को चुनाव हारकर दे दी है। ये बात और है की भाजपा इस सजा को भी राम जी का प्रसाद और अनुकम्पा मानती है। ये भाजपा की और चम्पत राय की दरियादिली है। आजकल की अदावत की राजनीति में दरियादिली की सख्त जरूरत है। विपक्ष ने भी लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में मतदान न कराकर दरियादिली का मुजाहिरा किया ही है।

अयोध्या से यदि आप दिल्ली आएं तो यहां अंतर्राष्ट्रीय इंदिरा गाँधी हवाई अड्डे पर टर्मिनल -1 की छत लीक हो रही है और पार्किंग की छत तो टपक ही गयी। मेरा मानना है कि इसके लिए इंदिरा गाँधी ही जिम्मेदार निकलेंगी । यदि उनके नाम की वजाय ये हवाई अड्डा किसी भाजपा नेता के नाम पर होता तो शायद न छत लीक होती और न छत टपकती। वैसे पीने के पानी को लेकर हाय ! हाय !! कर रही पूरी दिल्ली ही इस समय लीक हो रही है । आम आदमी से लेकर खास आदमियों के घर में पानी घुस चुका है । सड़कें यमुना की सगी बहनों की तरह सड़कों पर बह रही है। किसी की क्या मजाल की कोई इस पानी को रोक सके । पानी को रोकने के लिए तो कोई स्विच भी नहीं होता अन्यथा सरकार ओम बिरला ने जिस तरह से राहुल गांधी की बोलती बंद कर दी ठीक उसी तरह पानी की बोलती भी बंद करा देती।

लीकेज और टपका-टपकी केवल दिल्ली का ही मसला नहीं है। हमारे मध्यप्रदेश में जहां डबल इंजिन की सरकार है वहां भी जबलपुर में हवाई अड्डे का पोर्च एक कर के ऊपर आ गिरा। कार का कचूमर निकल गया ठीक उसी तरह जिस तरह देश की जनता का कचूमर पिछले एक दशक से निकल रहा है और जनता है कि मुस्कराये जा रही है ,फिर से पुरानी सरकार को सत्तारूढ़ देखकर। अब जबलपुर में हवाई अड्डे का पोर्च टपकने के लिए हमारे पहलवान मुख्यमंत्री डॉमोहन यादव को तो जिम्मेदार ठहराया नहीं जा सकता । इसके लिए तो पूर्व के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को ही दोषी माना जाना चाहिए ,लेकिन कर-चोर मौसेरे भाई होते है। कौन -किसे जिम्मेदार ठहराए इसको लेकर भी विवाद खड़ा हो सकता है।

अब आइये बिहार चलते हैं। यहां नालंदा विश्व विद्यालय को नव जीवन दिया गया है। यहां से ही नीट का पेपर लीक हुआ है जो हमारी मोशा सरकार के गले की हड्डी बन गया है। चूंकि बिहार सरकार की बैशाखी पर मोशा की सरकार टिकी है इसलिए नीट पेपर लीक को लेकर सरकार संसद में बहस करने से कन्नी काट रही है। कन्नी होती ही काटने के लिए है। बिहार में पेपर ही लीक नहीं होते बल्कि पूरे के पूरे पुल ही बह जाते है। अभी तक तीन-चार पुल तो बह चुके हैं। अब भाजपा और जेडीयू के बीच जो नया पुल बना है वो कितने दिन टिकेगा इसकी गारंटी कोई नहीं दे सकता। माननीय गारंटी महोदय भी नहीं। बिहार का और गारंटी का कोई रिश्ता नहीं है। बिहार न नीतीश कुमार की गारंटी दे सकता है और न तेजस्वी यादव की। चिराग पासवान हों या जीतन माझी। कोई भी गारंटी देने का खतरा मोल नहीं ले सकते। पता नहीं कब,किसे ,किसके साथ खड़ा होना पड़े ?

वैसे लीकेज सचमुच है ही विश्वव्यापी समस्य । आपको याद है न कि एक विकीलीक्स हुआ करती है ,जो दुनिया भर की सरकारों के बारे में न जाने क्या-क्या लीक करती रहती है। विकिलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे हैं। वे अक्सर जेल आते-जाते रहते हैं। पिछले दिनों अमेरिका ने उन्हें अपनी जेल से रिहा कर दिया। अमेरिकी न्याय विभाग के साथ हुई डील के बाद उन्हें लंदन की हाई सिक्योरिटी जेल से छोड़ दिया गया है। रिहाई के बाद असांजे अपने मूल देश ऑस्ट्रेलिया चले गए। लेकिन हमारे देश में किसी भी लिक्बाज को न पकड़ा जाता है और न सजा होती है ,क्योंकि हमारे यहां लीक करना एक कुटीर उद्योग है। ये यूपी, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान ही नहीं बल्कि दिल्ली तक में बाकायदा सरकारी संरक्षण में पनपता है ,भले ही सरकार कांग्रेस की हो या भाजपा की। लीकेज का धंधा बिना सरकारी सांरक्षण के चल ही नहीं पाता ,लेकिन इस हकीकत को हमारी संसद सुनना नहीं छति और सरकार स्वीकार करना नहीं चाहती। मेरा तो मशवरा है कि न सिर्फ केंद्र में बल्कि राज्य में लीकेज की समस्या को देखते हुए एक पृथक मंत्रालय की स्थापना कर देना चाहिए। एक अलग मंत्री लीकेज के मामले को देखे । रोज-रोक सीबीआई कहाँ तक लीकेज के मामले दिखेगी ? सीबीआई के पास विपक्षियों की धर-पकड़ का इससे ज्यादा महत्वपूर्ण काम पहले से ही है। मै तो कहता हूँ कि उन्हें भी लीकेज के मामले में संसद पर बहस करने पर जोर नहीं देना चाहिए,उन्हें सड़कों पर उत्तर कर पीड़ितों के बीच खड़े होकर संसद के बाहर लीक काण्ड पर बहस करना चाहिए। संसद भीतर की बहस से नहीं बल्कि बाहर होने वाली बहस से हिलती है। भीतर तो उनका माइक सरकार बंद करा सकती है किन्तु बाहर ऐसा करना सरकार के लिए भी मुमकिन नहीं है। आपकी हो या न हो किन्तु मेरी स्पष्ट धारणा है कि देश की संसद हो या सरकार ,पुल हो या हवाई अड्डा,परीक्षा हो या चुनाव सबके सब लीक प्रूफ होना चाहिए। लीकेज को राष्ट्रीय उद्योग न बनाकर राष्ट्रीय अपराध बनाया जाना चाहिए। वैसे केंद्र और राज्य सरकारों ने ऐसे कानून एहतियात के तौर पर बनाये हैं ,सरकार चाहे तो इन लीकबाजों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता,भारतीय साक्ष्य संहिता में भी तरमीम कर सकती है और इसके आरोपियों के खिलाफ बुलडोजरों का इस्तेमाल भी कर सकती है ,लेकिन मुझे पता है कि ऐसा करने के लिए चार सौ पार वाली सरकार चाहिए। 240 पार वाली सरकार ये सब नहीं कर सकती।

हाईकोर्ट से जमानत पर छूटे हैं, निर्दोष साबित नहीं हुए हेमंत सोरेन

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। जमानत देते हुए हाईकोर्ट ने कहा, अदालत में जो दस्तावेज ईडी द्वारा पेश किए गए हैं, उन दस्तावेजों से कहीं पर भी हेमंत सोरेन दोषी प्रमाणित नहीं होते हैं। भूमि अधिग्रहण और कब्जे के मामले में हेमंत सोरेन की कोई भागीदारी हाईकोर्ट को नहीं मिली। हाईकोर्ट ने जमानत के फैसले में कहा, याचिकाकर्ता को जमानत देने से कोई हानि होने वाली नहीं है। हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में यह भी कहा, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विवादित 8.86 एकड़ भूमि के अधिग्रहण, कब्जे और आय से जुड़े होने का कोई प्रमाण ईडी प्रस्तुत नहीं कर पाई। 2010 में उस उक्त भूमि का अधिग्रहण किया गया था। उस समय हेमंत सोरेन की सरकार भी नहीं थी। हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में यह भी कहा, ईडी ने ऐसा कोई भी प्रमाण पेश नहीं किया, जिससे यह साबित हो, कि याचिकाकर्ता हेमंत सोरेन ने जमीन पर कब्जा किया है। उन्हें कोई आय प्राप्त हुई हो। झारखंड हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया पीएमएलए एक्ट के तहत कोई मामला नहीं होने के कारण, हेमंत सोरेन को जमानत दी है। लगभग 5 महीने हेमंत सोरेन जेल में बंद रहे। उन्हें मुख्यमंत्री का पद छोड़ना पड़ा। समय-समय पर ईडी के समन का सामना करना पड़ा। मुख्यमंत्री होते हुए भी उन्हें बार-बार हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दौड़ना पड़ा। लाखों रुपए उनके और करोड़ों रुपए सरकार के खर्च हुए। कई महीनों तक हेमंत सोरेन को भ्रष्टाचारी और दोषी बताया गया। लोकसभा चुनाव में उन्हें चुनाव प्रचार करने से रोका गया। एक मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें काम करने से रोका गया। जनता ने उन्हें विधायक और मुख्यमंत्री के रूप में चुना था। वह अपने दायित्वों को पूरा नहीं कर पाए। ट्रायल कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के महीनो चक्कर लगाने के बाद भी हेमंत सोरेन जमानत पर वापस आए हैं। हाईकोर्ट ने उन्हें पीएमएलए कानून के निर्दोष घोषित नहीं किया है। पीएमएलए कानून का यह मुकदमा कितने साल तक चलेगा। भगवान ही इसका मालिक है। भारतीय जनता पार्टी और उनके विपक्षी राजनेता हमेशा उन्हें जमानत पर छूटे अपराधी के तौर पर उन पर हमला करते रहेंगे। व्यक्तिगत, राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तौर पर प्रताड़ित किया जाता रहेगा। जमानत के मामले में हेमंत सोरेन ने ट्रायल कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक के कई चक्कर जमानत पाने में लगा दिए हैं। प्रथम दृष्टया कोई अपराध प्रमाणित नहीं होने के बाद भी उन्हें वर्षों मुकदमा लड़ना पड़ेगा। हेमंत सोरेन राजनीतिक और आर्थिक रूप से समर्थ हैं। मुकदमा लड़ने की उनकी हैसियत भी है। आम आदमी अपना बचाव किस तरह से जांच एजेंसियों के उत्पीड़न से कर पाएगा? जब संविधान ने नागरिकों को जमानत का अधिकार दिया हुआ है। जेल को अपवाद माना गया है। पिछले कुछ वर्षों में जांच एजेंसियों द्वारा पीएमएलए, यूपीए कानून के तहत लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया जाता है। कई वर्षों और कई महीनो तक उन्हें जेल में बंद रखा जाता है। दोनों कानून में न्यायालय द्वारा जमानत नहीं दी जाती है। कई वर्षों तक जांच एजेंसी जांच पूर्ण नहीं करती है। आरोपियों को बिचाराधीन कैदी के रूप में जेल में लंबे समय तक बंद रखा जाता है। मीडिया ट्रायल में आरोपियों की सामाजिक, राजनीतिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचती है। आर्थिक नुकसान अलग होता है। पूरे परिवार पर इसका असर पड़ता है। इस तरह की कार्रवाई पर जब तक जांच एजेंसियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाएगी। इसी तरह से कानून का दुरुपयोग होता रहेगा। सत्ता में बैठे हुए लोग यदि कानून का इस तरह से दुरुपयोग करेंगे। जो प्रमाणित भी हो रहा है। ऐसी स्थिति में जांच एजेंसी के अधिकारियों को जिम्मेदार बनाने की जरूरत है। ताकि वह सत्ता में बैठे हुए राजनेताओं के दबाव में अधिकारों का दुरुपयोग ना कर पाएं। तभी भारतीय संविधान, भारतीय न्याय व्यवस्था, भारतीय सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था को विश्वास योग्य बनाया जा सकता है।

चिंतन-मनन

शांति इंसान के अंदर है

पानी में मिला हुआ नमक दिखाई नहीं देता। इसका यह मतलब नहीं कि वह गायब हो गया। हालांकि आंख से नहीं देख सकते, पर जबान से उसे चख तो सकते हैं। मनुष्य के साथ ही कुछ ऐसा ही होता है। हम शांति को आंखों से नहीं देख सकते, परंतु हृदय से उसका अनुभव कर सकते हैं। वह शक्ति भी सब जगह है- थल में भी है, आकाश, वायु, जल और पेड़ों में भी है और उसी के होने की वजह से आप भी जीवित हैं। आप विश्वास करते हैं कि आपकी जन्मपुंडली में लिखा हुआ है, इसकी वजह से आप जीवित हैं, परंतु नहीं। कौन कब जाएगा, यह किसी को नहीं मालूम। कब क्या होगा, यह किसी को नहीं मालूम। पर लोग अपने जीवन के अंदर इसी चीज का विश्वास करके चलते हैं कि उनको मालूम है कि कल क्या होगा। आप जीते कहां हैं? आज में। कल तो आप जी नहीं सकते। अगर कल आएगा भी तो उसको आज का रूप लेना पड़ेगा। तो आप जीते कहां हैं? आज में। और आपकी आशाएं कहां हैं? कल में। आप चिंता किसकी करते हैं? कल की। और कल कभी आएगा नहीं। सारी जिंदगी आज में आपको जीना है। संस्कार यह डालने चाहिए कि आपके अंदर शांति है, उसे खोजो, उसको महसूस करो। अगर शांति-शांति कहने से ही शांति हो जाती तो अब तक तो हो जानी चाहिए थी। अब तक नहीं हुई है, तो कम से कम कुछ तो बदलिए। क्या बदलिए? मुंह को बंद कीजिए और अंतर्मुख होकर हृदय को खोलिए। क्योंकि शांति को पैदा करने की जरूरत नहीं है।

प्राचीन भारत में आर्थिक क्षेत्र में अभिशासन का अनुपालन किया जाता रहा है

- प्रहलाद सबनानी

पिछले कुछ वर्षों से निगमित अभिशासन को विभिन्न बैकों एवं कम्पनियों में लागू करने के भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी इस सम्बंध में विस्तार से दिशा निर्देश जारी किए हैं एवं इन्हें सहकारी क्षेत्र के बैंकों में लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के समाप्त होने के पश्चात अमेरिका में लागू की गई पूंजीवाद की नीतियों के चलते कम्पनियों को अमेरिकी सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापार करने की खुली छूट दी गई थी ताकि अमेरिकी में बिलिनायर नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ाई जा सके ताकि अमेरिका एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में शामिल हो जाय। अमेरिका एवं अन्य देशों में व्यापार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अमेरिका में आर्थिक नियमों में भारी छूट दी गई थी। इस छूट का लाभ उठाते हुए कई अमेरिकी कम्पनियों ने अन्य देशों में भी अपने व्यापार का विस्तार करते हुए अपनी कई कम्पनियां इन देशों में स्थापित की और बाद में उन्हें बहुराष्ट्रीय कम्पनियां कहा गया। अमेरिका में स्थापित कम्पनियां दूसरे देशों में स्थापित अपनी सहायक कम्पनियों की अमेरिका में बैठकर देखभाल तो कर नहीं सकती थी अतः उन्होंने अन्य देशों में स्थापित कम्पनियों के बोर्ड में अपने प्रतिनिधि, निदेशक के तौर पर भर्ती किए। इस बोर्ड को चलाने के साथ ही इन देशों में इन कम्पनियों द्वारा व्यापार को विस्तार देने के उद्देश्य से इस सम्बंध में नियमों की रचना की गई, जिन्हें बाद में निगमित अभिशासन का नाम दिया गया। वर्ष 1970 के आसपास अमेरिका में एवं अन्य यूरोपीयन देशों में निगमित अभिशासन के सम्बंध में बहुत शोध कार्य सम्पन्न हुआ एवं निगमित अभिशासन के कई मॉडल एवं सिद्धांत विकसित हुए, जिन्हें भारत में भी लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि भारत में तो प्राचीन काल से ही आर्थिक क्षेत्र में अभिशासन सम्बंधी नियमों का अनुपालन किया जाता रहा है। सनातन संस्कृति में कर्म एवं अर्थ को धर्म से जोड़ा गया है। अतः प्राचीन भारत में धर्म का पालन करते हुए ही आर्थिक गतिविधियां सम्पन्न होती रही हैं। इस प्रकार, आर्थिक क्षेत्र में अभिशासन तो व्यापार में उपयोग होता ही रहा है। ब्रिटिश मूल के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एवं इतिहासकार श्री एंगस मेडिसिन द्वारा सम्पन्न किए के शोध के अनुसार एक ईसवी पूर्व से 1750 ईसवी तक वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत से 48 प्रतिशत के बीच रही है और भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इतने बड़े स्तर पर होने वाले व्यापार में अभिशासन की नीतियों का अनुपालन तो निश्चित रूप से होता ही होगा। परंतु, पश्चिमी देश निगमित अभिशासन को एक नई खोज बता रहे हैं। प्राचीन काल में भारत में आर्थिक क्षेत्र में अभिशासन के अनुपालन का स्तर बहुत उच्च था। एक घटना के माध्यम से इसे सिद्ध भी किया जा सकता है। एक किसान ने एक अन्य किसान से जमीन के टुकड़ा खरीदा। उस किसान ने जब जमीन में खुदाई शुरू की तो उसे खुदाई के दौरान उस जमीन में सोने के सिक्कों से भरा एक घड़ा मिला। इस घड़े को लेकर वह किसान जमीन के विक्रेता किसान के पास पहुंचा और बोला आपसे जो जमीन का टुकड़ा मैंने खरीदा था उसमें सोने के सिक्कों से भरा यह घड़ा मिला है, मैंने तो चूंकि आपसे केवल जमीन खरीदी है अतः इस घड़े पर आपका अधिकार है। विक्रेता किसान ने उस घड़े को लेने से इसलिए इंकार कर दिया कि क्योंकि अब तो वह जमीन मैं आपको बेच चुका हूं अतः अब जो भी वस्तु अथवा पदार्थ इस जमीन से प्राप्त होता है उस पर जमीन के क्रेता अर्थात केवल आपका अधिकार है। दोनों किसानों के बीच जब किसी प्रकार की सुलह नहीं हो सकी तो वे दोनों किसान राजा के महल में अपनी समस्या का हल ढूंढने के लिए पहुंचे। जब वहां भी इस समस्या का हल नहीं निकल सका तो दोनों किसानों ने राजा से प्रार्थना की कि सोने के सिक्कों से भरे इस घड़े को राज्य के खजाने में जमा कर दिया जाय। राजा ने भी उस घड़े को राज्य के खजाने में जमा करने से इंकार कर दिया क्योंकि राज्य के खजाने में तो अभिशासन सम्बंधी नियमों के अनुपालन के अनुसार ही प्राप्त धन को जमा किया जा सकता है और अभिशासन सम्बंधी नियमों में इस प्रकार से प्राप्त धन को खजाने में जमा करने का वर्णन ही नहीं है। इस उच्च स्तर की अभिशासन प्रणाली प्राचीन भारत में लागू थी। अभिशासन को परिभाषित करते हुए कहा जाता है कि यह एक तरीका है, जिसके अनुसार संस्थानों को अभिशासित किया जाता है। यह नियमों, व्यवहारों एवं प्रक्रियाओं की एक प्रणाली है जिसके अनुसार एक व्यवसाय को चलाया, विनियमित एवं नियंत्रित किया जाता है। इसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि निर्णय प्रक्रिया स्वच्छ (निष्पक्ष) एवं नैतिक है। इसके माध्यम से यह जानने, संतुलित करने एवं संरक्षित करने का प्रयास किया जाता है कि लम्बी अवधि के लिए हितधारकों के हित सुरक्षित रहें। हितधारकों में शामिल हैं - बैंक के संदर्भ में जमाकर्ता, एवं अन्य कम्पनियों के संदर्भ में ग्राहक, शेयरधारक, कर्मचारी, प्रबंधन, सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक, आदि। निगमित अभिशासन सम्बंधी नियमों के अनुपालन की जिम्मेदारी बोर्ड के सदस्यों की मानी जाती है। अच्छे निगमित अभिशासन के गुणों के सम्बंध में कहा जाता है कि बोर्ड द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों में निष्पक्षिता एवं पारदर्शिता होनी चाहिए। संस्था में प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही एवं जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। बोर्ड के सदस्यों के चुनाव में पारदर्शिता हो एवं बोर्ड के सदस्य पेशेवर होने चाहिए। यदि बैंक के बोर्ड की बात की जाय तो बोर्ड के सदस्य जमाकर्ता के ट्रस्टी के रूप में कार्य करें। ऋण प्रदान करने में पारदर्शिता होनी चाहिए एवं मेरिट आधारित निर्णय होने चाहिए। केंद्र सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक एवं प्रधान कार्यालय द्वारा जारी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित होना चाहिए। अंकेक्षण प्रणाली, जागरूकता प्रणाली (विजिलन्स सिस्टम), धोखाधड़ी का पता लगाने का तंत्र (फ्राड डिटेक्शन मेकनिजम) मजबूत होना चाहिए।

पहाड़, अब सौंदर्य नहीं विनाश के प्रतीक

-तनवीर जाफरी

गर्मियों से परेशान होकर प्रायः लोग पहाड़ों का रुख करते हैं। पहाड़ों पर जहां कम तापमान के चलते पर्यटकों को गर्मी से निजात मिलती है तथा शरीर व मस्तिष्क को सुकून मिलता है वहीं हमेशा से ही पहाड़ों का प्राकृतिक सौन्दर्य, ऊँची ऊँची गगन चुम्बी चोटियां, हिमाच्छादित पर्वत श्रृंखलाएं, ग्लेशियर्स, पहाड़ों के लगभग हर मोड़ पर बहने वाले झरने, हरे भरे जंगल, ऑक्सीजन से परिपूर्ण ताजी आबो-हवा, गर्मी में भी सर्दी का एहसास दिलाने वाला वातावरण भी पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है। परन्तु अब पहाड़ों की हकीकत बदलने लगी है। हिमाचल प्रदेश की शिमला जैसी प्राकृतक सौंदर्यों से भरपूर ठंडी व खूबसूरत राजधानी भी अब जनसँख्या, पर्यटकों व वाहनों के बढ़ते बोझ के कारण गर्मी का एहसास दिलाने लगी है। पिछले दिनों भीषण गर्मी से निजात पाने के लिये पर्वतीय सीमा क्षेत्र सांगला की लगभग 400 किलोमीटर की यात्रा की। इस यात्रा के दौरान पहाड़ों की जो स्थिति देखी वह अत्यंत दुखदायी थी। ग्लोबल वार्मिंग के कारण हिमाच्छादित पर्वत श्रृंखलाएं अब हिम रहित हो चुकी हैं। जिन पर्वत श्रृंखलाओं पर करोड़ों वर्षों से बर्फ की मोटी चादर ढकी हुई थी वे अब अपना हिमावरण उतार चुकी हैं और पत्थरों के पहाड़ साफ नजर आ रहे हैं। हिम रहित पर्वत श्रृंखलाओं के चलते ग्लेशियर भी लगभग समाप्त हो गए हैं। इसकी वजह से हिमाचल प्रदेश में लगभग पूरे वर्ष कल कल कर बहने वाले शीतल जल के झरने अब सूख चुके हैं। लगभग चार दशकों से पर्वतीय अंचलों की यात्रा के दौरान विभिन्न पर्वतीय राज्यों में मैं ने देखा है कि जिस जगह झरने /चश्मे प्रवाहित होते थे वहां पर्यटकों की अच्छी खासी भीड़ जमा हो जाती थी। कोई नहाता था कोई अपनी गाड़ियां धोता था ,कोई शीतल जल पीकर सुकून हासिल करता था। लोग फोटो खींच कर अपनी पर्वतीय यात्रा के यादगार लम्हों को कैमरों में कैद कटे थे। कुछ स्थानीय लोग मक्के की छल्लियाँ या ऋतु के अनुसार कोई स्थानीय फल आदि बेचकर अपना जीविकोपार्जन किया करते थे। परन्तु अब तो यह बातें गोया कहानी किस्से बन चुकी हैं। पहाड़ शुष्क हो रहे हैं। पहाड़ों पर गर्मी बढ़ती जा रही है। शुष्क पर्वतों में भूस्खलन तेजी से हो रहा है। उस पर सोने पर सुहागा यह कि विकास के नाम पर सड़कों का चौड़ीकरण करने के लिये पर्वतों को काटा जा रहा है जिससे करोड़ों पेड़ धराशायी हो रहे हैं। पहाड़ों पर तेज धार से बहने वाली सतलुज,बसपा व स्पीति जैसी अनेक नदियां अब गोया नदी के बजाये नालों की शक्ल ले चुकी हैं। विद्युत उत्पादन के चलते जगह जगह इन नदियों की धार को रोककर जल विद्युत उत्पादन संयंत्र भी लगाए गए हैं। उधर पर्यटकों की संख्या भी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इसकी वजह से वाहनों का तांता लगा रहता है। पर्वतीय क्षेत्रों में प्रदूषण बढ़ने का यह भी एक अहम कारण है। जाहिर है इस विश्वस्तरीय आपदा का जिम्मेदार और कोई नहीं बल्कि स्वयं मानव है जिसके चलते स्वर्ग रुपी सुन्दर पृथ्वी दिन प्रतिदिन नर्क बनती जा रही है। लिहाजा यह कहना गलत नहीं होगा कि चित्त को चैन व आँखों को सुकून देने वाले पहाड़ अब सौंदर्य नहीं बल्कि विनाश के प्रतीक बनते जा रहे हैं।

आज का राशिफल

- **मेष** — आज का दिन थकान और परेशानी वाला रहेगा। आज आप किसी वजह से तनाव में रहेंगे।
- **वृषभ** — आज आपके धन में वृद्धि होगी। आपको लाभ होगा और आपके लिए लाभ के योग बन रहे हैं।
- **मिथुन** — आज लाभ होगा। करियर में कुछ बड़ा बदलाव करने के बारे में सोच सकते हैं।
- **कर्क** — आज का दिन सफलता से भरा होगा और आज आप नए प्रॉजेक्ट की तरफ ध्यान दें।
- **सिंह** — अगर सैर सपाटे की योजना बन रही है तो यात्रा आदि के लिए कुछ तैयारी करनी होगी।
- **कन्या** — व्यवस्था करना या फिर जरूरी वस्तु की खरीद या फिर कहीं अटका हुआ पैसा निकालना।
- **तुला** — आज आपके धन में वृद्धि के योग हैं। आज आपको तीर्थयात्रा आदि का कार्यक्रम बन सकता है।
- **वृश्चिक** — दिन किसी प्रकार का सुधार करने में बीतेगा। कुछ बदलाव करने के बारे में सोच सकते हैं।
- **धनु** — आज करियर के मामले में आज कोई भी फैसला काफी सोचकर लेने की जरूरत है।
- **मकर** — आज करियर के मामले में लाभ और आज आप जिन मामलों में अपना दिमाग लगाएंगे।
- **कुंभ** — आज आपके कार्यक्षेत्र के वातावरण में सुधार होगा। कठोर प्रकृति का व्यक्ति नजरों से दूर रहेगा।
- **मीन** — विपरीत हालात में मन को व्यथा होगी। जीवनसाथी का भरोसा जीतना जरूरी होगा।

विशेष

संसद इस बार बनेगी रणभूमि, सूई के बराबर भी स्थान नहीं देगी भाजपा

2024 लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद जिस तरह की स्थिति बनी है। उसके बाद यह कहा जा सकता है ।राजनीति के धर्म और अधर्म की की लड़ाई अब संसद के अंदर होगी। डू और डाई की तरह पक्ष और विपक्ष अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए, ऐसा कोई मौका नहीं छोड़ेंगे। जो उनके अस्तित्व को समाप्त कर दे। इस बार भाजपा के पास स्पष्ट बहुमत नहीं है। भाजपा के आक्रामक तेवर कहीं से भी विपक्ष को साथ लेकर चलने के नहीं है। जिस तरह से महाभारत के युद्ध में कौरवों ने भगवान कृष्ण के कहने पर भी पांच गांव पांडवों को नहीं दिए ।महाभारत का युद्ध लड़ा, उसमे कौरव वंश समूल नष्ट हो गया।

संविधान बनाम आपातकाल

विपक्ष ने संविधान को आधार बनाकर सरकार से संसद और सड़क पर लड़ाई लड़ने की रणनीति तैयार की है। वहीं सरकार ने आपातकाल को आधार बनाकर संविधान के मामले में राहुल गांधी, कांग्रेस और विपक्ष को घेरने की तैयारी की है। सरकार ने इस काम में लोकसभा के अध्यक्ष और राष्ट्रपति को भी लगा दिया है ।45 साल पहले जनता ने इंदिरा गांधी को आपातकाल की सजा दे दी थी। ढाई वर्ष के बाद 1980 में 1971 से ज्यादा सीटें देकर इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बना दिया था। उसके बाद कई बार कांग्रेस की सरकार केंद्र में बन चुकी है। 50 साल पुराने आपातकाल के मुर्दे से भाजपा और सरकार को क्या हासिल होगा। यह सरकार को सोचना होगा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1799ः मैसूर के कृष्ण राजा वड़ेयार गद्दी पर बैठे. 1855ः संथालों का अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह हुआ. 1956ः युनाइटेड जीसी-7 जेट व डब्ल्यू -ए सुपर कॉस्टीलेशन विमान ग्रैंड केन्यॉन,अरीजोना में टकराकर नष्ट, 428 लोगों की मृत्यु, 1960ः कांगो गणराज्य बना. 1974ः सोवियत संघ का अंतरिक्षयान धरती पर उतरा तो उसमें तीनों अंतरिक्ष यात्री मृत पाए गए. 1974ः दादा भाई नौरोजी का निधन हुआ. 1976ः अमरीकी अंतरिक्षयान से प्राप्त चित्रों से मंगल ग्रह पर पानी होने की जानकारी मिली. 1989ः अंगोला सरकार ने यूनिटा विद्रोहियों पर युद्ध विराम के उल्लंघन का आरोप लगाया. 1990ः सोवियत संघ ने लिथुआनिया को तेल टैंकर रवाना किए,जब वहाँ की संसद ने स्वतंत्रता की घोषणा पर रोक लगा दी.

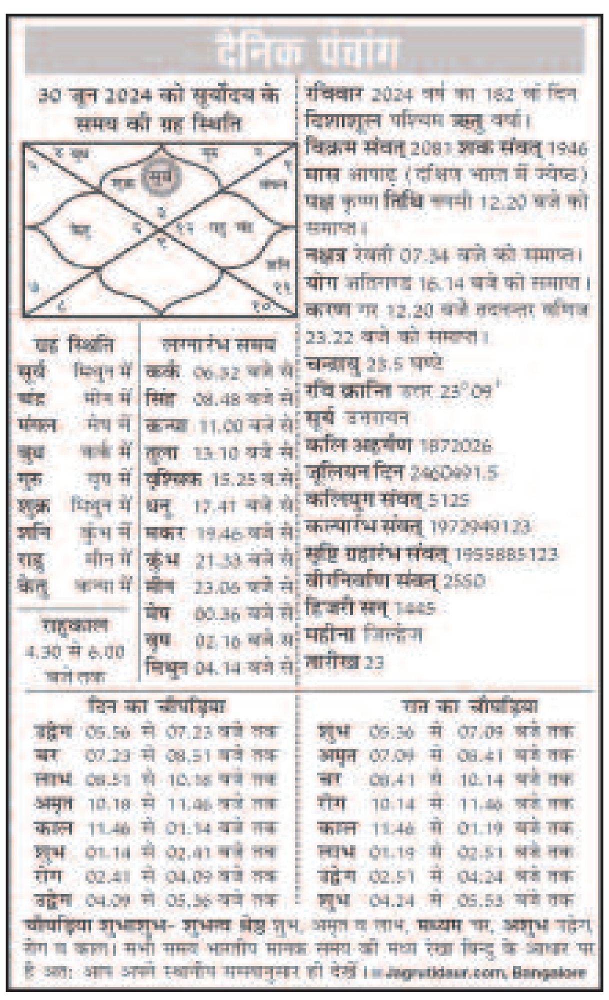
दैनिक पंचांग

30 जून 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2024 वर्ष का 182 वां दिन
विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946
नक्षत्र रेवती 07.34 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 23.5 घण्टे
कलि अहर्गण 1872026
जूलियन दिन 2460491.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
तारीख 23

दिन का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से	07.23 बजे तक
चर	07.23	से	08.51 बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18 बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46 बजे तक
काल	11.46	से	01.14 बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41 बजे तक
रोग	02.41	से	04.09 बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36 बजे तक

रात का चौघड़िया			
शुभ	05.36	से	07.09 बजे तक
अमृत	07.09	से	08.41 बजे तक
चर	08.41	से	10.14 बजे तक
रोग	10.14	से	11.46 बजे तक
काल	11.46	से	01.19 बजे तक
लाभ	01.19	से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.51	से	04.24 बजे तक
शुभ	04.24	से	05.53 बजे तक

रोमांचक करियर चुनना चाहते हैं, तो चुने फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट का क्षेत्र

गर्मियों में आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। इसके अलावा, मानवीय भूलों से भी ऐसी घटनाएं बड़े हादसे के रूप में सामने आती हैं। ऐसी घटनाओं से होने वाली क्षति को कम करने और राहत पहुंचाने में फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट के एक्सपर्ट काफी मददगार होते हैं। अगर आप सोशल सर्विस से जुड़े किसी रोमांचक करियर को चुनना चाहते हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए बेहतर हो सकता है।

फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट में ट्रेंड मैनपावर की मांग न सिर्फ सरकारी विभागों में, बल्कि निजी क्षेत्र में भी बढ़ रही है। गर्मियों में आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। इसके अलावा, मानवीय भूलों से भी ऐसी घटनाएं बड़े हादसे के रूप में सामने आती हैं। ऐसी घटनाओं से होने वाली क्षति को कम करने और राहत पहुंचाने में फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट के एक्सपर्ट काफी मददगार होते हैं। अगर आप सोशल सर्विस से जुड़े किसी रोमांचक करियर को चुनना चाहते हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए बेहतर हो सकता है। फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट में ट्रेंड मैनपावर की मांग न सिर्फ सरकारी विभागों में, बल्कि निजी क्षेत्र में भी बढ़ रही है।

जरूरत मैनपावर की

देश भर में फायर सर्विसेज में मैनपावर की करीब 92 प्रतिशत कमी है। नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स एंड सिविल डिफेंस (एनडीआरएफ एंड सीडी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में सबसे ज्यादा करीब 96.28 प्रतिशत फायरमैन की शॉर्टेज है। शहरों की फायर सर्विसेज में भी करीब 78 प्रतिशत मैनपावर की कमी है। फायर स्टेशंस की भी कमी करीब 72 प्रतिशत तक है। खुद केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, देश में आबादी के लिहाज से करीब 8,500 फायर स्टेशंस चाहिए, जबकि इनकी संख्या अभी सिर्फ 2,900 के आसपास है। यही कारण है कि आने वाले वर्षों में सिर्फ प्राइवेट ही नहीं, सरकारी फायर विभागों में भी जॉब के ढेर सारे अवसर पैदा होंगे।

जॉब के अवसर

फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट के जानकारों की जरूरत सिर्फ देश में ही नहीं, विदेश में भी बहुत है, खास तौर पर तेल उत्पादक खाड़ी देशों में। गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी के डॉ अमन अग्रवाल के अनुसार, फायर एंड सेफ्टी के प्रोफेशनल्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनीज, हैवी इंजीनियरिंग इंडस्ट्री, रिफाइनरीज, पेट्रोकेमिकल्स कंपनीज, प्लास्टिक कंपनीज, फर्टिलाइजर फैक्टरीज, टेक्सटाइल मिल्स, एलपीजी/ एलएनजी बॉटलिंग प्लांट्स, एयरपोर्ट्स, पोर्ट्स, पावर प्लांट्स, केमिकल कंपनीज, कंस्ट्रक्शन सेक्टर जैसे क्षेत्रों में जॉब पा सकते हैं। ट्रेंड युवा सेफ्टी इंजीनियर, सेफ्टी ऑफिसर, सेफ्टी सुपरवाइजर, सेफ्टी इंस्पेक्टर, सेफ्टी ऑडिटर, फायर प्रोटेक्शन डिजाइन इंजीनियर, फायर प्रोटेक्शन एस्टीमेशन इंजीनियर, फायर अलार्म टेक्निशियन जैसे पदों पर करियर बना सकते हैं। फायर स्टेशंस में आप फायरमैन, स्टेशन ऑफिसर या चीफ फायर ऑफिसर आदि बन सकते हैं।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

दिल्ली कॉलेज ऑफ फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग के डायरेक्टर जेड एस लाकरा के अनुसार, देश के कई संस्थानों में फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट से जुड़े डिग्री, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्सेज संचालित हो रहे हैं। 10वीं पास युवा सर्टिफिकेट कोर्स के जरिए इस फील्ड में प्रवेश कर सकते हैं। अगर आप किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास हैं, तो अंडरग्रेजुएट या डिप्लोमा कोर्स करके फायर ऑफिसर बन सकते हैं। आजकल तमाम संस्थान फायर इंजीनियरिंग में भी कोर्स ऑफर कर रहे हैं।

खुद का व्यवसाय भी

फायर सर्विस, दिल्ली के डायरेक्टर डॉ जीसी मिश्रा बताते हैं, अभी तक लोग सिर्फ नागपुर फायर सेफ्टी इंस्टीट्यूट से ही पढ़ाई करके इस फील्ड में आते रहे हैं मगर अब अन्य स्थानों पर भी प्रशिक्षण की सुविधा है। चुनौतियों को पसंद करने वाले युवा फायर सर्विसेज से जुड़ सकते हैं। सरकारी व निजी दोनों क्षेत्रों में अवसर हैं। बिल्डिंग फायर मटेरियल इंस्टॉलेशन, फायर सेफ्टी ऑडिटर के रूप में खुद का व्यवसाय भी कर सकते हैं।

भारतीय नौसेना में कैसे बनाएं करियर?

नौसेना भारतीय सशस्त्र बलों की समुद्री शाखा है, जो समुद्र की सुरक्षा पर केंद्रित है। अगर आप एक एडवेंचर से भरी लाइफ जीना चाहते हैं और देश की सेवा करना चाहते हैं, तो भारतीय नौसेना में भर्ती हो जाइए। इस आर्टिकल में हमनें नौसेना में भर्ती होने के कई विकल्पों के बारे में जानकारी दी है।

भारतीय नौसेना देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करती है। इसके साथ ही यह अन्य देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय संबंध बनाने का भी काम करती है। यह एक सुरक्षित समुद्री वातावरण बनाने के लिए शिक्षा, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल, चिकित्सा जैसे कई डोमेन में कैरियर के विभिन्न अवसर प्रदान करती है। यदि आप भी नौसेना में नौकरी पाना चाहते हैं, तो आपके पास बहुत सारे अवसर हैं। आप अपनी शिक्षा और इंटरेस्ट के हिसाब से इनमें से एक चुन सकते हैं। इस आर्टिकल में, हम आपको कुछ ऑप्शन के बारे में बता रहे हैं।

भारतीय नौसेना अग्निवीर

अग्निवीर के रूप में आप एक हाई-टेक ऑर्गेनाइजेशन का हिस्सा बनेंगे। आपको एयरक्राफ्ट कैरियर, गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर, फ्रिगेट्स और अत्यधिक तकनीकी और आकर्षक पनडुब्बियों और विमानों जैसे शक्तिशाली, आधुनिक जहाजों में सेवा करने को मिलेगा। अग्निवीर उम्मीदवारों की आयु साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष के बीच होनी चाहिए। नौसेना में अग्निवीर बनने के लिए आपको गणित और फिजिक्स के साथ 12वीं में कम से कम 50% मार्क्स के साथ पास होना चाहिए। इसके लिए 12वीं का एग्जाम दे रहे अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकेंगे।

नेशनल डिफेंस एकेडमी परीक्षा

इस भर्ती को UPSC के साथ मिलकर आयोजित किया जाता है। उम्मीदवारों की आयु 16.5 से 19.5 वर्ष के बीच होनी चाहिए। उम्मीदवारों ने किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 12वीं की शिक्षा पूरी की हो। इसमें UPSC द्वारा एक लिखित परीक्षा का आयोजन होता है। उसमें पास होने वाले छात्र आगे इंटरव्यू के लिए जाते हैं। इसके बाद भारतीय नौसेना द्वारा एक मेडिकल परीक्षण करने के बाद UPSC एक अंतिम मेरिट लिस्ट बनाती है। NDA नौसेना के लिए IHQ MoD (सेना)/ADG (भर्ती) नियुक्ति करती है और नौसेना अकादमी के लिए IHQ MoD/DMPR द्वारा नियुक्ति की जाती है।

कंबाइंड डिफेंस सर्विस एग्जामिनेशन

कंबाइंड डिफेंस सर्विस एग्जामिनेशन (CDS) परीक्षा भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के अधिकारियों की भर्ती के लिए यूनियन पब्लिक सर्विस कमिशन द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर की रक्षा प्रवेश परीक्षा है। इसमें अप्लाई करने के लिए आपकी उम्र 20-24 साल होनी चाहिए। उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग की डिग्री होनी चाहिए। CDS में एक लिखित परीक्षा होती है जिसका आयोजन UPSC करता है। उसके बाद स्स्क्रइंटरव्यू होता है। भारतीय नौसेना (केवल नौसेना उम्मीदवारों के लिए) द्वारा मेडिकल परीक्षण किया जाता है। इसके बाद CDS एक अंतिम मेरिट लिस्ट बनाती है और सिलेक्ट हुए उम्मीदवारों को नौसेना में शामिल किया जाता है।

NCC एंट्री

CDSE विज्ञापन के साथ ही नेवल विंग सीनियर डिवीजन में NCC 'C' सर्टिफिकेट धारकों के लिए जॉब्स निकलती हैं। NCC सर्टिफिकेट के साथ उम्मीदवारों के पास बी.ई./बी.टेक की डिग्री होनी चाहिए। इसके लिए कोई लिखित परीक्षा आयोजित नहीं की जाती है। पात्र उम्मीदवारों को अपना आवेदन डीजीएनसीसी के माध्यम से सीधे IHQ MoD (N)/DMPR को भेजना होता है। इसके बाद उम्मीदवारों को इंटरव्यू पास करना होता है। स्स्क्रमें सफल हुए उम्मीदवार मेडिकल टेस्ट देते हैं। फिट पाए जाने पर ऑल इंडिया मेरिट के आधार पर भारतीय नौसेना में शामिल होते हैं।

अंडरग्रेजुएट लेवल एंट्री के लिए परमानेंट कमीशन, डायरेक्ट एंट्री, 10+2 (बी.टेक)

अंडरग्रेजुएट लेवल एंट्री के लिए परमानेंट कमीशन, डायरेक्ट एंट्री, 10+2 (बी.टेक) इसमें PCM में 70% मार्क्स के साथ 12वीं पास करने वाले छात्र अप्लाई कर सकते हैं। इसके साथ ही 10वीं या 12वीं कक्षा में उनके अंग्रेजी में 50% मार्क्स आए हों। 10+2 (बी.टेक) में प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए जेईई (मेन्स) की रैंक भी अनिवार्य है। उम्मीदवारों को ऑल इंडिया रैंक के आधार पर स्स्क्रके लिए शॉर्टलिस्ट किया जाता है। स्स्क्र के बाद योग्य उम्मीदवारों की मेरिट लिस्ट तैयार की जाती है। लिस्ट में उनके नंबर के आधार पर योग्यता के क्रम में उम्मीदवारों को नियुक्त किया जाता है।

इंडियन नेवी एंट्रेंस टेस्ट /नॉर्मलाइजेशन

इंडियन नेवी एंट्रेंस टेस्ट (INET) IHQ MoD (नौसेना)/DMPR के अंतर्गत होने वाली एक ऑफिसर एंट्री है। यह परमानेंट कमिशन और शॉर्ट सर्विस कमीशन दोनों के लिए होती है। INET का आयोजन एक वर्ष में दो बार होता है। INET (ऑफिसर) एक कंप्यूटर आधारित लिखित परीक्षा है। इसमें चार खंड होते हैं और उम्मीदवार को सभी चार खंडों में मिनिमम 40% अंक लाने होते हैं। INET रैंक कम प्रेफरेंस के आधार पर उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया जाता है। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवार इंटरव्यू में भाग लेते हैं। INET (50% वेटेज) और SSB (50% वेटेज) दोनों के मार्क्स के आधार पर मेरिट सूची बनाई जाती है और वे नौसेना में शामिल होते हैं।

असफलता के बाद इस तरह बना सकते हैं राहें आसान

इन दिनों नकारात्मक वजहों से बनने वाली ये सुर्खियां विद्यार्थियों से लेकर अभिभावकों और शिक्षकों हर किसी को गंभीर चिंतन के लिए विवश कर रही हैं। विद्यार्थी जिस तरह पढ़ाई और परिणाम में बेहतर प्रदर्शन न कर पाने के कारण आत्महत्या कर रहे हैं, वह हर किसी को मर्माहत करने वाला है। इस तरह की घटनाओं के पीछे कई सवाल हैं, जिनका समाधान खोजना बेहद जरूरी लगता है। आखिर क्या कारण है कि इंजीनियर या डॉक्टर बनने की तैयारी में लगे ये विद्यार्थी अचानक आत्मघाती कदम उठा बैठते हैं? क्यों वे असमय ही अपने सुनहरे सपनों का गला घोंट देते हैं?

सपने पूरे करने का दबाव

ऐसी घटनाओं के पीछे जो सबसे बड़ा कारण नजर आता है, वह है माता-पिता की अपनी संतान से अव्यवहारिक अपेक्षाएं। दरअसल, बच्चे के बड़े होने के साथ-साथ पैरेंट्स के सपने भी पलने और बड़े होने लगते हैं। कई बार माता-पिता के अपने सपने अधूरे होते हैं, जिन्हें वे अपनी संतान के जरिए पूरा करने की कोशिश करते हैं। इसके अलावा, वे अपने मित्रों, रिश्तेदारों, पास-पड़ोस, शहर या गांव के सफल लोगों से भी प्रभावित होकर अपनी संतान को उनके जैसा बनाना चाहते हैं। विद्यार्थियों का इंजीनियरिंग या मेडिकल की पढ़ाई की ओर भागना भी इसी बात का सूचक है। ज्यादातर माता-पिता को यही लगता है कि इंजीनियर या डॉक्टर बनकर ही उनका बच्चा सफल करियर की ओर कदम बढ़ा सकता है। इस सपने को पूरा करने के लिए वे अपने बच्चे की रुचि/ पसंद को अनदेखा कर देते हैं और उस पर दबाव डालते हैं कि वह उनकी पसंद के अनुसार ही करियर की राह पर चले।इससे विद्यार्थियों पर दबाव बढ़ जाता है।

उत्साह में कमी तो नहीं

हो सकता है कि आप इंजीनियरिंग या मेडिकल के लिए बिल्कुल फिट हों और उसमें आपका मन भी लग रहा हो लेकिन अगर ऐसा नहीं है, तो आप अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। अगर आपने अपनी इच्छानुसार भी कोई फील्ड चुन ली है और उसमें एडमिशन ले लिया है मगर आप खुद को अनमना महसूस कर रहे हैं, किसी काम को ठीक से नहीं कर पा रहे हैं या अपने में उत्साह की कमी पा रहे हैं, तो इसका मतलब यह है कि आप जिस राह पर चल रहे हैं, उसमें आपको कोई परेशानी है। ऐसे में आपको बेहिचक अपने माता-पिता से बात कर लेनी चाहिए।

खुली हैं तरक्की की राहें

आज के समय में सिर्फ इंजीनियर या डॉक्टर बनना ही कामयाबी नहीं है। अब दर्जनों ऐसे क्षेत्र सामने आ गए हैं, जिनमें पहचान, पैसा और प्रसिद्धि पाई जा सकती है। यह बात विद्यार्थियों को समझनी भी होगी और अपने अभिभावकों को समझानी भी होगी। विद्यार्थी अगर अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़े, तो ही उसका भविष्य सुखद बन सकता है।

पैरेंट्स को करें राजी

आपमें से बहुत-से विद्यार्थियों ने इस साल 12वीं की परीक्षा दी होगी। अगर आप अपनी पसंद को समझते हैं, तो अपनी पसंद से अपने माता-पिता को अवगत कराएं। उन्हें कनविंस करें। हो सकता है कि पैरेंट्स आपको कम समझदार या परिपक्व समझकर आपकी बातों को तवज्जो न दें, लेकिन अगर आपको अच्छी तरह पता है कि आप किस फील्ड में जोरदार प्रदर्शन कर सकेंगे, तो इस बारे में डांट या नाराजगी की परवाह किए बिना पैरेंट्स के सामने अपनी बात रखने का प्रयास करें।

पीजीडीएम इन फाइनेंस क्यों है आपके लिए सही विकल्प?

प्रबंधन और कंसल्टेंसी के पारंपरिक फील्ड्स से बाहर निकलने की इच्छा रखने वाले कई छात्रों के लिए पीजीडीएम या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (फाइनेंस) एक महत्वपूर्ण विकल्प हो सकता है। दुनियां दिन प्रतिदिन तरक्की कर रही है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं आपस में ज्यादा जुड़ती जा रही हैं। इसलिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित वित्तीय सलाहकारों और प्रोफेशनल्स की मांग लगातार बढ़ रही है।

अगर आपकी रुचि वित्तीय प्रबंधन, वित्तीय विश्लेषण या वित्त से जुड़े अन्य फील्ड में है तो आपके लिए पीजीडीएम इन फाइनेंस बेहतर विकल्प हो सकता है। पीजीडीएम कोर्स को फाइनेंस सेक्टर की तमाम फील्ड के हिसाब से तैयार किया गया है।

ऐसे में फाइनेंस क्षेत्र एक फायदेमंद और गतिशील कैरियर हो सकता है।

कई क्षेत्रों में मौके

पीजीडीएम इन फाइनेंस न केवल वित्तीय मुद्दों से निपटने का स्किल देता है, बल्कि छात्रों को विभिन्न इंडस्ट्री के मुद्दों को समझने के लिए जरूरी ज्ञान भी देता है। ऐसे में आपके लिए फाइनेंस पीजीडीएम उपयोगी साबित हो सकता है।

नेटवर्किंग और वैश्विक अवसर

पीजीडीएम इन फाइनेंस छात्रों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर उद्योग के पेशेवरों, अन्य पीजीडीएम फाइनेंस छात्रों, गुरुओं और प्रोफेसरों के साथ सीखने और बातचीत करने का अवसर देता है। विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों, अतिथि व्याख्यानों, कार्यशालाओं और व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से, पीजीडीएम इन फाइनेंस छात्रों को नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करता है। साथ ही पीजीडीएम इन फाइनेंस ग्लोबल स्तर पर भी नौकरी के कई मौके प्रदान करता है।

इंडस्ट्री के अनुसार

पीजीडीएम इन फाइनेंस कार्यक्रम इंडस्ट्री के तौर-तरीकों के अनुसार बनाया गया है। इससे छात्रों को उद्योग के विशेषज्ञों और प्रोफेशनल्स के साथ बातचीत करने का अनूठा अवसर मिलता है, साथ ही उन्हें उद्योग से जुड़ा अत्याधुनिक और नवीनतम ज्ञान भी मिलता है। नवीनतम रुझानों और विकासों का अध्ययन करने से छात्रों को अपने करिया की शुरुआत में ही बढ़त मिलती है। पीजीडीएम इन फाइनेंस उन लोगों के लिए आदर्श है जो पहले से ही वित्तीय क्षेत्र में रुचि रखते हैं और जिनमें इस प्रतिस्पर्धी उद्योग के लिए योग्यता है। फाइनेंस पीजीडीएम वित्तीय बाजारों, विश्लेषण और रणनीतियों के एकीकृत पाठ्यक्रम को एक साथ जोड़ता है।

कैरियर में ग्रोथ

पीजीडीएम इन फाइनेंस आपको स्किल प्रदान करता है और युवा पेशेवरों को अपने कैरियर में आगे बढ़ने के लिए सशक्त बनाता है। वे चाहे कहीं भी अपना डिप्लोमा इस्तेमाल करें, उन्हें आकर्षक कैरियर के रास्ते जरूर मिलेंगे।

कंक्लूजन

पीजीडीएम इन फाइनेंस अपने छात्रों के लिए प्रतिस्पर्धी नौकरी बाजारों में सफल होने और वित्तीय ज्ञान और जानकारी से लैस व्यक्तिगत जीवन में भी सफल होने के द्वार खोलता है। वित्तीय सेक्टर में मदद में रुचि रखने वालों को यह कई अन्य मौके भी प्रदान करता है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप से बहस में पिछड़ने के बाद आलोचकों के निशाने पर बाइडन, ओबामा ने भी माना- नवंबर में बहुत कुछ दांव पर

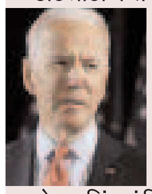

वॉशिंगटन, एजेंसी। गुरुवार को अमेरिका के अटलांटा में राष्ट्रपति चुनाव के लिए डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन के बीच पहली बहस हुई। इस बहस में डोनाल्ड ट्रंप भारी पड़े और जो बाइडन बोलते हुए लड़खड़ाते नजर आए। जिसके बाद बाइडन की बढ़ती उम्र को लेकर चिंताएं फिर से उभर आई हैं और बाइडन के कई आलोचक उनकी उम्मीदवारी पर सवाल उठा रहे हैं। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी माना है कि बाइडन के लिए यह एक बुरी बहस वाली रात थी। हालांकि उन्होंने राष्ट्रपति बाइडन में अभी भी अपना भरोसा जताया और कहा कि नवंबर में बहुत कुछ दांव पर है। बहस के बाद सोशल मीडिया पर जो बाइडन को लेकर काफी मीम्स प्रसारित होने शुरू हो गए। साथ ही ये भी आशंका जताई जाने लगी कि क्या नवंबर के चुनाव में बाइडन, ट्रंप को रोक पाएंगे? इन आशंकाओं और आलोचनाओं के बीच पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, बाइडन के बचाव में उतरे हैं। सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में ओबामा ने लिखा कि बहस की बुरी रात होती हैं, लेकिन मेरा विश्वास कीजिए, मैं जानता हूं कि ये चुनाव अभी भी उन लोगों के बीच है, जिनमें से एक अपने पूरे जीवन में आम लोगों के लिए लड़ता आया है और दूसरे ने हमेशा अपनी फिक्र की है। एक सच बोलता है और जिसे पता है कि सही क्या है। वहीं दूसरा अपने फायदे के लिए झूठ बोलता है। बीती रात से भी कुछ नहीं बदला है और यही वजह है कि नवंबर के चुनाव में बहुत कुछ दांव पर है। अटलांटा की बहस में ट्रंप के सामने कमजोर साबित होने के बाद बाइडन को भी इसका अहसास था। यही वजह है कि बहस के बाद बाइडन ने नॉर्थ कैरोलिना में एक जनसभा को संबोधित किया। इस जनसभा में बाइडन जोश में दिखे और उन्होंने अपने संबोधन के दौरान स्वीकार किया कि वे भी मानते हैं कि अब वे जवान नहीं रहे हैं। पहले की तरह आसानी से चल नहीं पाते और आसानी से बातें नहीं कर पाते। हो सकता है कि पहले की तरह बहस भी न कर पाते हों, लेकिन मुझे पता है कि सच कैसे बताया जाता है।

जिनपिंग को याद आया पंचशील सिद्धांत, कहा- संघर्षों को खत्म करने के लिए अहम है

बीजिंग, एजेंसी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पंचशील सिद्धांतों को याद किया और कहा कि ये वही सिद्धांत हैं, जिनके आधार पर भारत अपनी विदेश नीति और पड़ोसियों के साथ संबंध रखता है। इन्हीं पांच सिद्धांतों की बुनियाद पर गुटनिरपेक्ष आंदोलन का जन्म हुआ। जिनपिंग ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा वैश्विक संघर्षों को समाप्त करने और पश्चिम के साथ वैश्विक दक्षिण के टकराव को खत्म करने में पंचशील की अहम भूमिका है। पंचशील सिद्धांत की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक सम्मेलन में शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए जिनपिंग ने कहा, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों ने समय की मांग को पूरा किया और इसकी शुरुआत एक अपरिहार्य ऐतिहासिक विकास था। अतीत में चीनी नेतृत्व ने पहली बार पांच सिद्धांतों को उनकी संपूर्णता में निर्दिष्ट किया, इनमें संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए सम्मान, परस्पर गैर-आक्रामकता, आंतरिक मामलों में परस्पर गैर-हस्तक्षेप, समानता और पारस्परिक लाभ व शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व शामिल हैं। जिनपिंग ने कहा कि इन सिद्धांतों ने मानव जाति के साझा भविष्य की परिकल्पना करने वाली वैश्विक सुरक्षा पहल की नई अवधारणा दी है। 1960 के दशक में उभरे गुटनिरपेक्ष आंदोलन के लिए ये पांच सिद्धांत मार्गदर्शक साबित हुए और अंतरराष्ट्रीय संबंधों और कानून के शासन के लिए इन्होंने ऐतिहासिक मानदंड स्थापित किए। शी ने कहा कि ये सिद्धांत संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों, हमारे समय के अंतरराष्ट्रीय संबंधों की उभरती प्रवृत्ति और सभी राष्ट्रों के मौलिक हितों के अनुरूप हैं।

न्यूयॉर्क में नेल सैलून में घुसी मिनीवैन, चार लोग मरे

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक मिनीवैन के एक नेल सैलून से टकरा जाने से चार लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एबीसी7 न्यूयॉर्क ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि स्थानीय समय के अनुसार शुक्रवार शाम 4~30 बजे के आसपास मिनीवैन लॉन्ग आइलैंड के डियर पार्क में 796 ग्रैंड बुलेवार्ड पर हवाई नेल एंड स्पा के आर-पार निकल गई। दुर्घटना के कारण का अभी पता नहीं चल सका है। अधिकारियों ने कहा कि मरने वालों में सभी नेल सैलून के अंदर मौजूद लोग थे। डियर पार्क अग्निशमन विभाग के सहायक प्रमुख डोमिनिक अल्बानसे ने बताया कि ड्राइवर को अस्पताल ले जाया गया है और वह आंशिक रूप से होश में है। फंसे हुए लोगों को निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया। हवाई नेल एंड स्पा नामक नेल सैलून डियर पार्क के एक शॉपिंग क्षेत्र में कई दुकानों में से एक है।

यूएन ने अफगानिस्तान में महिलाओं की स्थिति पर जताई चिंता, कहा- दोहा बैठक में लड़कियों को लेने दें भाग

वाशिंगटन, एजेंसी। महिलाओं के विरुद्ध भेदभाव के उन्मूलन पर संयुक्त राष्ट्र समिति (सीईडीएडब्ल्यू) ने अफगानिस्तान के भविष्य पर यूएन के तत्वाधान में आयोजित हो रही बैठक से महिलाओं व लड़कियों को शामिल ना किए जाने पर गहरी चिंता जताई है। अफगानिस्तान के विशेष दूतों की दो-दिवसीय बैठक इस सप्ताहांत कतर की राजधानी दोहा में होगी।

दो दिन होगी बैठक : 30 जून से एक जुलाई तक होने वाली इस बैठक की अध्यक्षता, शांतिनिर्माण एवं राजनैतिक मामलों की प्रमुख और अवर महासचिव रोजमैरी डीकार्लो करेंगी। इस दौरान अफगानिस्तान के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने और अंतरराष्ट्रीय संपर्क व बातचीत को ढांचागत ढंग से आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श होने की उम्मीद है।

तालिबान प्रशासन को किया आमंत्रित : अवर महासचिव रोजमैरी डीकार्लो ने 18-21 मई को अफगानिस्तान की यात्रा के दौरान, सत्तारूढ़ तालिबान प्रशासन को इस बैठक में हिस्सा लेने के लिए महासचिव एंतोनियो गुटेरेश की ओर से आमंत्रित किया था।

अफगान महिलाएं अपने हक के लिए लड़ रहीं : यूएन समिति सीईडीएडब्ल्यू ने दुख जताया है कि अफगान महिलाएं फिलहाल दुनिया में अपने अधिकारों के लिए सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण संकट का सामना कर रही हैं। इसके मद्देनजर, उन्होंने इस बैठक में महिलाओं को सक्रिय व प्रत्यक्ष रूप से शामिल किए जाने का आग्रह किया है। समिति के सदस्यों ने शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में स्पष्ट किया है कि उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने में विफल रहने से अफगान महिलाओं व लड़कियों की चुप्पी और बढ़ेगी, जबकि उनके अधिकारों का पहले ही गंभीर रूप से हनन हो रहा है।

महिलाओं की स्थिति बद से बदतर : समिति ने अफगानिस्तान में महिलाओं व लड़कियों के लिए बद से बदतर होती स्थिति पर बार-बार चिंता जताई है, जिससे मौजूदा और भावी पीढ़ियों को ऐसा बड़ा नुकसान पहुंच रहा है, जिसकी भरपाई कर पाना मुश्किल होगा। समिति के अनुसार शिक्षा व रोजगार के अवसरों को नकारा जाने और आवाजाही व सार्वजनिक स्थलों पर उपस्थिति पर पाबंदियां थोपे जाने से, महिलाओं का सार्वजनिक जीवन से दूर रखे जाने की प्रवृत्ति गहराई तक रच-बस रही है। अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता पर तालेबान की वापसी के बाद देश में महिलाओं व लड़कियों के मानवाधिकारों पर गहरा संकट उपजा है।

सशक्तिकरण पर चोट : सत्तारूढ़ तालेबान प्रशासन ने हाल ही में महिला सरकारी कर्मचारियों के वेतन में कटौती करने का निर्णय लिया था, जोकि पहले ही रोजगार से दूर हैं, भले ही उनकी योग्यता व अनुभव कुछ भी हो। यूएन समिति ने कहा कि यह उनके शक्तिहीन बनाने का सुनियोजित व हानिकारक कृत्य है। वहीं, समिति के अन्य सदस्यों ने कहा कि महिला मानवाधिकार कार्यकर्ताओं समेत अफगान नागरिक समाज को दोहा चर्चा में शामिल करने में विफल रहने से महिलाओं व लड़कियों के अधिकारों पर कारगर ढंग से विचार-विमर्श नहीं हो पाएगा।

जर्मन कंपनियों ने कहा- भारत में विकास की बहुत संभावनाएं, वे हिस्सेदार बनने को उत्सुक

बर्लिन , एजेंसी। अधिकतर जर्मन कंपनियों का मानना है कि भारत में विकास की बहुत संभावनाएं हैं और वे इस विकास की हिस्सेदार बनने को उत्सुक हैं, लेकिन 2023 में हालात कुछ अगल दिखाई दे रहे हैं। वहीं, अब अधिक जर्मन कंपनियों ने 2023 की तुलना में इस वर्ष देश में व्यापार करने में एक समस्या के रूप में भारत में नौकरशाही बाधाओं का हवाला दिया है। ये एक ऐसा मुद्दा जो इस वर्ष के अंत में चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ के नई दिल्ली दौरे पर बातचीत में शामिल होने की संभावना है। इंडो-जर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 64त्न जर्मन व्यवसायों ने नौकरशाही बाधाओं - जैसे संरक्षणवादी उपायों और खरीद नियमों को देश में परिचालन में सबसे बड़ी कमी के रूप में सूचीबद्ध किया, जो पिछले साल 53त्न से अधिक है। रिपोर्ट से पता चलता है कि भ्रष्टाचार दूसरी सबसे बड़ी समस्या थी, जिसका हवाला 39त्न व्यवसायों ने दिया, जो पिछले साल 47त्न से कम है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, लगभग 2,000 जर्मन कंपनियाँ भारत में काम करती हैं, जिनमें लगभग 750,000 स्थानीय लोग कार्यरत हैं। एक सर्वे में शामिल कंपनियों ने बताया कि भारत में कुछ खास गुण हैं, जो उन्हें आकर्षित करते हैं। इन गुणों में सस्ता श्रम, राजनीतिक स्थिरता और कुशल कामगारों की उपलब्धता जैसी बातों को गिनाया गया है।

श्रीलंका में साइबर क्राइम के आरोप में 137 भारतीय नागरिक गिरफ्तार

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के आपराधिक जांच विभाग ने ऑनलाइन वित्तीय घोटाले में शामिल 137 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को स्थानीय मीडिया ने यह खबर दी। 'डेली मिरर अखबार ने पुलिस प्रवक्ता एसएसपी (वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक) निहाल थलदुवा के हवाले से बताया कि इन लोगों को बृहस्पतिवार को कोलंबो के उपनगरीय इलाकों मडीवेला और बट्टारामुल्ला तथा पश्चिमी तटीय शहर नेगोम्बो से गिरफ्तार किया गया। थलदुवा ने बताया कि अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ??ने इन इलाकों में एक साथ छापेमारी की और इस दौरान 158 मोबाइल फोन, 60 डेस्कटॉप और कई लैपटॉप जब्त किए।

पुलिस के अनुसार नेगोम्बो से 55 संदिग्धों को 55 मोबाइल फोन और 29 लैपटॉप के साथ हिरासत में लिया गया। इसी तरह कोच्चिकाडे में अधिकारियों ने 53 व्यक्तियों को पकड़ा और 31 लैपटॉप एवं 58 मोबाइल जब्त किये। मडीवेला में अभियान के दौरान 13 संदिग्धों को गिरफ्त में लिया गया और उनके पास से आठ लैपटॉप एवं 38 मोबाइल बरामद किये गये। थानालगामा में 16 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया और आठ लैपटॉप एवं 38 मोबाइल जब्त किये गये। एसएसपी ने कहा कि गिरफ्तार किये गये संदिग्ध पुरूष हैं। यह कार्रवाई एक पीड़ित की शिकायत के आधार पर की गई जिसने आरोप लगाया था कि सोशल मीडिया पर संवाद करने के लिए उसे नकद राशि दिए जाने का वादा करके एक व्हाट्सऐप समूह में जोड़ा गया था। पुलिस जांच में ऐसी साजिश का पता चला जिसके जरिए पीड़ितों को शुरुआती भुगतान के बाद धनराशि जमा करने के लिए मजबूर किया जाता था। समाचार पत्र के अनुसार, पेराडेनिया में एक व्यक्ति और उसके बेटे ने धोखेबाजों की मदद करने की बात स्वीकार की। उसने बताया कि नेगोम्बो में एक आलीशान मकान पर छापेमारी के दौरान मिले महत्वपूर्ण सबूतों के आधार पर शुरुआत में 13 संदिग्धों को गिरफ्तार किया और 57 फोन एवं कंप्यूटर जब्त किए गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीड़ितों में स्थानीय और विदेशी दोनों शामिल हैं। ऐसा संदेह है कि आरोपी वित्तीय धोखाधड़ी, अवैध सट्टेबाजी और जुए से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में शामिल थे।

रूस ने 10 यूक्रेनी कैदियों को रिहा किया, जेलेंस्की बोले- इनमें एक राजनेता और दो पुजारी शामिल

मास्को, एजेंसी। यूक्रेन अपने 10 लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब रहा है। वेटिकन की मध्यस्थता से हुए समझौते के बाद कैदियों की रिहाई संभव हो पाई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कैदियों की रिहाई के बारे में शुक्रवार को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रूस और बेलारूस में बंदी बनाए गए एक राजनेता और दो पुजारियों सहित 10 नागरिकों को रिहा कर दिया गया है।

जेलेंस्की ने एक पोस्ट में कहा, हम अपने 10 और लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब रहे। हालांकि, जेलेंस्की ने यह नहीं बताया कि रिहाई यूक्रेन में बंद रूसी कैदियों से जुड़े समझौते का हिस्सा थी या नहीं। जेलेंस्की ने बताया कि जिन लोगों को रिहा किया गया है, उनमें से कुछ 2017 से जेल में हैं। इन लोगों को पूर्वी यूक्रेन के रूसी नियंत्रित हिस्सों से गिरफ्तार किया गया था। रूस ने 2014 से ही क्रीमिया प्रायद्वीप के साथ चार यूक्रेनी क्षेत्र- डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुगांस्क और जापोरिजिया पर कब्जा किया हुआ है। रिहा किए गए पांच लोगों को बेलारूस से गिरफ्तार किया गया था। इन पर रूसी सैन्य गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाकर कीव की सेना की सहायता करने का आरोप था। मुक्त किए गए इन लोगों में एक वरिष्ठ क्रीमियन तातार राजनेता नरीमन जेलाल और यूक्रेनी ग्रीक कैथोलिक चर्च के दो पुजारी शामिल थे।

पाकिस्तान ने दी अफगानिस्तान में घुसकर हमला करने की धमकी तो भड़का तालिबान, कहा- नतीजे भुगतने होंगे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में आतंकवाद को लेकर एक बार विवाद गहरा गया है। दोनों देश एक दूसरे को गंभीर नतीजे भुगतने की धमकी दे रहे हैं। दरअसल, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी थी कि आतंकवाद के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान के तहत अफगानिस्तान में प्रतिबंधित आतंकवादी समूह टीटीपी के ठिकानों को निशाना बना सकता है। इससे अफगानिस्तान तिलमिला उठा। उसने शुक्रवार को पाकिस्तान को चेतावनी दी कि अगर उसके देश में घुसपैठ की गई तो उसके गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे।

अफगानिस्तान की धमकी : अफगानिस्तान रक्षा बल ने चेतावनी दी कि हमारे क्षेत्र में किसी भी प्रकार की घुसपैठ, चाहे वह किसी भी बहाने या आड़ में हो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे और उल्लंघनकर्ताओं को जवाबदेह ठहराया जाएगा। रक्षा बल ने आगे कहा कि अफगानिस्तान की राष्ट्रीय संप्रभुता के संभावित उल्लंघन के संबंध में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का हालिया बयान मूर्खतापूर्ण है और यह मामला उलझाने की कोशिश है। इससे किसी को फायदा नहीं होने वाला है। पाकिस्तान के नेतृत्व को महत्वपूर्ण मुद्दों पर इस तरह के संवेदनशील बयान देने से बचना चाहिए।

क्या है पाकिस्तान का सैन्य अभियान : पाकिस्तान की सरकार ने पिछले सप्ताह अज्म-ए-इस्तेहकम (जिसका अर्थ है स्थिरता के लिए संकल्प) नाम के सैन्य अभियान को मंजूरी दी थी। पाकिस्तान सरकार का

कहना है कि इस ऑपरेशन का उद्देश्य पाकिस्तान के खिलाफ तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के विद्रोहियों द्वारा अपनी सरजमीं का इस्तेमाल रोकना है।

फैसला किसी भी जल्दबाजी में नहीं लिया : एक मीडिया हाउस को दिए इंटरव्यू में आसिफ ने कहा कि आतंकवाद रोधी अभियान शुरू करने का फैसला किसी भी जल्दबाजी में नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा, अज्म-ए-इस्तेहकाम के बारे में फैसला आर्थिक कठिनाइयों के कारण लिया गया और यह सीमा पार टीटीपी के पनाहगाहों को भी निशाना बना सकता है। अफगानिस्तान पाकिस्तान में आतंकवाद का निर्यात कर रहा रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ नहीं होगा, क्योंकि अफगानिस्तान पाकिस्तान में आतंकवाद का निर्यात कर रहा है और वहां निर्यातकों को शरण दी जा रही है। टीटीपी पड़ोसी देश से अपनी गतिविधियां चला रहा है, लेकिन इसके कुछ हजार कैडर देश के अंदर से ही काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रतिबंधित संगठन के साथ बातचीत की किसी भी संभावना से इनकार करते हुए कहा कि इसका कोई साझा आधार नहीं है।

रूस के साथ जंग खत्म करने को तैयार यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की, बोले- एक बड़ी योजना पर चल रहा काम

कीव, एजेंसी। यूक्रेन हाल ही में अपने 10 लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कैदियों की रिहाई के बारे में शुक्रवार को जानकारी दी। इसी बीच उन्होंने बताया कि रूस के साथ जंग समाप्त करने के लिए वह एक बड़ी योजना तैयार कर रहे हैं। उनका मानना है कि उनकी योजना का दुनिया के अधिकांश देशों द्वारा समर्थन किया जाएगा।

युद्ध को समाप्त करने के लिए... यूक्रेनी राष्ट्रपति ने स्लोवेनियाई राष्ट्रपति नताशा पिर्क मुसर के साथ शुक्रवार को कीव में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमारे लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम युद्ध को समाप्त करने के लिए एक ऐसी योजना पेश करें, जिसका दुनिया के अधिकतर देशों द्वारा समर्थन किया जाएगा।

यह एक कूटनीतिक मार्ग : उन्होंने आगे कहा कि यह कूटनीतिक मार्ग है, जिस पर हम काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यूक्रेन और रूस के बीच वर्तमान में कोई बातचीत नहीं चल रही है।

फिलहाल कोई बातचीत नहीं : एक

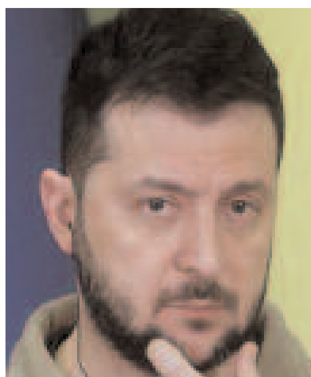

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जेलेंस्की और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सार्वजनिक बयानों के आधार पर, यूक्रेन और रूस के बीच वर्तमान में कोई बातचीत नहीं चल रही है और संभावित शांति समझौते की शर्तों के मामले में दोनों पक्ष पहले की तरह ही एक दूसरे से दूर दिखाई दे रहे हैं।

यूक्रेनी की चेतावनी : यूक्रेन ने बार-बार कहा है कि शांति वार्ता शुरू होने से पहले रूस को अपने सैनिकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त क्षेत्र से बाहर निकालना होगा, जिसमें क्रीमिया प्रायद्वीप भी शामिल है। इसपर मॉस्को ने 2014 में कब्जा कर लिया था। हालांकि, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन से मांग कर रहे हैं कि वह अपने पूर्व और दक्षिण के क्षेत्रों को खाली करके आत्मसमर्पण कर दे, जिस पर अब रूस का कब्जा है।

10 और लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब : इससे पहले, जेलेंस्की ने एक पोस्ट में कहा, हम अपने 10 और लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब रहे। हालांकि, जेलेंस्की ने यह नहीं बताया कि रिहाई यूक्रेन में बंद रूसी कैदियों से जुड़े समझौते का हिस्सा थी या नहीं। जेलेंस्की ने बताया कि जिन लोगों को रिहा किया गया है, उनमें से कुछ 2017 से जेल में हैं। इन लोगों को पूर्वी यूक्रेन के रूसी नियंत्रित हिस्सों से गिरफ्तार किया गया था। रूस ने 2014 से ही क्रीमिया प्रायद्वीप के साथ चार यूक्रेनी क्षेत्र- डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुगांस्क और जापोरिजिया पर कब्जा किया हुआ है।

हत्या के लिए सुपारी देने की साजिश के आरोप में निखिल गुप्ता अमेरिकी अदालत में पेश

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका में एक खालिस्तानी अलगाववादी की कथित हत्या के लिए सुपारी देने की साजिश में आरोपी भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को पहली बार ट्रायल जज के सामने पेश किया गया। फेडरल सीनियर जज विक्टर मारेरो ने शुक्रवार को सुनवाई के बाद अगली तारीख 13 सितंबर तय की है। कोर्ट ने कहा है कि अभियोजन पक्ष उस दिन सबूत लेकर आएं। खाकी शर्ट और पैंट पहने गुप्ता को अमेरिकी मार्शल कोर्ट के अंदर ले गए और वो डिफेन्स टेबल पर बैठ गया, जहां उसने कार्यवाही शुरू होने से पहले अपने वकील जेफरी चैब्रो के साथ बातचीत की। पिछले साल जून में अमेरिका के अनुरोध पर निखिल गुप्ता को चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था और 14 जून को उसे अमेरिका लाया गया। 17 जून को उसे मजिस्ट्रेट जज जेम्स कॉट कि अदालत में पेश किया गया, जिन्होंने उसे हिरासत में रखने का आदेश दिया। मामले में अभियोजक सहायक जिला अटॉर्नी केमिली लाटोया फ्लेचर ने शुक्रवार को ट्रायल जज को गुप्ता के खिलाफ सरकार के केस के बारे में बताया। उन्होंने आरोपों को दोहराया कि गुप्ता ने भारतीय मूल के एक अमेरिकी नागरिक के खिलाफ एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ मिलकर साजिश रची थी। हालांकि दोनों की पहचान उन्होंने नहीं बताई। इशारा गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर था जो

अमेरिकी और कनाडाई नागरिकता वाला एक वकील है, और न्यूयॉर्क में रहता है और सिख फॉर जस्टिस समूह का नेतृत्व करता है। भारत सरकार ने पन्नू को आतंकवादी घोषित किया हुआ है। फ्लेचर ने कहा कि गुप्ता ने एक हिटमैन से बात की, हत्या की साजिश के लिए 100,000 डॉलर की कीमत तय की और उसे 15,000 डॉलर की अग्रिम राशि भी दी। अभियोजक सहायक जिला अटॉर्नी केमिली लाटोया फ्लेचर ने कहा कि जिस व्यक्ति को वह हिटमैन समझता था, वह वास्तव में एक अंडरकवर एजेंट था। फ्लेचर ने कहा कि सरकारी साक्ष्य में गुप्ता से जब्त किया गया फोन शामिल है, जिसमें भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ उसकी बातचीत दर्ज है। उसने कहा कि जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के साथ-साथ एफबीआई और ड्रग प्रवर्तन एजेंसी की सामग्री भी है।

गुरुद्वारा बनाने को लेकर पाकिस्तान में बवाल, अल्पसंख्यकों पर भड़के मुस्लिम

फैसलाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के फैसलाबाद में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार का एक और मामला सामने आया है। दरअसल पाकिस्तान के पंजाब की सरकार ने फैसलाबाद में गुरुद्वारा बनाने की इजाजत थी, मगर वहां मुस्लिम समुदाय के लोगों सरकार को ऐसा नहीं करने दे रहे हैं। साथ ही हिंदुओं और सिखों के खिलाफ अपना गुस्सा दिखा रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें स्थानीय मुस्लिम समुदाय को 76 साल से बंद पड़े एक गुरुद्वारे के पुनर्निर्माण का विरोध करते हुए देखा जा सकता है। इस वीडियो में अमीन बट नाम का प्रदर्शनकारी भी शामिल है जो फैसलाबाद का उप मेयर है। अमीन बट गुरुद्वारे के पुनर्निर्माण को बाधित करने की धमकी देते हुए दिखाई दे रहा है। वीडियो में उसे सिख और हिंदू समुदाय के खिलाफ बोलते हुए सुना जा सकता है। वायरल वीडियो में बट ने कहा, ÷सिख मुसलमानों के बलात्कारी और हत्यारे हैं। हम फैसलाबाद में किसी भी सिख गुरुद्वारे की अनुमति नहीं देंगे। अगर सिख इसे बनाने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें अल्लाह के लड़ाकों का सामना करना पड़ेगा।÷ बता दें कि इस तरह की घटना पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी भेदभाव और असहिष्णुता को उजागर करती है। पाकिस्तान के हिंदू, सिख, और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों को भेदभावपूर्ण कानूनों, सामाजिक बहिष्कार और धार्मिक उग्रवाद से उत्पन्न हिंसा जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सिख समुदाय ने पाकिस्तान में लंबे समय से हिंसा और भेदभाव का सामना किया है। गुरुद्वारों की

तोड़फोड़, सिख व्यक्तियों पर शारीरिक हमले और धमकियों जैसी घटनाएं अक्सर सामने आती हैं। इसके अलावा, गुरुद्वारा संपत्तियों के अवैध कब्जे और संपत्ति विवाद से संबंधित कई चुनौतियों का भी सामना सिख समुदाय को करना पड़ता है। ह्यूमन राइट्स वॉच के अनुसार, पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यक व्यवस्थित भेदभाव और हिंसा का सामना करते हैं। पाकिस्तान में के ईशनिंदा कानूनों का अक्सर दुरुपयोग किया जाता है, जिससे धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जाता है और उन्हें उत्पीड़न और हिंसा का सामना करना पड़ता है। फैसलाबाद की इस घटना को एक पाकिस्तान के अल्पसंख्यों के लिए व्यापक समस्या का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें धार्मिक असहिष्णुता और भेदभाव शामिल है। संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतर्राष्ट्रीय समुदायों ने पाकिस्तान से इन मुद्दों को सुलझाने और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुसार धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने का आह्वान किया है। फैसलाबाद में गुरुद्वारे के पुनर्निर्माण को लेकर बढ़ते तनाव के बीच, यह महत्वपूर्ण है कि स्थानीय और राष्ट्रीय अधिकारी सिख समुदाय की सुरक्षा और अधिकारों को सुनिश्चित करें। उन्हें सभी अल्पसंख्यकों के लिए धार्मिक स्वतंत्रता बनाए रखने और उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। यह घटना इस बात की याद दिलाती है कि पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों को अभी भी सुरक्षा और सम्मान की आवश्यकता है। ऐसे में, सरकार और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को मिलकर इन समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए प्रयास करने चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

लोन लेकर शुरू किया यह काम

आज एमबीए ड्रॉपआउट की 12 लाख रुपये महीने कमाई!

नई दिल्ली, एजेंसी। शंकर मीणा ने 2017 में जीवन मशरूम नाम के वेंचर की शुरुआत की। यह राजस्थान की पहली कंपनियों में से एक है जो मशरूम स्पॉन (बीज) उपलब्ध कराती है। कंपनी पूरे भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कई तरह के मशरूम के बीज की डिस्ट्रीब्यूटर है। नई यूनिट खुलने से कंपनी का टारगेट अपने मासिक स्पॉन प्रोडक्शन को बढ़ाकर 80 टन करने का है। इस स्र्टाटअप को शंकर मीणा ने लोन लेकर शुरू किया था। आज वह इससे हर महीने करीब 12 लाख रुपये कमाते हैं।

बिजनेस में शुरू से थी दिलचस्पी

शंकर मीणा का कारोबारी सफर 2013 में उनके एमबीए (फाइनेंस) के दौरान शुरू हुआ। वह खेती-बाड़ी के माहौल में पले-बढ़े थे। अप्रत्याशित मौसम की स्थिति के चलते किसानों को होने वाली वित्तीय अस्थिरता से शंकर मीणा अच्छी तरह वाकिफ थे। कॉमर्स बैकग्राउंड वाले शंकर मीणा अपनी आय का विश्वसनीय स्रोत बनाना चाहते थे जो प्रकृति की अनिश्चितताओं पर निर्भर न हो। भले ही वह एमबीए कर रहे थे, लेकिन उनकी असली दिलचस्पी अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने में थी।

कई जगह से ली ट्रेनिंग

मशरूम की खेती की जटिलताओं में महारत हासिल करने के लिए शंकर ने कई संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त किया। 2016 की शुरुआत में उन्होंने सोलन में आईसीएआर-डायरेक्टरेट ऑफ मशरूम रिसर्च में ट्रेनिंग ली जो खाने योग्य और औषधीय मशरूम के अध्ययन पर केंद्रित है। उन्होंने हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन और बेंगलुरु में भी प्रशिक्षण प्राप्त किया।

मशरूम स्पॉन उत्पादन में देखे अवसर

जनवरी 2017 में शंकर मीणा ने जयपुर में अपने घर पर पहला प्रयोग शुरू किया। इसमें दिल्ली से स्पॉन के साथ लगभग 40 बैग सीप मशरूम का इस्तेमाल किया गया था। शुरुआती सफलता मिलने पर उन्होंने अपने मशरूम दोस्तों और परिवार वालों को शेयर किए। हालांकि, उन्हें जल्द ही एहसास हुआ कि राजस्थान में मशरूम स्पॉन की कमी है। इसके कारण शंकर ने केवल मशरूम की खेती करने के बजाय बीज उत्पादन (मशरूम स्पॉन) में अधिक क्षमता देखी।

आज 12 लाख रुपये महीने की कमाई

2013 में पहला समेस्टर होने के बाद ही शंकर ने एमबीए छोड़ दिया था। उन्होंने पूरी ताकत मशरूम की खेती को समझने में झोंक दी थी। 9 लाख रुपये का लोन लेकर उन्होंने 9 हजार वर्ग फीट में मशरूम उगाना शुरू किया था। 2017 आते-आते उन्होंने जीवन मशरूम की नींव रख दी थी। यह कंपनी कई तरह के मशरूमों की बिक्री करती है। इनमें बटन, ऑयस्टर, लायन्स मेन, शिटेक और गैनोडर्मा शामिल हैं। शंकर ने आज भारत में अच्छा मार्केट बेस बना लिया है। भूटान, नेपाल और अमेरिका में भी वह मशरूम भेजते हैं। अपने कारोबार से वह 12 लाख रुपये महीने कमा लेते हैं।

क्रिप्टो जगत में क्रिप्टोक्वीन के नाम से मशहूर है रुजा इग्नाटोवा

इग्नाटोवा पर अमेरिका ने रखा है 50 लाख डॉलर का इनाम

- **दुनियाभर में निवेशकों को लगाया 400 करोड़ डॉलर का चूना**

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टो जगत में क्रिप्टोक्वीन के नाम से मशहूर रुजा इग्नाटोवा पर अमेरिका ने 50 लाख डॉलर (लगभग 42 करोड़ रुपये) का इनाम घोषित किया है। रुजा वनकॉइन नाम की फर्जी क्रिप्टोकरेंसी की संस्थापक थी। इसके जरिए उसने दुनिया भर के निवेशकों को लगभग 400 करोड़ डॉलर का चूना लगाया। अमेरिका और जर्मनी दोनों ही देशों में रुजा पर धोखाधड़ी के गंभीर आरोप हैं। अक्टूबर 2017 में अमेरिका से भागने के बाद से ही रुजा फरार है। उसकी तलाश में एफबीआई जुटी हुई है।

कौन है रुजा इग्नाटोवा- रुजा इग्नाटोवा मूल रूप से बुल्गारिया की रहने वाली जर्मन नागरिक है। उसकी उम्र 44 साल है। उसने अपने साथी सेबस्टियन कार्ल ग्रीनवुड के साथ मिलकर सबसे पहले बिगकॉइन नाम की एक फर्जी क्रिप्टोकरेंसी लॉन्च की थी। इसके बाद 2014 में उसने सोफिया में वनकॉइन नाम की एक और फर्जी क्रिप्टोकरेंसी लॉन्च की। दुनियाभर के निवेशकों से अरबों डॉलर जुटाए। बाद में पता चला कि वनकॉइन असली क्रिप्टोकरेंसी नहीं थी।

कैसे लगाया निवेशकों को चूना

अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि जब वनकॉइन के निवेशक अपने वॉलेट में लॉग-इन करते थे तो उन्हें केवल कुछ बेतरतीब संख्याएं ही दिखाई देती थीं। अमेरिकी सरकार ने वनकॉइन को दुनिया के सबसे बड़े फ्रॉड में से एक बताया है। यह एक क्लासिक पोंजी स्कीम थी, जिसमें शुरुआती निवेशकों को दूसरों को निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। बाद में आने वाले निवेशकों के पैसों से उन्हें भुगतान किया जाता है।

वनकॉइन की कीमतें हमेशा से ही फर्जी तरीके से तय की जाती थीं, क्योंकि इसका कोई स्वतंत्र आधार नहीं था।

50 लाख डॉलर का इनाम

बीबीसी की एक हालिया जांच में दावा किया गया है कि बुल्गारिया के एक शीर्ष माफिया सरगना हिरिस्टोफोरोस निकोस अमानाटिडिस ने इग्नाटोवा की हत्या कर दी होगी। उसे ताकी के नाम से जाना जाता है। ताकी की छवि बुल्गारिया में एल चापो जैसी है। इस बीच बुल्गारिया के मुख्य अभियोजक बोरिसलाव सराफोव ने बुधवार को घोषणा की कि इग्नाटोवा के खिलाफ अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया जाएगा। इससे उसकी 1 करोड़ यूरो से अधिक की संपत्ति को जब्त करने की कार्यवाही शुरू हो सकेगी। अमेरिका के बुल्गारिया में राजदूत केनेथ मेर्टन ने कहा है कि इग्नाटोवा को पकड़ने में मदद करने वाली किसी भी व्यक्ति को अमेरिका 50 लाख डॉलर तक का इनाम देगा।

ऐसे उड़ गए निवेशकों के होश

वनकॉइन का कभी भी किसी सार्वजनिक एक्सचेंज पर कारोबार नहीं हुआ। इग्नाटोवा ने इसका कारोबार करने के लिए एक्सकॉइनएक्स नाम का एक निजी एक्सचेंज बनाया था। लेकिन, इसे इस तरह से डिजाइन किया गया था कि निवेशक जल्दी से अपने पैसे न निकाल सकें। अगर आपके पास 1,000 वनकॉइन थे तो आप एक दिन में अधिकतम 15 (1.5 प्रतिशत) ही बेच सकते थे। इसके अलावा इस बात की भी कोई गारंटी नहीं थी कि आपका बिक्री ऑर्डर पूरा भी होगा। जनवरी 2017 से एक्सकॉइनएक्स हमेशा मेंटेनेंस के नाम पर बंद रहता था, जिससे वनकॉइन को बेचना लगभग असंभव हो गया था।

ब्रिटानिया को पछाड़ नंबर-2 बनी आईटीसी, अब नेस्ले से होगा टॉप के लिए मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे प्रमुख एफएमसीजी कंपनियों में से एक आईटीसी ने एक नया मुकाम हासिल किया है। आईटीसी अब ब्रिटानिया को पीछे छोड़कर पैकेज्ड फूड सेगमेंट की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। अब आईटीसी का मुकाबला पहले स्थान पर काबिज मल्टीनेशनल एफएमसीजी कंपनी नेस्ले से होगा।

पहली बार ब्रिटानिया से आगे हुई आईटीसी- आईटीसी ने यह मुकाम बिक्री के हिसाब से हासिल किया है यानी बिक्री के मामले में पैकेज्ड फूड सेगमेंट में आईटीसी से आगे सिर्फ नेस्ले है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब पैकेज्ड फूड के मामले में आईटीसी की बिक्री ब्रिटानिया से ज्यादा हुई है। आईटीसी पैकेज्ड फूड सेगमेंट में कई उत्पाद बेचती है। आईटीसी के प्रमुख उत्पादों में आशीर्वाद आटा, बिंगो पोटैटो चिप्स, सनफीस्ट बिस्किट आदि शामिल हैं।

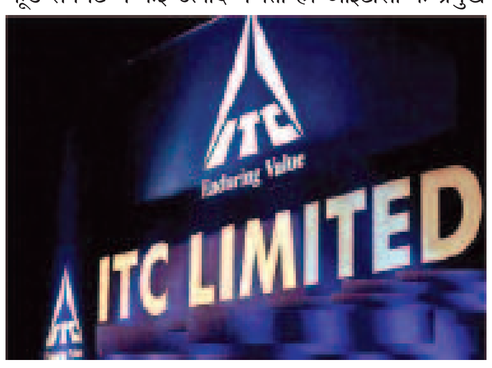

आईटीसी और ब्रिटानिया की बिक्री- आईटीसी की हाल ही में जारी सालाना रिपोर्ट के अनुसार, 31 मार्च 2024 को समाप्त हुए वित्त वर्ष में उसके फूड बिजनेस की बिक्री 17,194.5 करोड़ रुपए रही है। इसमें घरेलू बिक्री और निर्यात दोनों के आंकड़े शामिल हैं। दूसरी ओर पिछले वित्त वर्ष के दौरान ब्रिटानिया के फूड बिजनेस की कुल बिक्री 16,769.2 करोड़ रुपए की रही है।

आईटीसी से इतना आगे है नेस्ले- वहीं बीते वित्त वर्ष में नेस्ले इंडिया की बिक्री का आंकड़ा 24,275.5 करोड़ रुपए का रहा है। हालांकि कंपनी के द्वारा जनवरी-दिसंबर से अप्रैल-मार्च में वित्त वर्ष शिफ्ट करने से बिक्री का यह आंकड़ा 12 महीने के बजाय 15 महीने का है। 12 महीने के हिसाब से देखें तो भी नेस्ले की भारतीय इकाई अपनी स्थानीय प्रतिस्पर्धियों से आगे है। अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के 12 महीनों में नेस्ले इंडिया की बिक्री 19,563 करोड़ रुपए रही है, जो दूसरे नंबर की कंपनी आईटीसी के फूड बिजनेस की बिक्री की तुलना में ज्यादा है।

आशीर्वाद आटे ने दिया प्रमुख योगदान

आईटीसी को फूड बिजनेस में पहली बार दूसरा पायदान दिलाने में आटे के भाव में आई तेजी सबसे प्रमुख कारण है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान देश में आटे की कीमतों में 7 से 8 फीसदी की तेजी आई है। कंपनी के फूड बिजनेस की कुल बिक्री में सबसे ज्यादा योगदान पैकेज्ड आटा ब्रांड आशीर्वाद का रहा है। ओवरऑल आईटीसी के फूड बिजनेस की बिक्री में बीते वित्त वर्ष के दौरान 9 फीसदी की तेजी आई है।

स्टाइलम इंडस्ट्रीज के शेयरों ने लगाई है लंबी छलांग

- **20 साल में 10,000 रुपये को 2.32 करोड़ बना दिए**
- **शेयर ने दिखाई है 232541 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी**

नई दिल्ली, एजेंसी। चंडीगढ़ की कंपनी स्टाइलम इंडस्ट्रीज के शेयरों ने पिछले 20 साल में 2,32,541 फीसदी की जबरदस्त बढ़ोतरी दिखाई है। यह इसे शानदार मल्टीबैगर बनाता है। कंपनी हाई-प्रेशर लैमिनेट्स, परफॉर्मेंस लैमिनेट्स , स्पेशलिटी लैमिनेट्स, एक्सक्लूसिव सरफेस, एक्रेलिक सॉलिड सरफेस और कॉम्पैक्ट लैमिनेट्स बनाती है। यह तेजी जापानी कंपनी एआईसीए कोग्यो की ओर से स्टाइलम में हिस्सेदारी खरीदने की खबरों के बाद आई। इससे निवेशकों में उत्साह बढ़ा है। ब्रोकरेज फर्म इन्वेस्टेक ने शेयर को खरीदें की रेटिंग दी है। उसने 2,362 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। यह मौजूदा बाजार मूल्य से 18.55 फीसदी की बढ़ोतरी दर्शाता है।

स्टाइलम इंडस्ट्रीज के शेयर गुरुवार को बढ़त के साथ 1992.40 रुपये पर बंद हुए थे। बुधवार को शेयर में लगभग 10 प्रतिशत की तेजी आई थी। यह 1,850.15 रुपये पर बंद हुआ था। हालांकि, शुक्रवार को शेयर 2.81 फीसदी की गिरावट के साथ 1921.95 रुपये पर बंद हुआ। 20 साल पहले 25 जून, 2004 को यह शेयर सिर्फ 0.85 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इसका मतलब है कि अगर किसी ने 20 साल पहले 10,000 रुपये का निवेश किया होता तो आज उसकी कीमत 2,32,54,100 रुपये यानी करीब 2.32 करोड़ रुपये होती।

आगे कैसा कर सकता है स्टॉक

इन्वेस्टेक ने अपनी रिपोर्ट में स्टाइलम इंडस्ट्रीज के मार्केटिंग और डिस्ट्रीब्यूशन के अनोखे तरीके की तारीफ की है। ब्रोकरेज ने कहा कि इस वजह से कंपनी वित्त वर्ष 2004 से वित्त वर्ष 2024 तक अपनी कमाई में लगभग 30 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर हासिल करने में कामयाब रही है। हालांकि, स्टाइलम इंडस्ट्रीज का प्रति यूनिट राजस्व अपने प्रतिस्पर्धियों से कम रहा है, लेकिन कंपनी को बेहतर ऑपरेटिंग मार्जिन का फायदा होता है। भविष्य के बारे में बात करते हुए इन्वेस्टेक का अनुमान है कि स्टाइलम इंडस्ट्रीज के विस्तार से रिटर्न ऑन कैपिटल एम्प्लॉयड में आकर्षक बढ़ोतरी होगी। ब्रोकरेज का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024 और वित्त वर्ष 2026 के बीच लैमिनेट व्यवसाय में 17 फीसदी ष्ठत्रक्र से वॉल्यूम में बढ़ोतरी होगी। वहीं, 19 फीसदी ष्ठत्रक्र से रेवेन्यू बढ़ेगा। इसी अवधि के दौरान EBITDA और कर-पश्चात लाभ 19 प्रतिशत और 11 प्रतिशत ष्ठत्रक्रसे बढ़ने की उम्मीद है। प्रति शेयर आय के 11 प्रतिशत ष्ठत्रक्रसे बढ़ने की उम्मीद है। इन्वेस्टेक ने यह भी कहा कि संभावित रणनीतिक निवेश स्टाइलम इंडस्ट्रीज की तकनीक, वितरण और ब्रांड पोजिशनिंग क्षमताओं को बढ़ा सकता है।

क्यों आई है शेयरों में तेजी

स्टाइलम इंडस्ट्रीज के शेयरों में यह तेजी पिछले महीने आई खबरों के बाद आई है कि जापानी कंपनी एआईसीए कोग्यो भारतीय लैमिनेट निर्माता स्टाइलम इंडस्ट्रीज में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत कर रही है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह अनुमान लगाया जा रहा है कि एआईसीए कोग्यो शेयर खरीद समझौते के जरिये स्टाइलम के प्रमोटरों से 14 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने पर विचार कर रही है। इसके अलावा जापानी कंपनी स्टाइलम इंडस्ट्रीज में अतिरिक्त 26 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक ओपन ऑफर लाने की योजना बना रही है। तकनीकी रूप से देखने पर स्टाइलम इंडस्ट्रीज के शेयर वर्तमान में सभी प्रमुख शॉर्ट-टर्म और लॉन्ग-टर्म मूविंग एवरेज से ऊपर कारोबार कर रहे हैं।

जेपी मॉर्गन के एमर्जिंग इंडेक्स में शामिल हुआ भारतीय बॉन्ड, इतने रुपए तक आ सकता है विदेशी निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। जेपी मॉर्गन चेज एंड कंपनी अपने बेंचमार्क एमर्जिंग मार्केट इंडेक्स में भारत के सरकारी बॉन्ड्स को शामिल कर लिया है। दो साल तक भारत को वॉचलिस्ट में रखने के बाद यह फैसला किया है। पिछले साल सितंबर में जेपी मॉर्गन ने कहा था कि 28 जून, 2024 से उसके गवर्मेंट बॉन्ड इंडेक्स-इमर्जिंग मार्केट (जीबीआई-ईएम) में भारतीय बॉन्ड शामिल होगा। भारतीय बॉन्ड का भार जीबीआई-ईएम में 28 जून से शुरू होकर 31 मार्च, 2025 तक 10 महीने की अवधि में धीरे-धीरे बढ़कर 10 फीसदी हो जाएगा। इस फैसले से भारत के बॉन्ड बाजार में 2.50 लाख करोड़ रुपए तक का निवेश आने का अनुमान है। अभी 330 अरब डॉलर (27.36 लाख करोड़ रुपए) के 23 भारतीय सरकारी बॉन्ड इंडेक्स में शामिल किए जाने के लिए पात्र हैं। भारत सरकार ने 2020 में फुली एक्सेसिबल रूट (एफएआर) की शुरुआत की और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश में सहायता के लिए बाजारों में पर्याप्त सुधार किया। जिससे जेपी मॉर्गन भारतीय बॉन्ड्स को इंडेक्स में शामिल करेगा। विश्लेषकों के मुताबिक, इससे देश में बेस रेट में बदलाव होगा और ब्याज में भारी कमी आनी चाहिए। उधार की लागत बढ़ने से कोरोना काल से ही भारत में राजकोषीय घाटा बढ़ा हुआ है। अब इसमें कमी होनी चाहिए, क्योंकि उधारी की लागत का एक बड़ा हिस्सा इससे आएगा। यह बैंक, एनबीएफसी जैसी कंपनियों के लिए सकारात्मक है। उभरते बाजारों में भारत का बॉन्ड बाजार तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। इसका बाजार पूंजीकरण 1.2 लाख करोड़ डॉलर से ज्यादा है। यह इंडोनेशिया के मुकाबले तीन गुना ज्यादा है। रूस के

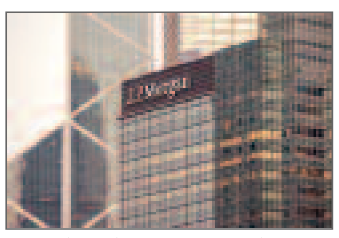

बैंक अकाउंट पर मंडरा रहा साइबर अटैक का खतरा! आरबीआई ने किया अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश भर के करोड़ों बैंक खाताधारकों के लिए एक बुरी खबर है। भारतीयों के बैंक खातों के ऊपर साइबर अटैक का खतरा मंडरा रहा है। इस खतरे को लेकर आरबीआई ने अलर्ट जारी किया है। सेंट्रल बैंक ने बैंक खातों पर साइबर अटैक के खतरे को देखते हुए सभी बैंकों को तैयार रहने के लिए कहा है।

बैंकों को चौबीसों घंटे तैयार रहने का निर्देश- रिजर्व बैंक ने सभी बैंकों से कहा है कि वे सक्रियता के साथ चौबीसों घंटे खतरे को पकड़ने के लिए तैयार रहें। रिजर्व बैंक का कहना है कि उसे साइबर अटैक को लेकर सूत्रों से जानकारी मिली है। इसे लेकर सेंट्रल बैंक ने सभी बैंकों व वित्तीय संस्थानों को 24 जून को एक लेटर भेजकर अलर्ट किया है। एडवाइजरी में बैंकों को कहा गया है कि वे खतरे की पहचान करने के लिए सर्विलांस की क्षमता को बढ़ाएं और बचाव के उपायों को तेज कर दें।

हैकरों के इस समूह से खतरा- आरबीआई ने यह अलर्ट और एडवाइजरी ऐसे समय जारी की है, जब हाल ही में एक सोशल मीडिया पोस्ट में भारतीय बैंक खाताधारकों पर खतरे को लेकर आगाह किया गया है। रिजर्व बैंक ने एडवाइजरी 24 जून को जारी की और उसी दिन एक सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया गया कि नामक हैकर ग्रुप भारतीय बैंकों को निशाना बनाने वाला है। लुल्ज़से इससे पहले कई हाई-प्रोफाइल साइबर अटैक के लिए जिम्मेदार रह चुका है। ऐसा माना जा रहा था कि हैकरों का समूह ख्द्य5स्द्गष् अब निष्क्रिय हो चुका है लेकिन हाल-फिलहाल में उसके दोबारा सक्रिय होने की जानकारियां सामने आई हैं।

पहले भी जारी हो चुका है अलर्ट

इससे पहले सीईआरटी-इन ने पिछले साल इसी तरह के खतरे की आशंका जाहिर की थी। सीईआरटी-इन ने अंतरराष्ट्रीय फंड ट्रांसफर के स्विफ्ट सिस्टम, कार्ड नेटवर्क, रियल टाइम पेमेंट सिस्टम यूपीआई और आरटीजीएस, एनईएफटी जैसे लोकल फंड ट्रांसफर नेटवर्क पर जोखिम की आशंका जाहिर की थी। अब रिजर्व बैंक के अलर्ट के बाद बैंकों को इन खतरों को पकड़ने और उनसे बचाव करने के प्रयास तेज करने होंगे।

अब एक दिन में ही मिलेगी सेटलमेंट की सुविधा, लागू होगा नया बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। अथॉरिटी) ने नेशनल पेंशन सिस्टम के सब्सक्राइबर्स के लिए टी+0 सेटलमेंट की इजाजत दे दी है। नई व्यवस्था इस साल पहली जुलाई से लागू होगी। इससे यह होगा कि सब्सक्राइबर अगर किसी भी सेटलमेंट डे पर सुबह 11 बजे तक अपना कॉन्ट्रिब्यूशन कर दें, तो वह उसी दिन इनवेस्ट हो जाएगा और उसी दिन की नेट एसेट वैल्यू का बेनेफिट उन्हें मिल जाएगा। इसे एनपीएस को म्यूचुअल फंड की बराबरी की ओर ले जाने वाले कदम की तरह देखा जा रहा है। अभी ट्रस्टी बैंक को मिलने वाले कॉन्ट्रिब्यूशन का इनवेस्टमेंट अगले सेटलमेंट डे पर होता है। यानी पिछले दिन मिला अंशदान अगले दिन इनवेस्ट किया जाता है। प्रेडा ने एक बयान में कहा, अब किसी भी सेटलमेंट डे पर सुबह 11 बजे तक मिले अंशदान को उसी दिन इनवेस्ट कर दिया जाएगा। इससे सब्सक्राइबर्स को सेम डे एनएवी का बेनेफिट मिलेगा। ट्रस्टी बैंक को सुबह 11 बजे के बाद मिले अंशदान को अगले सेटलमेंट डे पर इनवेस्ट किया जाएगा।

नई व्यवस्था पहजी जुलाई से व्यवस्था पहली जुलाई 2024 से लागू होगी। प्रेडा ने कहा कि किसी भी सेटलमेंट डे पर सुबह साढ़े 9 बजे तक मिलने वाले डी-रेमिट कॉन्ट्रिब्यूशंस को उसी दिन इनवेस्ट किया जाता रहा है।

मिनर्वा एकेडमी एफसी ने मिजो चैंपियन इलेक्ट्रिक वेंग को हराकर तालिका के शीर्ष पर बनाई जगह

चंडीगढ़, एजेंसी। एआईएफएफ फुटबॉल क्लब चैम्पियनशिप में गत चैंपियन मिनर्वा एकेडमी एफसी की जीत का सिलसिला जारी है। अब टीम ने लगातार तीसरे गेम में इलेक्ट्रिक वेंग एफसी को हराया। वडोदरा में खेल आखिरी मिनट तक बराबरी पर रहा, लेकिन गत चैंपियन ने 7-5 के स्कोर के साथ जीत हासिल की।

इलेक्ट्रिक वेंग ने खेल की जोरदार शुरुआत की और 12 मिनट में 0-2 की बढ़त ले ली, जिससे मिनर्वा टीम शुरुआती दौर में पिछड़ गई। थापा (14%) और नाओबा (15%) ने मिनर्वा के लिए वापसी की और लगातार मिनटों में दो गोल करके स्कोर को बराबरी पर ला दिया। हाओकिप (18%) ने मिनर्वा एकेडमी के लिए बढ़त का गोल दागा और पहला हाफ खत्म होने तक टीम को 3-2 से आगे कर दिया। दूसरा हाफ दोनों तरफ से गोल के अनुकूल साबित हुआ। इसमें लालरेमटुलुंगा (23', 27') के दो गोलों ने इलेक्ट्रिक वेंग को शुरुआती बढ़त दिलाई।

गत विजेता ने देर से शुरुआत की, लेकिन आखिरी 10 मिनट में नाओबा (32'), चनप्रीत (30'), सैमसन (33') और हिमांशु (34') के गोलों से इलेक्ट्रिक वेंग को ध्वस्त करते हुए 7-5 से आसान जीत दर्ज की। मिनर्वा एकेडमी एफसी अभी तक खेले 3 मैचों में 19 गोल कर चुकी है, जबकि 7 उसके खिलाफ हुए हैं। 3 मैच में 3 जीत के बाद मिनर्वा के खाते में 9 अंक है और वो तालिका के शीर्ष पर है।

संक्षिप्त समाचार

एशियाई खेलों में शामिल किया जाएगा योग? पीटी उषा के प्रस्ताव पर खेल मंत्री मांडविया ने कही ये बात

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई खेलों में योग को शामिल करने के भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा के प्रस्ताव पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने अपनी राय रखी। हाल ही में खेल मंत्रालय का जिम्मा संभालने वाले मांडविया ने उषा के इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। उषा ने एशियाई

ओलंपिक परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष रणधीर सिंह को 26 जून को पत्र लिखकर योग को एक खेल के रूप में एशियाई खेलों में शामिल करने का प्रस्ताव रखा है। मांडविया ने कहा, योग की अप्रतिम लोकप्रियता को देखते हुए इसे प्रतिस्पर्धी खेलों का दर्जा देकर एशियाई खेलों में शामिल किया जाना चाहिए। योग को लोकप्रिय बनाने में भारत अग्रणी रहा है और हमने इसे खेलो इंडिया युवा खेलों में प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में शामिल किया।

कैफ ने कोहली का समर्थन किया

कहा- धोनी का भी 2011 में अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने विश्वास व्यक्त किया है कि विराट कोहली एमएस धोनी जैसा वीरतापूर्ण प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, जैसा उन्होंने 2011 वनडे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बारबाडोस में किया था। कैफ ने कोहली के मौजूदा फॉर्म और 2011 विश्व कप में धोनी के सफर के बीच तुलना की। उन्होंने प्रशंसकों को याद दिलाया कि धोनी ने एक असाधारण टूर्नामेंट नहीं खेलने के बावजूद श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में मौके का फायदा उठाया, नाबाद 91* रन बनाए और

लॉन्ग ऑन पर एक यादगार छक्का लगाकर जीत सुनिश्चित की। कैफ ने सुझाव दिया कि कोहली, जिन्होंने अभी तक इस टूर्नामेंट में कोई खास प्रदर्शन नहीं किया है, उनमें धोनी के वीरतापूर्ण प्रदर्शन की नकल करने की क्षमता है। कैफ ने 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, 'विराट कोहली को यह याद रखना चाहिए कि 2011 में धोनी का भी विश्व कप अच्छा नहीं रहा था, लेकिन फाइनल में उन्होंने अपनी फॉर्म हासिल कर ली। वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, जो गेंद को अपनी योग्यता के अनुसार खेल सकते हैं और किसी भी गेंदबाजी आक्रमण पर हावी हो सकते हैं। कुलसेकरा की गेंद पर लॉन्ग-ऑन पर धोनी का छक्का सभी के दिमाग में बसा हुआ है। इसलिए मुझे लगता है कि विराट कोहली के पास हीरो बनने का शानदार मौका है।'

भारत ने बनाया विमेंस टेस्ट का सबसे बड़ा स्कोर

दूसरे दिन 603 पर पारी घोषित की, साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला जा रहा मैच

चेन्नई। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेली जा रही एक मैच की टेस्ट सीरीज में भारत का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन जारी है। भारतीय टीम ने विमेंस टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक इनिंग का सबसे बड़ा टोटल बना दिया है। मैच के दूसरे दिन यानी शनिवार को टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 603 रन पर पारी घोषित की। इससे पहले, सबसे बड़े टीम स्कोर का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम था। उन्होंने इस साल 15 फरवरी को साउथ अफ्रीका के ही खिलाफ 9 विकेट खोकर 575 पर पारी घोषित की थी। भारत की इस पारी में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने सबसे तेज दोहरा शतक बनाया। वो 197 गेंदों में 205 रन बनाकर रन आउट हुईं। यह उनके करियर की पहली शतकीय पारी रही। वहीं, स्मृति मंधाना ने भी 149 रन की पारी खेली।

सहवाग की तरह ही शेफाली ने 194 पर पूरी की डबल सेंचुरी

भारतीय मेंस क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के नाम से जानी जाने वाले शेफाली ने दोहरा शतक भी सहवाग के ही अंदाज में बनाया। शेफाली ने 194 रन पर 200 का आंकड़ा छू लिया था। रोचक बात यह है कि 2008 में जब सहवाग ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 319 रन बनाए थे तो उन्होंने भी इसी मैदान पर 194 बॉल में ही डबल सेंचुरी पूरी कर ली थी। हालांकि, शेफाली अगली तीन गेंदों पर 5 रन बनाकर रन आउट हो गईं।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पहले विकेट के लिए 312 गेंदों में 292 रन की पार्टनरशिप की। यह साझेदारी टेस्ट में पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी रही। उनसे पहले यह रिकॉर्ड पाकिस्तान की किरन बलूच और साजिदा शाह के नाम था। उन्होंने 2004 में वेस्टइंडीज के खिलाफ कराची में 241 रन की साझेदारी की थी। भारत के लिए यह किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी रही।

पहले दिन बना लिए थे 525 रन, हरमनप्रीत, ऋचा और जेमिमा ने भी बनाई फिफ्टी- भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले दिन शेफाली 205, स्मृति मंधाना 149, जेमिमा रॉड्रिग्स 55 और शुभा सथीष 15 रन बनाकर आउट हो चुकी थीं। दिन का खेल खत्म होने तक ऋचा घोष 43 और कप्तान हरमनप्रीत कौर 42 रन पर नाबाद क्रीज पर थीं। स्टंप्स तक टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 525 रन बना लिए थे।

दूसरे दिन की शुरुआत में पहला विकेट 112.4 ओवर में - रमनप्रीत (69) के रूप में गिरा। उसके बाद 115.1 ओवर में ऋचा घोष के 86 रन पर आउट होने के साथ ही भारत ने 6 विकेट पर 603 रन पर पारी घोषित कर दी।

भारत ने वनडे सीरीज में अफ्रीका को किया था क्लीन स्वीप- टेस्ट से पहले भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज हुई। भारत ने अफ्रीका को 3-0 से हराया। इस सीरीज में भी कई रिकॉर्ड्स बने। स्मृति मंधाना ने लगातार दो मुकाबलों में शतकीय पारी खेली। वहीं, दूसरे वनडे में पहली बार एक मुकाबले में 4 महिला खिलाड़ियों ने शतक बनाए।

5 जुलाई से शुरू होगी टी-20 सीरीज- साउथ अफ्रीका की टीम भारतीय दौरे पर है। इसमें तीन वनडे, एक टेस्ट और तीन टी-20 मुकाबले की सीरीज खेली जानी है। दोनों के बीच 5 जुलाई को शाम 7 बजे पहला टी-20 मैच खेला जाएगा। दूसरा मैच 7 जुलाई और तीसरा 9 जुलाई को खेला जाएगा।

ओलंपिक से पहले भारत को बड़ा झटका

दावेदार डीपी मनु डोपिंग मामले में निलंबित

पंचकूला, एजेंसी। मनु 15 से 19 मई तक भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में 82.06 मीटर के थ्रो के साथ ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे।। उन्होंने एक जून को ताइपे शहर में ताइवान एथलेटिक्स ओपन में 81.58 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

ओलंपिक क्वालिफिकेशन के दावेदार माने जा रहे भाला फेंक खिलाड़ी डीपी मनु को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने प्रतिबंधित स्टेरॉयड के सेवन के आरोप में अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि मनु का पॉजीटिव टेस्ट इस साल अप्रैल में इंडियन ग्रां प्री के दौरान लिया गया था। इससे पहले उन्हें नाडा के निर्देश पर भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने प्रतिस्पर्धाओं से परे रहने के लिये कहा था। एशियाई चैम्पियनशिप 2023 में रजत पदक जीतने वाले 24 साल के इस खिलाड़ी का विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से ओलंपिक क्वालीफिकेशन लगभग निश्चित था। इस मामले के सामने आने के बाद हालांकि उनका पेरिस ओलंपिक की दौड़ से बाहर होना लगभग तय है।

वह यहां गुरुवार से शुरू हुई राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप के लिए शुरुआती प्रवेश सूची में थे। लेकिन बाद में जारी की गयी सूची से उनका नाम हटा दिया गया। एएफआई अध्यक्ष आदिले सुमरिवाला ने 'पीटीआई-भाषा' को

बताया कि नाडा ने महासंघ से मनु को प्रतियोगिताओं से रोकने के लिए कहा है लेकिन उन्होंने इसकी पुष्टि नहीं की कि एथलीट ने डोपिंग अपराध किया है या नहीं।

सुमरिवाला ने कहा, ''ऐसा कुछ हो सकता है, लेकिन हम अभी नहीं जानते कि वास्तविक कारण क्या है। कल एएफआई कार्यालय (नाडा से) को एक फोन आया था कि उसे (मनु को) प्रतियोगिताओं से रोक दिया जाए।'' उन्होंने कहा, '' इसके अलावा कोई विवरण (किस तरह के संभावित उल्लंघन पर) नहीं दिया गया है। मुझे लगता है कि एथलीट (डीपी मनु) खुद नाडा से पता लगा रहा है कि इसके पीछे क्या कारण है।'' मनु 15 से 19 मई तक भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में 82.06 मीटर के थ्रो के साथ ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे।। उन्होंने एक जून को ताइपे शहर में ताइवान एथलेटिक्स ओपन में 81.58 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। मनु विश्व एथलेटिक्स 'रोड टू पेरिस' सूची में 15वें स्थान पर थे और पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की राह पर थे क्योंकि 32 एथलीट पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे। क्वालिफिकेशन की अंतिम तिथि 30 जून है। चोपड़ा और किशोर जेना ने 85.50 मीटर के क्वालीफाइंग मानक को हासिल कर पहले ही ओलंपिक के लिए स्वतः योग्यता हासिल कर चुके है। ओलंपिक के किसी ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धा में एक देश में अधिकतम तीन एथलीट भाग ले सकते हैं।

शेफाली ने विमेंस टेस्ट का सबसे तेज दोहरा शतक जड़ा

194 बॉल पर 200 रन बनाए

नईदिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम भारत दौरे पर है। भारत और अफ्रीका के बीच इकलौता टेस्ट मुकाबला चेन्नई के चेपक स्टेडियम में खेला जा रहा है। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने शुक्रवार 28 जून को अपने इंटरनेशनल करियर का पहला दोहरा शतक बनाया। यह तीनों फॉर्मेट में उनकी पहली शतकीय पारी रही। उन्होंने 197 बॉल पर 205 रन की पारी खेली। हालांकि, शेफाली ने अपनी डबल सेंचुरी 194 बॉल पर ही पूरी कर ली थी। यह विमेंस टेस्ट का सबसे तेज दोहरा शतक है। पिछला रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड के नाम था। उन्होंने इसी साल साउथ अफ्रीका के खिलाफ 248 बॉल पर दोहरा शतक जड़ा था और 256 बॉल पर 210 रन

बनाए थे। वहीं, स्मृति मंधाना ने भी 149 रन की शतकीय पारी खेली। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए रिकॉर्ड डबल सेंचुरी पार्टनरशिप हुई।

शेफाली ने एक टेस्ट इंनिंग्स में जड़े सबसे ज्यादा छक्के

शेफाली वर्मा ने अपनी पारी में 8 छक्के और 23 चौके लगाए। विमेंस टेस्ट क्रिकेट में किसी भी खिलाड़ी ने एक पारी में इतने छक्के नहीं लगाए। उनसे पहले एक इनिंग में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने का रिकॉर्ड एलिस हीली के नाम था। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ एक पारी में 2 सिक्स लगाए थे। वहीं, 205 की इस पारी के 140 रन बाउंड्री से आए। यह भारत की ओर से एक इंनिंग में बाउंड्री से आने वाले सबसे ज्यादा रन रहे।

मंधाना और शेफाली ने पहले विकेट लिए की सबसे बड़ी साझेदारी

साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पहले विकेट के लिए 312 गेंदों में 292 रन की पार्टनरशिप की। यह साझेदारी टेस्ट में पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी रही। उनसे पहले यह रिकॉर्ड पाकिस्तान की किरन बलूच और साजिदा शाह के नाम था। उन्होंने 2004 में वेस्टइंडीज के खिलाफ कराची में 241 रन की साझेदारी की थी। भारत के लिए यह किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी रही। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर रही भारत, दूसरे सेशन के बाद स्कोर 334/2 भारत और साउथ अफ्रीका के बीच एक मैच की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। टॉस जीतकर भारतीय टीम ने पहली बल्लेबाजी चुनी। टीम ने दो सेशन खत्म होने के बाद 2 विकेट के नुकसान पर 334 रन बना लिए। स्मृति मंधाना 149 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, सथीष शुभा ने 15 रन बनाए।

5 जुलाई से शुरू होगी टी-20 सीरीज

साउथ अफ्रीका के भारत दौरे में तीन वनडे, एक टेस्ट और तीन टी-20 मुकाबले की सीरीज खेली जानी है। दोनों के बीच 5 जुलाई को शाम 7 बजे पहला टी-20 मैच खेला जाएगा। दूसरा मैच 7 जुलाई और तीसरा 9 जुलाई को खेला जाएगा।

लव सॉन्ग धीरे धीरे के लिए साथ आए पारस कलनावत और मन्नारा चोपड़ा

एक्टर पारस कलनावत और मन्नारा चोपड़ा पहली बार लव सॉन्ग धीरे-धीरे के लिए एक साथ आए हैं। यह सॉन्ग दर्शकों को रोमांस और शांति की दुनिया में ले जाएगा। दो मिनट 46 सेकंड के इस म्यूजिक वीडियो को पायल देव और आदित्य देव ने अपनी आवाज दी है। जैसे-जैसे गाना आगे बढ़ता है, पायल और आदित्य की मधुर आवाज रोमांस की दुनिया में ले जाती है। संगीतकार आदित्य द्वारा तैयार किए गए इस गाने में कुणाल वर्मा के दिल को छू लेने वाले बोल हैं। लव सॉन्ग धीरे धीरे अपने अंतिम नोट तक भी दर्शकों को बांधे रखता है। दिब्या चटर्जी द्वारा निर्देशित यह म्यूजिक वीडियो गाने के सार को बहुत ही खूबसूरती के साथ पर्दे पर दिखाती है।

गाने के बारे में बात करते हुए मन्नारा चोपड़ा ने कहा, पारस के साथ धीरे धीरे का हिस्सा बनना बहुत ही खुशी की बात है। गाने को बहुत ही खूबसूरती के साथ तैयार किया गया है और इसके दिल छू लेने वाले बोल इसे एक यादगार गीत बनाते हैं। जब मैंने ट्रैक की कुछ पंक्तियां सुनीं, तो मुझे इससे प्यार हो गया। मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि दर्शक इसे किस तरह से पसंद करते हैं। क्योंकि धीरे धीरे वास्तव में रोमांस के बारे में है। वहीं गाने में मन्नारा के साथ नजर आने वाले पारस ने कहा, जब मैंने पहली बार पायल और आदित्य का यह ट्रैक सुना तो, तभी मुझे लग गया था कि यह खास है। गाने के म्यूजिक से लेकर इसके बोल दर्शकों को बेहद पसंद आएंगे। मन्नारा के साथ धीरे धीरे पर काम करना एक शानदार अनुभव रहा। यह पहली बार है जब हम दोनों एक साथ नजर आ रहे हैं। इसकी शूटिंग बेहद ही खूबसूरत लोकेशन पर की गई, जो इस गाने में आकर्षण की एक अतिरिक्त परत जोड़ देती है।

संगीतकार आदित्य ने इस गाने को प्रेरणा और भावना से भरा एक सफर बताया। उन्होंने कहा, गाने में कुणाल के बोल, इसके संगीत, मन्नारा और पारस की मौजूदगी ने इस गाने में जान डाल दी है। मैं एक ऐसा गाना बनाना चाहता था जो दर्शकों के दिलों को छू जाए।

निवेथा थॉमस की फिल्म 35 चिन्ना कथा काडू पर आया बड़ा अपडेट

निवेथा थॉमस एक मशहूर दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेत्री हैं। उन्होंने तेलुगु, तमिल और मलयालम फिल्मों में काम किया है। हाल में ही उनकी आगामी फिल्म का एलान किया गया था। वो लंबे समय से फिल्मों की दुनिया से दूर थीं। इस वजह से उनके फैंस बेसब्री से उन्हें पर्दे पर देखने का इंतजार कर रहे थे, जिसके बाद बीते दिनों ही निवेथा ने अपनी नई फिल्म का पोस्टर जारी किया था।

कल्कि 2898 एडी के साथ रिलीज होगा टीजर

निवेथा थॉमस ने बीते मंगलवार अपनी अगली फिल्म की घोषणा की थी, जिसका नाम 35-चिन्ना कथा काडू है। उनके फैंस की तरफ से इस पोस्टर पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। अब इस फिल्म के निर्माताओं ने एक नया अपडेट जारी कियी है। इस अपडेट में उन्होंने फिल्म के टीजर को लेकर जानकारी दी है। जानकारी के मुताबिक, फिल्म 35-चिन्ना कथा काडू का टीजर कल्कि 2898 एडी के साथ सिनेमाघरों में प्रीमियर के लिए तैयार है। इसे विशेष रूप से पीवीआर और आईनॉक्स चेन में चलाया जाएगा। हालांकि, टीजर की डिजिटल रिलीज की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है।

15 अगस्त को रिलीज होगी 35 चिन्ना कथा काडू

बताते चलें कि फिल्म में निवेथा थॉमस के अलावा युवा अभिनेता प्रियदर्शी और विश्वदेव भी फिल्म में प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। 35 चिन्ना कथा काडू का निर्देशन नंद किशोर के जिम्मे है। वहीं, फिल्म का निर्माण सुरेश प्रोडक्शंस के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म में विवेक सागर संगीत देने वाले हैं। इस फिल्म को तेलुगु, तमिल और मलयालम में रिलीज किया जाएगा। इसकी रिलीज की तारीख का भी एलान कर दिया गया है। फिल्म 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

जूनियर एनटीआर के डांस से प्रभावित हैं जान्हवी कपूर

एनटीआर की बहुप्रतीक्षित फिल्म देवरा में उनके साथ हिंदी फिल्म अभिनेत्री जान्हवी कपूर भी नजर आने वाली हैं। हाल में ही विदेश में फिल्म के एक गाने की शूटिंग कर अभिनेता वापस आए हैं। देवरा इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की ये फिल्म लगातार सुर्खियों में है। इस फिल्म में पहली बार ये जोड़ी पर्दे पर नजर आने वाली है, जिसको लेकर दोनों कलाकारों के फैंस काफी उत्साहित हैं। हाल में एनटीआर विदेश यात्रा से वापस आए हैं, वह जान्हवी कपूर के साथ एक गाने की शूटिंग कर रहे थे। एनटीआर के डांस से प्रभावित हैं जान्हवी फिल्म निर्माता भली-भांति जानते हैं कि दोनों कलाकार के फैंस इस जोड़ी को पर्दे पर देखने के लिए काफी उत्साहित है। इसलिए फिल्म में दोनों पर एक रोमांटिक गाना भी फिल्माया जा रहा है, जो इनके फैंस के लिए एक शानदार अनुभव होने वाला है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि जान्हवी एनटीआर की डांसिंग से काफी प्रभावित हुई हैं। अभिनेता ने गाने के डांस स्टेप्स एक बार में ही सीख लिए, जबकि अभिनेत्री को इसके लिए थोड़ा संघर्ष करना पड़ा।

फिल्म के एक गाने को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि जान्हवी खुद एक प्रशिक्षित डांसर हैं, लेकिन फिर भी उन्हें इस गाने के दौरान थोड़ी मुश्किलें हुईं। वहीं, एनटीआर ने उन्हें अपनी डांसिग स्किल्स से काफी हैरान किया।

इसके अलावा रिपोर्ट्स में कहा गया कि सेट पर जान्हवी काफी अच्छे से तैयार हो कर आती थीं, ताकि वो स्टेप्स सही से कर सकें। इससे सेट पर किसी का समय बर्बाद नहीं होता था।

यश भी हुए कल्कि 2898 एडी के मुरीद

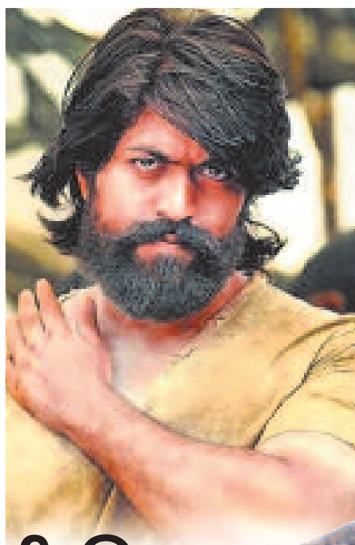

कल्कि 2898 एडी अपनी रिलीज के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई है। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी इस फिल्म को समीक्षकों, दर्शकों और सितारों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। वहीं, अब इसकी प्रशंसा करने वाले सितारों में कन्नड़ सुपरस्टार यश का भी नाम जुड़ गया है। यश ने एक्स पर लिखा, एक आश्चर्यजनक दृश्य बनाने के लिए कल्कि 2898 एडी की टीम को बधाई यश ने आगे लिखा, यह फिल्म अधिक रचनात्मक कहानी कहने का मार्ग प्रशस्त करती है। इसके साथ ही उन्होंने इतना बड़ा कदम उठाने के लिए नाग अश्विन समेत निर्माताओं की भी सराहना की।

एनबीके 109 लोगों को गुदगुदाते नजर आएंगे नंदमुरी बालकृष्ण

इन दिनों नंदमुरी बालकृष्ण के सितारे बुलंद हैं। वो तीसरी बार हिंदूपुर से विधायक बने हैं और उनकी फिल्में भी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। साल 2021 में रिलीज हुई उनकी फिल्म अखंडा ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। अब वो अपनी नई फिल्म एनबीके 109 को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। हाल ही में, इस फिल्म से जुड़ी एक दिलचस्प जानकारी सामने आई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एनबीके 109 में नंदमुरी बालकृष्ण लोगों को गुदगुदाते हुए नजर आएंगे। उनके किरदार में एक कॉमेडी टच देखने को मिलेगा। इस खबर को जानकर नंदमुरी बालकृष्ण के फैंस का उत्साह बढ़ने लगा है और अब वो उनके रोल को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस जानकारी के सामने आने से अब चर्चा चल रही है कि यह फिल्म मजेदार होने वाली है।

केएस रविंद्र कर रहे हैं फिल्म को डायरेक्ट

एनबीके 109 का निर्देशन केएस रविंद्र कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में, चिरंजीवी के साथ वाल्टेयर वीरय्या के रूप में एक ब्लॉकबस्टर फिल्म दी है। एनबीके 109 में नंदमुरी बालकृष्ण के अलावा चांदनी चौधरी भी मुख्य किरदार अदा कर रही हैं। इन दोनों के अलावा अभिनेत्री उर्वशी रौतेला भी अभिनय करती दिखाई देंगी।

वरुण तेज की आगामी फिल्म को लेकर आई बड़ी जानकारी

वरुण तेज साउथ फिल्मों के जाने-माने अभिनेता हैं। वह मुख्य रूप से तेलुगु फिल्मों में काम करते हैं। उन्होंने साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म मुकुंद से बतौर मुख्य अभिनेता अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने फिदा, थोली प्रेमा जैसी कुछ सफल फिल्मों में काम किया। अब एक बार फिर वह पर्दे पर अपने फैंस को सौगात देने वाले हैं। उनकी आगामी फिल्म मटका की शूटिंग को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है।

तीसरे शेड्यूल की हैदराबाद में चल रही है शूटिंग

बीते दिनों ही फिल्म की शूटिंग शुरू हुई है। इसकी जानकारी खुद वरुण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर दी हैं। वह करुणा कुमार निर्देशित फिल्म मटका में नजर आने वाले हैं। फिल्म को लेकर आए नवीनतम रिपोर्ट में इसके शूटिंग से संबंधित जानकारी दी गई है। टीम की तरफ से सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर जानकारी दी गई है, जिसमें बताया गया है कि फिल्म का तीसरा शेड्यूल, फिलहाल आरएफसी, हैदराबाद में चल रहा है। फिल्म के इस शेड्यूल के लिए टीम ने विजाग के 80 के दशक में नजर आने वाले स्थानों को फिर से बनाया है। इसकी एक विशेष झलका टीम की तरफ से जारी की गई है।

नोरा फतेही भी हैं फिल्म का हिस्सा

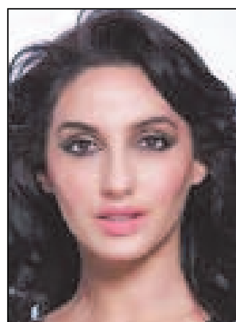

बता दें कि नवीन चंद्रा भी फिल्म का हिस्सा है। उनके अलावा मीनाक्षी चौधरी और नोरा फतेही भी इस फिल्म में अभिनय करती नजर आएंगी। फिल्म का निर्माण व्यारा एंटरटेनमेंट और एसआरटी एंटरटेनमेंट द्वारा किया जा रहा है। वहीं, जी वी प्रकाश कुमार संगीत निर्देशक हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है, ऐसे में लगातार फिल्म को लेकर अपडेट सामने आ रहे हैं।

बताते चलें कि वरुण तेज की पिछली दो फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन किया था। उनकी पिछली फिल्म ऑपरेशन वैलेंटाइन थी, जो टिकट खिड़की पर फ्लॉप साबित हुई। इससे पहले उनकी फिल्म गांडीवधारी अर्जुन आई थी। इस फिल्म को भी दर्शकों ने खासा पसंद नहीं किया था और बॉक्स ऑफिस पर फिल्म बुरा हाल हुआ था।

राजेश खन्ना के आनंद की रीमेक करनी थी, पर लगा ये पाप है

बॉलीवुड फिल्मों में अपनी एक अलग पहचान बना चुके गुलशन देवैया बैड कॉप में नजर आ रहे हैं। ओटीटी पर क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज बैड कॉप 21 जून से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है। इसमें अनुराग कश्यप भी अभिनय करते दिखाई दे रहे हैं। एक्टर ने फिल्ममेकर के साथ पहले भी काम किया है और उन्होंने उनके साथ दोबारा काम करने का अनुभव साझा किया है। साथ ही अपनी सीरीज और निजी जिंदगी के बारे में भी बात की है।

आपको पहला ब्रेक अनुराग कश्यप ने दैट गर्ल इन यलो बूट्स में दिया था। जबकि, इस सीरीज में वो आपके को-ऐक्टर हैं। अनुराग के साथ आपका रिश्ता इतने सालों में कैसे बदला है?

शुरू में मैं उनसे बात करने में हिचकता था। हमारी सिर्फ काम के बारे में बात होती थी, ज्यादातर वो बताते थे कि मैं ये फिल्म लिख रहा हूं, न्यू यॉर्क जा रहा हूं, फिल्म फेस्टिवल जा रहा हूं और हम घंटों बैठकर सुनते थे। फिर हमारे बीच थोड़ी दूरी भी आ गई क्योंकि उन्होंने मेरी दोस्त (कल्कि) से शादी की थी और वे जब अलग हुए तो पहले जैसा मिलना-जुलना नहीं रह गया। तब इतनी हिम्मत भी नहीं थी क्योंकि उनका एक ऑरा था, जिस तरह का सिनेमा वो बनाते हैं। मुझे पहला ब्रेक उन्होंने दिया था तो एक सम्मान भी था, जो अब भी है तो मैं उनका दोस्त बनने की कोशिश नहीं कर सकता था, लेकिन इस शो में हम कोस्टार्स थे। वह यहां डायरेक्टर नहीं थे तो खाली समय में उन्हें भी पता नहीं होता था कि क्या करना है। मुझे भी इतनी हिम्मत आ गई कि अब हम इधर उधर की बातें भी कर लेते थे तो हमारे बीच काफी बातें हुईं। बाकी, हम दोनों एक-दूसरे के शुभचिंतक हैं।

सीरीज में आपका अपनी पत्नी के साथ एक अलग डायनामिक्स है कि वो आपसे सीनियर हैं, जिससे आपके रिश्ते में उतार-चढ़ाव आता है। अमूमन हमारे पितृसत्तात्मक समाज में मर्द खुद से सफल पत्नी बर्दाश्त नहीं कर पाते। इस बारे में क्या कहेंगे?

इसकी वजह हमारी सोशल कंडीशनिंग है। जो हम अपने बड़े-बुजुर्ग, बड़े भाई को करते हुए देखते हैं, उसी को सही मान लेते हैं कि ऐसा ही होता है। इसका शिकार मर्द भी हैं। मर्दों पर भी बहुत दबाव रहता है, कमाने का, अच्छी नौकरी पाने का, सबका सहारा बनने का, क्योंकि वो मर्द है। इसलिए, उनकी ये कंडीशनिंग हो जाती है कि हम मर्द हैं, हमें ऐसे ही करना है। जमाने के हिसाब से यह सोच बदली नहीं है और इन चीजों को समझने में बहुत वक्त लग जाता है क्योंकि हमें स्कूल में तो ये बातें सिखाई नहीं जाती, इसके लिए हमें धीरे-धीरे काम करते रहना होगा, उसी से बदलाव आएगा। अचानक चाबुक चलाने से कुछ नहीं होगा।

इसमें आप पुलिसवाले के रोल में हैं। अनुराग कश्यप के मुताबिक, ऐक्शन के मामले में आप टाइगर श्रॉफ को टक्कर देने वाले हैं। वह अनुभव कैसा रहा?

इसमें मैं दूसरी बार पुलिस वाले का रोल कर रहा हूं लेकिन दहाड़ में जहां मैं बहुत ईमानदार और रियलिस्टिक पुलिसवाला था, यहां उससे बिल्कुल उल्टा हूं। मर्द को दर्द नहीं होता के बाद दूसरी बार डबल रोल भी कर रहा हूं। इसके डायरेक्टर आदित्य दत्त के साथ मैंने कमांडो की थी। उन्होंने विद्युत जामवाल के साथ फिल्म की है तो ऐक्शन में वह काफी माहिर हैं। मेरे लिए वह थोड़ा चैलेंजिंग था क्योंकि उसमें फिजिकली मजबूती की जरूरत होती है। ऐक्शन करते वक्त शरीर पर जोर बहुत पड़ता है। अपने को संभालो, दूसरे को भी संभालो और मैं इसका आदी नहीं हूं तो हम थक जल्दी जाते हैं। वैसे भी आप रात भर भागेंगे तो थक जाएंगे। विद्युत, टाइगर यही करते हैं। उनकी बहुत सालों की ट्रेनिंग रही है। हम दो-चार दिन की ट्रेनिंग से खुद को ऐक्शन हीरो नहीं बोल सकते तो वो मुश्किल था मगर आदित्य दत्त ने यह सब सोचकर ही ऐक्शन डिजाइन किया था। उन्होंने ऐसे ऐक्शन करवाए कि कूल भी लगे, अच्छा भी दिखे पर मैं उसे परफॉर्म भी कर सकूं।

निजी तौर पर आपका पसंदीदा पुलिस किरदार कौन सा है? और ये सीरीज बैड कॉप की रीमेक है, कोई हिंदी फिल्म है, जिसका रीमेक आप करना चाहेंगे।

पुलिसवाले करैक्टर तो कई हैं, जो मुझे पसंद हैं। जंजीर में अमिताभ बच्चन, अर्धसत्य में ओम पुरी साहब का किरदार, मुझे सिंघम भी पसंद है और दहाड़ में अपना किरदार भी। वहीं, रीमेक की बात करें तो मेरे जेहन में आनंद का रीमेक करने की बात थी, राजेश खन्ना ने उसमें कमाल का काम किया है, मगर फिर लगा कि ऐसी महान फिल्मों के रीमेक का सोचो ही मत। ये पाप है, उस फिल्म को छोड़ दो, वह अमर है।